नई दिल्ली

रविवार, 31 अगस्त, 2025

भाद्रपद मास शुक्ल पक्ष,
अष्टमी वर्ष : 29, अंक : 137
पृष्ठ 12 मूल्य 2.00

मौसम
अधि. 30
न्यून. 26

हरिभूमि

दिल्ली, हरियाणा, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

09 एशिया कप हॉकी : जापान के खिलाफ सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने उतरेगी भारतीय टीम

RERA REGISTRATION NO.: RAJ/P/2018/682
https://rera.rajasthan.gov.in/

AFFORDABLE RESIDENTIAL PLOTS

(Under Govt. of Rajasthan Residential Plotting Scheme)

INVITE APPLICATIONS FOR FREEHOLD RESIDENTAL PLOTS

BHIWADI-NCR

IMMEDIATE REGISTRY

Pay Rs. 21,000/- for Registration

Amount is Refundable in case of Non-Allocation

Floor Wise Registry Allowed

33% महिलाओं और सरकारी कर्मचारियों के लिए आरक्षित
पंजीकरण के लिए 101 प्लॉट उपलब्ध

IMPORTANT DATES

Finance Available

Today is the Last Day to Apply
Register before scheme ends (Tonight 12:00pm)

Allotment Result Date 2nd Sep 2025
(At 06:00pm)

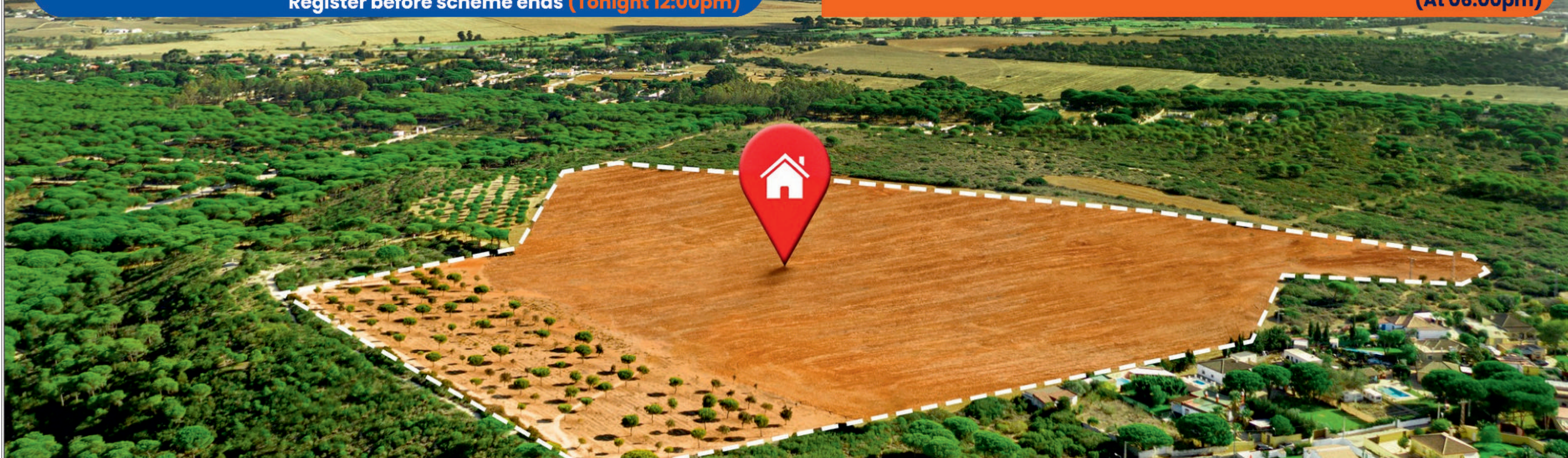

101 PLOTS AVAILABLE FOR REGISTRATION
TOWNSHIP ON BHIWADI-ALWAR EXPRESSWAY

No. of Units	Plot Area (Sq.Yd)	Rate per Sq Yd (Rs.)	Registration Amount (Rs.)	10% On Allotment (Minus Registration Amount) (Rs.)	15% On BBA (Rs.)	25% within 30 Days From Allotment (Rs.)	50% within 60 Days from Allotment (On Registry) (Rs.)	Total Cost (Rs.)
30	52.64 to 54.41 Sq.Yd. (44.01 to 45.49 Sq.mt.)	23,000/-	21,000/-	1,00,072/- to 1,04,143/-	1,81,608/- to 1,87,715/-	3,02,680/- to 3,12,858/-	6,05,360/- to 6,25,715/-	12,10,720/- to 12,51,430/-
30	78.82 to 83.19Sq.Yd. (65.90 to 69.55 Sq.mt.)	23,000/-	21,000/-	1,60,286/- to 1,70,337/-	2,71,929/- to 2,87,006/-	4,53,215/- to 4,78,343/-	9,06,430/- to 9,56,685/-	18,12,860/- to 19,13,370/-
41	115.27 to 151.34Sq.Yd. (96.38 to 126.53 Sq.mt.)	23,000/-	21,000/-	2,44,121/- to 3,27,082/-	3,97,682/- to 5,22,123/-	6,62,803/- to 8,70,205/-	13,25,605/- to 17,40,410/-	26,51,210/- to 34,80,820/-

Any other changes/ taxes levied by the Govt. will be changed as per Extra.

NEARBY LOCATION : Proposed Green Field Airport | Proposed RRTS/Neo Metro | Tijara Jain Temple

Advantages

- 50 Acres Gated Township
- On Bhiwadi-Alwar Expressway
- Fully Habitable Township
- Delhi Police Commando Training Academy Near By
- Delhi NCR Biggest Industrial Hub
- 3000 functional Industries in close Vicinity
- Opposite Honda & Kajaria Tiles Factory
- Clubhouse with 31 amenities

Amenties

Gated Community | Primary School | Club House | Shopping Complex | Nursing Home | Swimming Pool | Fresh Water Supply | 3- Tier Security | Playgrounds | Temple

Register Online
www.plotsonlineregistration.org
Call 6262-16-0707

SCAN TO REGISTER

Disclaimer: The Promoter strongly advises all applicants to personally inspect the project site and make their own independent judgment before submitting any application for allotment. Unless otherwise specified, all images, visuals, materials, and information presented herein are purely creative/artistic impressions and may not represent the actual product and/or amenities. The final design, specifications, and finishes may differ from those displayed above.Any journey time mentioned is based on Google Maps and is subject to variations depending on prevailing traffic conditions. The rate mentioned above does not include GST and other applicable statutory charges. Terms & Conditions apply. Note:1 sq. mt. = 1.196 sq. yd.RERA Registration No. RAJ/P2018/682 dated 28.01.2022Project: Ozone City 2, Bhiwadi

पुलिस ने तीन आरोपी किये गिरफ्तार

कालकाजी में मंदिर के सेवादार को पीट पीटकर उतारा मौत के घाट

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

दक्षिण-पूर्वी जिले के कालकाजी मंदिर में 35 वर्षीय एक सेवादार की कुछ लोगों के साथ झगड़े के बाद पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने बताया कि हमलावरों में से एक आरोपी को मौके पर ही पकड़ लिया गया था, जबकि दो को बाद में पकड़ा गया। अन्य की तलाश जारी है। घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है।

पुलिस के अनुसार शुक्रवार रात करीब साढ़े नौ बजे पुलिस नियंत्रण कक्ष को मंदिर में हुए विवाद के बारे में सूचना मिली थी। पुलिस ने बताया कि मंदिर में दर्शन करने आए आरोपियों ने उत्तर प्रदेश के हरदोई निवासी सेवादार योगेंद्र सिंह से 'चुन्नी व प्रसाद' मांगा था, जिसके बाद यह विवाद शुरू हुआ। डीसीपी हेमंत तिवारी ने बताया कि विवाद ने तब हिंसक रूप ले लिया जब ग्रुप ने सेवादार पर घूंसे बरसाए और लाठियों से उनकी पिटाई कर दी। सिंह पिछले 14-15 वर्षों से कालकाजी मंदिर में सेवा कर रहे थे। उन्हें एम्स ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। कालकाजी थाने में मामला दर्ज किया गया है। आरोपियों में से एक की पहचान दक्षिणपुरी निवासी अतुल पांडे (30) के रूप में हुई है, जिसे स्थानीय लोगों ने मौके पर ही पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया था। पुलिस का कहना है कि दो आरोपियों कुलदीप बिधूड़ी और मोहन उर्फ भूरा को शनिवार को पकड़ा गया। दोनों तुगलकाबाद के रहने वाले हैं और उनकी उम्र 19 व 20 वर्ष है। शेष आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं।

- घटना का वीडियो भी आया सामने

दिल्ली में कोई सुरक्षित है भी या नहीं : केजरीवाल

नई दिल्ली। दिल्ली के कालकाजी मंदिर के अंदर सेवादार की निर्मम हत्या पर आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने पूछा कि क्या दिल्ली में कोई सुरक्षित है भी या नहीं। केजरीवाल ने घटना का वीडियो ट्वीट कर एक्स पर लिखा कि कालकाजी मंदिर के अंदर सेवादार की निर्मम हत्या करने से पहले इन बदमाशों के हाथ नहीं कांपे। ये कानून व्यवस्था की विफलता नहीं तो और क्या है। भाजपा के चारों इंजनों ने दिल्ली का ये हाल कर दिया है कि अब मंदिरों में भी ऐसी वारदातें हो रही हैं। क्या दिल्ली में कोई सुरक्षित है भी या नहीं।

नेता विपक्ष आतिशी ने चिट्ठी लिख सीएम रेखा गुप्ता से मांगा इस्तीफा

नई दिल्ली। दिल्ली के कालकाजी मंदिर में एक सेवादार की बेरहमी से पीट पीट कर हत्या करने के मामले को लेकर आम आदमी पार्टी ने भाजपा और सीएम रेखा गुप्ता पर हमला बोला है। 'आप' की वरिष्ठ नेता और दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आतिशी ने सीएम रेखा गुप्ता को चिट्ठी लिखकर उनसे तत्काल इस्तीफा देने की मांग की है। उन्होंने कहा कि सेवादार योगेंद्र सिंह की निर्मम हत्या ने दिखा दिया है कि दिल्ली में कानून-व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त है। अपराधियों को पुलिस का डर नहीं है, क्योंकि भाजपा की 4 इंजन सरकार फेल हो चुकी है। जब सीएम रेखा गुप्ता दिल्लीवालों की सुरक्षा नहीं दे सकती हैं तो अपना इस्तीफा दे दें। आतिशी ने सीएम को लिखे पत्र में कहा है कि मैं आपका ध्यान दिल्ली की लगातार बिगड़ती कानून-व्यवस्था की ओर दिलाना चाहती हूं। देश की राजधानी दिल्ली में हालात इतने खराब हो चुके हैं कि अब लोग अपने घर, बाजार और धार्मिक स्थलों पर भी खुद को सुरक्षित महसूस नहीं कर रहे। हाल ही में कालकाजी मंदिर में सेवा करने वाले एक सेवादार की 5-6 लोगों ने मामूली प्रसाद के झगड़े पर बेरहमी से पीट-पीटकर हत्या कर दी। ये पूरी वारदात कैमरे में कैद हुई है। यह केवल एक घटना ही नहीं है, बल्कि दिल्ली में कानून-व्यवस्था की ध्वस्त हो चुकी स्थिति की गवाही देता है।

ई-रिक्शा पलटने से छात्रा की मौत केस में चालक अरेस्ट

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

- आरोपी छात्रा और उसकी मां को घायल हालत में छोड़ हो गया था फरार

जाफराबाद पुलिस ने बुधवार को मौजपुर में हुई एक दुर्घटना के आरोपी ई-रिक्शा चालक को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी चालक का नाम शाहनवाज (34) पुत्र मोहम्मद यासीन, निवासी बाबरपुर, दिल्ली बताया गया है। इस दुर्घटना में आठ साल की अंशिता पाराशर नामक छात्रा की मौत हो गई थी। हादसे के समय छात्रा अपनी मां के साथ स्कूल जा रही थी। रिक्शा में कई बच्चे सवार थे। आरोपी चालक घायलों को छोड़कर फरार हो गया था। पुलिस के अनुसार इस संबंध में जाफराबाद थाने में धारा 281/106(1) बीएनएस के तहत केस दर्ज किया गया था।

पुलिस के अनुसार बुधवार सुबह सात बजे आरोपी ई रिक्शा चालक की लापरवाही के कारण एक नाबालिग स्कूली छात्रा और उसकी मां घायल हो गई थी। बच्ची को जीटीबी अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया था। पुलिस ने विभिन्न सीसीटीवी फुटेज को स्कैन और विश्लेषण किया। फुटेज से पता चला कि ई रिक्शा पहले एक बाइक से टकराता है और फिर अनियंत्रित होकर पलट जाता है। ई रिक्शा में कई बच्चे और एक शिक्षक सवार होते हैं। अंशिता रिक्शा के नीचे दब गई थी। इसलिये उसे गंभीर चोटें आई थी। बच्ची शाहदरा के लिटिल फ्लावर स्कूल की तीसरी कक्षा में पढ़ती थी। आखिरकार फरार चालक को गिरफ्तार कर दुर्घटना में कथित रूप से शामिल ई-रिक्शा भी बरामद कर ली गई।

डीईआरसी की बिजली कंपनियों को राहत, पीपीएसी शुल्क वसूली के लिए अनुमति की आवश्यकता नहीं!

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली विद्युत विनियामक आयोग (डीईआरसी) ने राजधानी में बिजली आपूर्ति करने वाली डिस्कॉम के मसौदे को लगभग स्वीकार कर लिया है। अगले महीने के अंत तक संभव है डीईआरसी इस मसौदे पर मंजूरी की मुहर लगा देगा। जिसके बाद दिल्ली में बिजली उपभोक्ताओं के लिए एक नया नियम आ जाएगा। इस नियम के तहत बिजली कंपनियां अपनी मर्जी से ईंधन और बिजली खरीद यानी बिजली खरीद समायोजन अधिभार (पीपीएसी) शुल्क के अनुसार बिजली की दरें बढ़ा देंगी। यानी बिजली कंपनियों को डीईआरसी या सरकार की अनुमति की जरूरत ही नहीं रहेगी, वह स्वयं अपनी मर्जी से बिजली दरें बढ़ा देंगी। कहा जा सकता है कि हर महीने बिजली की दरें अलग अलग हो जाए तो हैरानी की बात नहीं होगी। जानकारी अनुसार डीईआरसी ने 2017 के टैरिफ नियमों में बदलाव का प्रस्ताव रखा है। जिससे निजी बिजली वितरण कंपनियों को डीईआरसी की मंजूरी की कोई जरूरत नहीं होगी और वह बिजली की बढ़ी हुई दरें लागू कर देंगी। इस मसौदे पर डीईआरसी ने दिल्ली वालों से 24 सितंबर 2025 तक आम राय मांगी है। अगर इसे लागू कर दिया गया तो संभव है कि दिल्ली में हर महीने बिजली की दरें अलग अलग होंगी। इस बारे में डीईआरसी ने कहा कि यह सीमा इसलिए लगाई गई है ताकि ग्राहकों को अचानक ज्यादा बिल न देना पड़े। अगर किसी महीने में बिजली कंपनी सरचार्ज लगाना भूल जाती है, तो वह बाद में उसे वसूल नहीं कर पाएगी। अगर कंपनी ग्राहकों से ज्यादा पैसे लेती है, तो उसे ब्याज के साथ वापस करना होगा। डीईआरसी की मानें तो अगर बिजली कंपनियां समय पर बिल कम नहीं करती हैं, तो उन्हें 1.2 गुना कैरिंग कॉस्ट रेट पर ब्याज देना होगा। बता दें कि अब से पहले नियमानुसार फ्यूल एंड पावर परचेज एडजस्टमेंट सरचार्ज (एफपीपीएएस) मतलब कोयला और गैस जैसे ईंधन के दाम बढ़ने से बिजली बनाने का खर्च बढ़ता है। लेकिन इसे उपभोक्ताओं से वसूलने के लिए डीईआरसी से मंजूरी लेनी पड़ती है और दरें भी वही तय करती है। जिसमें बिजली कंपनियां हर तीन महीने में इसे बिल में जोड़ती हैं। वहीं बिजली कंपनियां का कहना है कि यह एक अच्छा कदम है। इससे उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

रोहिणी में दामाद ने कैंची से की पत्नी और सास की बेरहमी से हत्या

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

- घरेलू कलह और बार-बार होने वाले झगड़े के चलते दिया वारदात को अंजाम

रोहिणी जिले के केएन काटजू मार्ग थाना अंतर्गत मां बेटी की हत्या से सनसनी फैल गई। घटना शनिवार दोपहर करीब साढ़े तीन बजे सामने आई। मृतकों के नाम कुसुम सिन्हा (63) और प्रिया सहगल (34) बताये गये हैं। दोनों के शवों को पोस्टमॉर्टम के लिये मोर्चरी भिजवाया गया है। पुलिस ने चंद घंटों में मामले का खुलासा करते हुये आरोपी योगेश सहगल को गिरफ्तार कर लिया है। योगेश मृतक प्रिया का पति और कुसम का दामाद है। घरेलू कलह को वारदात के पीछे की वजह बताया गया है।

पुलिस के अनुसार शनिवार को अपराह्न 3.50 बजे केएनके मार्ग थाने में कॉलर की मां और बहन की हत्या के संबंध में एक पीसीआर कॉल प्राप्त हुई। सूचना मिलने पर पुलिस टीम घटनास्थल यानी ए-3/158, तीसरी मंजिल, सेक्टर-17, रोहिणी पहुंची, जहां एक कमरे में दो महिलाओं के शव पड़े मिले।

मृतकों की पहचान कुसुम सिन्हा पत्नी स्वर्गीय उमेश और प्रिया सहगल पत्नी योगेश सहगल के रूप में हुई। कॉल करने वाला मेघ सिन्हा (30) पुत्र उमेश कुमार निवासी 147-148, पॉकेट-2, सेक्टर-24, रोहिणी घटनास्थल पर मौजूद था। उसने बताया कि वह मृतक प्रिया सहगल का भाई है। उसने आगे बताया कि 28 अगस्त को उसकी मां कुसुम सिन्हा अपनी बेटी प्रिया के घर चिराग (प्रिया के बेटे) का जन्मदिन मनाने आई थी। समारोह के दौरान परिवार के दोनों पक्षों के बीच उपहारों के आदान-प्रदान को लेकर प्रिया और उसके पति योगेश के बीच विवाद हो गया। कुसुम सिन्हा मामले को सुलझाने के लिए प्रिया के घर पर रुकी थी। शनिवार को जब मेघ ने मां से फोन पर संपर्क करने की कोशिश की तो उनकी कॉल का जवाब नहीं मिला। फिर वह प्रिया के घर आया और देखा कि फ्लैट बाहर से बंद था और दरवाजे के पास खून के धब्बे दिखाई दे रहे थे। उसने तुरंत परिवार के अन्य सदस्यों को सूचित किया और ताला तोड़ा, जहां उसने अपनी मां और बहन को कमरे के अंदर खून से लथपथ पाया। मेघ ने आरोप लगाया कि योगेश सहगल (प्रिया का पति, जो वर्तमान में बेरोजगार है) हत्या कर बच्चों को लेकर भाग गया। जांच पड़ताल के बाद आरोपी योगेश सहगल को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। मौके से उसके खून से सने कपड़े और एक कैंची (अपराध का हथियार) जब्त की गई है। हत्या की वजह घरेलू कलह और बार-बार होने वाला झगड़ा बताया गया हैं। क्राइम टीम और एफएसएल को भी मौके पर बुलाकर साक्ष्य एकत्र किये गये हैं। आगे की जांच जारी है।

मुठभेड़ के बाद कपिल नंदू-वेंकट गर्ग गिरोह के दो शूटर अरेस्ट

नई दिल्ली। गोलीबारी के एक हालिया मामले में वांछित दो शूटरों को रोहिणी इलाके में पुलिस ने एक मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। दोनों बदमाश कपिल नंदू-वेंकट गर्ग गिरोह से जुड़े हुये थे। इनके नाम हर्षदीप (20) और नवीन (24) बताये गये हैं। दोनों हरियाणा के अंबाला छावनी और पानीपत के रहने वाले हैं। पुलिस ने बताया कि दोनों को रोहिणी सेक्टर-28 में गोलीबारी के दौरान गोली लगी और फिलहाल दोनों उपचाराधीन हैं। दोनों 28 अगस्त को छावला में हुई ताबड़तोड़ फायरिंग की घटना के सिलसिले में वांछित थे। पुलिस ने बताया कि गिरोह के अन्य बदमाशों की पहचान करने और घटना में इस्तेमाल हथियारों की बरामदगी के लिए आगे की जांच की जा रही है।

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार

(राज्य विधायिका अधिनियम 17 ऑफ 1995 द्वारा स्थापित)
एनएएसी 'ए+' ग्रेड प्रमाणित विश्वविद्यालय

बी.टेक. (प्रथम वर्ष) और बी.टेक. (एलईईटी) प्रोग्राम की रिक्त/छोड़ी गई सीटों के तहत प्रवेश हेतु संस्थान स्तरीय फिजिकल काउंसलिंग

बी.टेक. (प्रथम वर्ष) और बी.टेक. (एलईईटी) प्रोग्राम की रिक्त/छोड़ी गई सीटों के तहत प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन सहित सत्र 2025-26 हेतु विस्तृत काउंसलिंग कार्यक्रम और अन्य जानकारी 28.08.2025 से विश्वविद्यालय वेबसाइट **www.gjust.ac.in** पर उपलब्ध होंगे।

संवाद-1237/11/152/2026/38190/सी/88/7 दि. 29.08.25 — कुलसचिव

पीपीएसी शुल्क लगाने की छूट देकर रेखा सरकार ने बिजली उपभोक्ताओं को लूटने की नीति अपनाई: यादव

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने रेखा सरकार पर आरोप लगाए है कि वह भी पूर्व की आम आदमी पार्टी की नीति अपनाकर पिछले दरवाजे से बिजली कंपनियों द्वारा उपभोक्ताओं को लूटने की छूट दे रही है। यादव ने कहा कि भाजपा की रेखा गुप्ता सरकार ने बिजली बिलों पर ईंधन और बिजली खरीद समायोजन अधिभार (पीपीएसी) शुल्क लगाने के लिए डिस्कॉम को खुली छूट दे दी है। उन्होंने कहा कि बिजली की दरों में वृद्धि करने की साजिश में रेखा सरकार बिजली कंपनियों को आर्थिक लाभ पहुंचाने में लगी है। दिल्ली विद्युत विनियामक आयोग (डीईआरसी) उपभोक्ताओं की बिजली खपत पर ईंधन और बिजली खरीद समायोजन अधिभार (पीपीएसी) बिना किसी अनुमति के अपने आप बिजली कंपनी शुल्क में वृद्धि करने के लिए एक अनुमोदन का प्रस्ताव लाई है। इस प्रस्ताव के तहत दिल्ली वालों को लूटने का रास्ता साफ कर रही है। ईंधन की दरों के उतार चढ़ाव के अनुसार बिजली बिलों में बढ़ोत्तरी अब बिजली कम्पनियां खुद तय करेंगी, यह उपभोक्ताओं के लिए हानिकारक होगा। यादव ने कहा कि डीईआरसी द्वारा सुझाव मांगना महज खानापूर्ति से ज्यादा कुछ नहीं है। क्योंकि मार्च में बिजली मंत्री आशीष सूद ने विधानसभा में बिजली की दरें संभवत बढ़ेंगी इस बात को पहले ही कह दिया था। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी की सरकार ने डिस्कॉम पर 27 हजार करोड़ का कर्ज छोड़ा था। जिसे अब बिजली कम्पनियों को दरें बढ़ाकर वसूलने का अधिकार वर्तमान रेखा सरकार दे रही है।

दो युवकों को चाकुओं से गोदा, एक की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

- दूसरे का ट्रामा सेंटर में चल रहा इलाज
- परिवार का शव सड़क पर रखकर प्रदर्शन

मालवीय नगर के खिड़की एक्सटेंशन में शुक्रवार आधी रात के बाद दो युवकों को चाकुओं से गोद दिया गया। घायलों को उपचार के लिये अस्पताल ले जाया गया, जहां एक युवक को मृत घोषित कर दिया गया। दूसरे युवक का ट्रामा सेंटर में इलाज जारी है। पुलिस हमलावरों को पकड़ने का प्रयास कर रही है। इसके लिये कई टीमें गठित किये जाने की बात कहीं गई है। वहीं मृतक के परिजनों ने पोस्टमॉर्टम के बाद शव को सड़क पर रखकर प्रदर्शन किया। उनकी मांग थी कि जब तक हत्यारे गिरफ्तार नहीं हो जाएंगे वह शव नहीं लेंगे।

पुलिस के अनुसार शनिवार को प्रात 2:08 बजे मालवीय नगर पुलिस को इस संबंध में सूचना प्राप्त हुई थी। बताया गया कि खिड़की एक्सटेंशन के जे ब्लॉक में दो लड़कों को चाकू मारा गया है और वे सड़क पर पड़े हैं, उनके शरीर से बहुत खून बह रहा है। इसके बाद प्रातः 2:25 बजे मदन मोहन मालवीय अस्पताल से एक और कॉल पुलिस को प्राप्त हुई, जिसमें बताया गया कि चाकू लगने से घायल एक व्यक्ति की मृत्यु हो गई है। पुलिस कर्मचारी तुरंत अस्पताल पहुंचे और मृतक की पहचान विवेक (19) के रूप में हुई। वह खिड़की एक्सटेंशन का रहने वाला था। शव को ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया। एक अन्य घायल की पहचान अमन (21) निवासी गुप्त कालोनी खिड़की एक्सटेंशन के रूप में हुई। वह ट्रॉमा सेंटर में उपचाराधीन है। इसके अलावा सुबह 2:53 बजे एक और पीसीआर कॉल प्राप्त हुई, जिसमें बताया गया कि चार लड़कों ने जेडी ब्लॉक, खिड़की एक्सटेंशन के पास एक लूट को अंजाम दिया है। उनके हाथों में चाकू थे और वह खून से सने थे। सीसीटीवी फुटेज विश्लेषण से पता चला कि चाकुओं से लैस चार लड़कों ने विवेक और अमन पर हमला किया था। पुलिस टीम ने घटनास्थल का दौरा किया। अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है। पुलिस ने बताया कि मृतक विवेक पॉट पॉट रेस्टोरेंट में कार्यरत था। उसके पिता गार्ड हैं। परिवार आगरा का रहने वाला हैं। घायल अमन डीएलएफ में टेबल स्पून का काम करता हैं। पिता का देहांत हो चुका है और मां गृहिणी हैं। पुलिस का कहना है कि वारदात के पीछे लूटपाट का मकसद हो सकता है। बहरहाल आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद वारदात के पीछे के असली कारणों का पता चल पाएगा।

एनएसयूआई ने दोहराया, 12 दिन पीरियड लीव कोई सुविधा नहीं सेहत का मामला

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के संगठन चुनावों की उल्टी गिनती शुरू हो चुकी है। ऐसे में विभिन्न छात्र संगठनों ने छात्रों को लुभाने के लिए लोकलुभावन चाले चलनी शुरू कर दी है। इसी कड़ी में कांग्रेस इकाई नेशनल स्टूडेंट यूनियन ऑफ इंडिया (एनएसयूआई) ने छात्राओं को प्रमुखता से अपने विजन में जगह देते हुए फिर दोहराया है कि 12 दिन पीरियड लीव कोई सुविधा नहीं बल्कि उनकी सेहत का मामला है। एनएसयूआई कहा है कि संगठन छात्राओं को उनके इस हक को दिलवाकर रहेगा। संगठन ने अपने विजन में विवि में खास कर महिला सुरक्षा के मुद्दे को भी शामिल किया है। एनएसयूआई अध्यक्ष डूसू अध्यक्ष रौनक खत्री की टीम इस मुद्दे को लेकर छात्राओं के बीच उतर चुकी है। संगठन की छात्राओं का कहना है कि 12 दिन की पीरियड लीव देना कोई सुविधा नहीं, बल्कि हमारे हेल्थ के लिए जरूरत है। पीरियड्स के दौरान लगातार कक्षाओं में बैठना, असाइनमेंट और प्रोजेक्ट पूरे करना बेहद मुश्किल हो जाता है। इस दर्द और थकान के बीच सामान्य तरीके से काम करना संभव ही नहीं है। इसीलिए ये छुट्टी छात्राओं के लिए आराम नहीं, बल्कि हर लड़की के स्वस्थ और संतुलित जीवन की बुनियाद है। बता दें इस मुद्दे को खुद संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष वरुण चौधरी ने विवि परिसर में आकर उठाया और कैंपेन चलाया था।

आज तक 400 मिमी से अधिक बरस चुके है बादल

अगस्त में टूटेगा 15 वर्ष पुराना बारिश का रिकॉर्ड

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

मानसून के इस सीजन में इस बार अगस्त महीने में आसमान एक तरह से टूटकर बरसता रहा है। अगस्त में कोई दिन ऐसा रहा होगा जब बारिश नहीं हुई हो। झमाझम बरसते बादलों की वजह से अगस्त ने लगभग 15 सालों का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। इस बार 1-30 अगस्त के बीच राजधानी दिल्ली में लगभग 400 मिली मीटर से अधिक पानी बरस चुका है जबकि अभी अंतिम दिन यानी 31 अगस्त 2025 का एक दिन बचा हुआ है। मौसम विभाग की जानकारी सही साबित हुई तो वीकेंड के दिन भी दिल्ली में कई जगह हल्की बारिश देखने को मिल सकती है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, राजधानी में इस महीने 28 अगस्त 2025 देर रात तक दिल्ली में 399.8 मिमी बारिश दर्ज की जा चुकी है। जो पिछले साल सहित कई वर्षों के दौरान अगस्त में होने वाली कुल बारिश को पार कर चुकी है और पुराने रिकॉर्ड तोड़ने के और करीब पहुँच रही है। आईएमडी का यह आंकड़ा अगस्त 2025 को 2010 के बाद से सबसे ज्यादा बारिश वाला बनाता है, जब दिल्ली में 455.8 मिमी बारिश हुई थी। महीना खत्म होने में एक दिन और बचा हैं। अधिकारियों को उम्मीद है कि बारिश के दिनों की संख्या, जो पहले ही 14 हो चुकी है, और बढ़ेगी। वहीं अगस्त 2024 में 390 मिमी बारिश का रिकॉर्ड बना था। इसके विपरीत, पिछले तीन सालों में अगस्त में बारिश काफ़ी कम रही जिनमें 2023 में 91.8 मिमी, 2022 में 41.6 मिमी और 2021 में 237 मिमी दर्ज हुई थी। जबकि इस महीने शहर में हुई भारी बारिश पहले ही दिल्ली के लिए निर्धारित वार्षिक वर्षा औसत का आंकड़ा पार कर चुकी है। जून और अगस्त के बीच, वर्षा लगातार अधिक रही है। जून में सामान्य से तीन गुना ज़्यादा 243.3 मिमी बारिश दर्ज हो चुकी है। जबकि जुलाई में औसत के क़रीब 203.7 मिमी बारिश दर्ज हुई थी। इन दोनों बारिशों को मिलाकर कुल मानसूनी बारिश 750 मिमी के पार पहुँच गई है, जो शहर के वार्षिक औसत 774.4 मिमी के लगभग बराबर है। निजी मौसम विज्ञान कंपनी स्काईमेट के अनुसार 1 जून से 27 अगस्त 2025 तक सफदरजंग स्थिति मौसम ऑब्जर्वेटरी में 579.8 मिमी बारिश दर्ज हुई है, जबकि इस दौरान सामान्य आंकड़ा 420.6 मिमी है, यानी 38 प्रतिशत अतिरिक्त बारिश हुई है। केवल दक्षिणी दिल्ली को छोड़कर बाकी सभी 9 जिलों में सामान्य या उससे अधिक बारिश रिकॉर्ड हुई है। स्काईमेट का कहना है कि अगस्त में 45 प्रतिशत अतिरिक्त बारिश दर्ज होना बेहद खास है। अब बाकी बचे एक दिन में भी बारिश की संभावना है, जिससे अगस्त इस सीजन का सबसे ज्यादा बारिश वाला महीना बनेगा। कंपनी का कहना है कि इस बारिश के पीछे मानसून ट्रफ मुख्य कारण रही है। पश्चिमी विक्षोभ भी सक्रिय है, जो इस ट्रफ को उत्तर की ओर खींचकर दिल्ली के नजदीक बनाए हुए है।

सरकार के सभी राजस्व जिलों को निगम के 12 जोनों के अनुरूप किया जाएगा व्यवस्थित : रेखा

नई दिल्ली। सरकार के सभी राजस्व जिलों की सीमाओं को दिल्ली नगर निगम के 12 जोनों के अनुरूप व्यवस्थित किया जाएगा। ताकि कार्यों में समन्वय बना रहे और किसी प्रकार की अव्यवस्था या सीमा संबंधी जटिलताएं उत्पन्न न हो। यह जानकारी मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को अलीपुर स्थित जिला मजिस्ट्रेट (डीएम) कार्यालय परिसर में नवनिर्मित जिला विकास समिति (डीडीसी) चेयरमैन ऑफिस के उद्घाटन पर दी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने जनसुनवाई के माध्यम से जनता की समस्याओं के त्वरित समाधान की प्रतिबद्धता दोहराई और 'दिल्ली को कूड़े से आज़ादी' अभियान के तहत श्रमदान कर स्वच्छ दिल्ली के लिए जन-सहभागिता की अपील की। इस कार्यक्रम में क्षेत्रीय सांसद योगेंद्र चांदोलिया, दिल्ली के समाज कल्याण मंत्री रविंद्र इंद्राज सिंह, विकास समिति के अध्यक्ष राजकुमार भाटिया, विधायक अशोक गोयल सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि आमजन की समस्याओं का समाधान करने, उन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ समयबद्ध तरीके से देने के लिए कई गंभीर कदम उठा रही है। इस कड़ी में सरकार के सभी 11 राजस्व जिलों की सीमाओं को नगर निगम के 12 जोन के अनुरूप व्यवस्थित किया जाएगा, जिससे कार्यों में समन्वय बना रहे, किसी प्रकार की अव्यवस्था या सीमा संबंधी जटिलता उत्पन्न न हो और लोगों की समस्याओं का समय पर निपटारा हो सके। मुख्यमंत्री ने यह भी जानकारी दी कि शासन को पारदर्शी व जनहितकारी बनाने के लिए सभी 11 जिलों में मिनी सचिवालय स्थापित किए जा रहे हैं, साथ ही अधिकारियों की जवाबदेही तय की जा रही है। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार नागरिक सेवाओं को और अधिक सुलभ व पारदर्शी बनाने के लिए लगातार प्रयासरत है।

हिन्दुस्तान टिन वर्क्स लिमिटेड

पंजी. कार्यालय : 426, डीएलएफ टावर ए, जसौला, नई दिल्ली-110025
Website : www.hindustantin.biz. Contact No. : +91 11-49998888
CIN: L27109DL1958PLC003006 Fax No. : 011-49998822

पर्यावरणानुकूल भविष्य बनाते हुए

67वीं वार्षिक सामान्य बैठक के सदस्यों को सूचना

एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि हिन्दुस्तान टिन वर्क्स लिमिटेड (''कम्पनी'') के सदस्यों की सड़सठवीं (67वीं) वार्षिक सामान्य बैठक ('एजीएम') एमसीए सामान्य सरकुलर्स नं. 14/2020, दिनांक 08 अप्रैल 2020, सं. 17/2020 दिनांक 13 अप्रैल 2020, सं. 20/2020 दिनांक 05 मई 2020, सं. 02/2021 दिनांक 13 जनवरी 2021, सं. 21/2021 दिनांक 14 दिसंबर 2021 और सं. 2/2022 दिनांक 05 मई 2022, सं. 10/2022 दिनांक 28 दिसंबर 2022, सं. 09/2023 दिनांक 25 सितम्बर 2023, सं. 09/2024 दिनांक 19 सितम्बर 2024 ('एमसीए सरकुलर्स') और सेबी सरकुलर्स नं. 2020/79 दिनांक 12 मई, 2020, सं. 2021/11 दिनांक 15 जनवरी 2021 और सं. 2022/079 दिनांक 3 जून 2022, सं. 2023/4 दिनांक 5 जनवरी 2023, सं. 2023/167 दिनांक 7 अक्तूबर 2023, सं. 2024/133 दिनांक 03 अक्तूबर 2024 ('सेबी सरकुलर्स') (एमसीए सरकुलर्स और सेबी सरकुलर को सामुहिक रूप से ''सरकुलर्स'' के रूप में संदर्भित) के साथ पठित सेबी (लिस्टिंग ऑब्लीगेशन और घोषणा आवश्यकताएं) नियमनों, 2015 और कम्पनी अधिनियम 2013 (एक्ट) और उनके तहत बनाए गए नियमों के सभी लागू प्रावधानों के अनुपालन में, एजीएम की सूचना में विनिर्दिष्ट अनुसार बिजनेस का सम्पादन करने के लिये बैठक में सदस्यों की भौतिक उपस्थिति के बिना वीडियो कांफ्रेंसिंग ('वीसी') / अन्य ऑडियो विजुअल साधनों ('ओएवीएम') के माध्यम से शुक्रवार 26 सितम्बर 2025 को पूर्वा. 11.00 बजे आयोजित की जाएगी।

सरकुलर्स के अनुपालन में, 67वीं एजीएम की सूचना सहित वित्तीय वर्ष 2024-25 हेतु वार्षिक रिपोर्ट ('वार्षिक रिपोर्ट') ई-मेल द्वारा उन सभी सदस्यों को भेजी जा रही है जिनके ई-मेल पते कम्पनी / डिपॉजिटरीज के पास पंजीकृत हैं। वार्षिक रिपोर्ट की भौतिक प्रति सदस्यों को भेजने की आवश्यकता उपरोक्त एमसीए और सेबी सरकुलर्स के तहत समाप्त कर दी गई है। इसके अतिरिक्त, वार्षिक रिपोर्ट के वेबलिंक्स इंगित करते हुए एक पत्र और एजीएम की सूचना के उन सदस्यों को भेजे जा रहे हैं जिनके ई-मेल आईडी आरटीए/ कम्पनी / डिपॉजिटरीज/डिपॉजिटरी पार्टिसिपेंट्स के पास उपलब्ध नहीं है।

एजीएम की सूचना और वार्षिक रिपोर्ट कम्पनी की वेबसाइट www.hindustantin.biz और स्टॉक एक्सचेंजेज अर्थात बीएसई लिमिटेड की वेबसाइट www.bseindia.com और सेंट्रल डिपॉजिटरी सर्विसेज (इंडिया) लिमिटेड (सीडीएसएल) की वेबसाइट www.evoting.cdsl.com पर भी उपलब्ध करवाई गई है।

कम्पनी (प्रबंधन एवं प्रशासन) नियमों, 2014, समय-समय पर संशोधित अनुसार के नियम 20 के साथ पठित अधिनियम की धारा 108 और सेबी (एलओडीआर) नियमनों के नियमन 44 और एसएस-2 के अनुसरण में कम्पनी इसके सदस्यों को एजीएम में सम्पादित किये जाने वाले प्रस्तावित सभी प्रस्तावों पर इलैक्ट्रोनिक साधनों द्वारा अपने मताधिकार का उपयोग करने के लिये एजीएम से पूर्व दूरस्थ ई-वोटिंग सुविधा और एजीएम में ई-वोटिंग सुविधा प्रदान कर रही है और सुविधा सीडीएसएल द्वारा प्रदान की जा रही है। एजीएम में ई-वोटिंग की सुविधा उन सदस्यों को उपलब्ध करवाई जाएगी जो वीसी / ओएवीएम सुविधा के माध्यम से एजीएम में उपस्थित होंगे और वे प्रस्तावों पर अपना मतदान दूरस्थ ई-वोटिंग के माध्यम से नहीं कर चुके होंगे। वे सदस्य जिन्होंने अपने मत एजीएम से पूर्व दूरस्थ ई-वोटिंग द्वारा दे दिये हैं वे वीसी / ओएवीएम के माध्यम से एजीएम में उपस्थित रह सकते / भाग भी ले सकते हैं। किन्तु वे अपना मत दोबारा देने के पात्र नहीं होंगे। एजीएम में दूरस्थ ई-वोटिंग, ई-वोटिंग की विस्तृत प्रक्रिया और तरीका तथा वीसी / ओएवीएम के माध्यम से एजीएम में उपस्थित होने हेतु निर्देश एजीएम की सूचना में उपलब्ध करवाए जा रहे हैं।

दूरस्थ ई-वोटिंग अवधि मंगलवार 23 सितम्बर 2025 (पूर्वा. 9.00 बजे) प्रारम्भ होगी और बृहस्पतिवार, 25 सिम्बर 2025 को (अप. 5.00 बजे) समाप्त होगी। इस अवधि के दौरान कम्पनी के शेयरधारक जो या तो भौतिक रूप में अथवा डिमैटीरियलाइज्ड रूप में कट ऑफ तिथि (रिकॉर्ड तिथि 19 सितम्बर 2025 के अनुसार शेयरधारण करते हैं, इलैक्ट्रोनिकली अपना मतदान कर सकते हैं)।

सदस्य जो दूरस्थ ई-वोटिंग के माध्यम से अपना मतदान नहीं कर चुके हैं, को ई-वोटिंग प्रणाली के माध्यम से आगामी एजीएम में मतदान करने की अनुमति दी जाएगी। सदस्य जो ई-वोटिंग द्वारा अपना मतदान कर चुके हैं, एजीएम में दोबारा अपना मतदान करने के हकदार नहीं होंगे, यद्यपि, ऐसे सदस्य एजीएम में उपस्थित होने के हकदार होंगे।

कोई व्यक्ति जो कम्पनी के शेयर अर्जन करता है और एजीएम की सूचना के प्रेषण के पश्चात कम्पनी का शेयरधारक बनता है तथा कट ऑफ तिथि के अनुसार शेयरधारण करता है, evoting@cdsl.com पर एक आग्रह भेजकर लॉगइन आईडी और पासवर्ड प्राप्त कर सकते हैं।

यद्यपि, यदि कोई व्यक्ति दूरस्थ ई-वोटिंग हेतु सीडीएसएल के पास पहले से ही पंजीकृत है तो मतदान करने के लिए मौजूदा यूजर आईडी और पासवर्ड का उपयोग किया जा सकता है।

कम्पनी के सदस्यों का रजिस्टर तथा शेयर ट्रांसफर बुक्स शनिवार, 20 सितम्बर 2025 से शुक्रवार 26 सितम्बर 2025 तक (दोनों दिन मिलाकर) बंद रहेंगे।

सदस्य जिनके ई-मेल आईडी पहले से ही कम्पनी / डिपॉजिटरीज के पास पंजीकृत हैं वे दूरस्थ ई-वोटिंग के साथ-साथ एजीएम में ई-वोटिंग हेतु एजीएम को सूचना में उपलब्ध करवाए गए निर्देशों का पालन करें। वे सदस्य जिनके ई-मेल आईडी कम्पनी / डिपॉजिटरी पार्टिसिपेंट्स के पास पंजीकृत नहीं हैं वे कम्पनी से इलैक्ट्रोनिकली वार्षिक रिपोर्ट, सूचनाएं आदि समेत सभी संचार प्राप्त करने के लिये अपने ई-मेल आईडीज रजिस्टर अथवा अपडेट करने के लिये निम्नलिखित प्रक्रिया का अनुसरण करें। ई-मेल आईडी, ई-वोटिंग हेतु लॉगइन आईडी तथा पासवर्ड के सफल पंजीकरण के उपरांत सदस्यों के पंजीकृत ई-मेल आईडी शेयर किये जाएंगे :

1. **डिमैट होल्डिंग** : इलैक्ट्रोनिक / डिमैट रूप में कम्पनी के इक्विटी शेयरधारण करने वाले सदस्य जो अपने ई-मेल आईडीज पंजीकृत नहीं करवा चुके हैं, से आग्रह किया जाता है कि ई-वोटिंग समेत वीसी / ओएवीएम सुविधा के माध्यम से एजीएम में शामिल होने के लिए लॉगइन विवरण और सूचना, वार्षिक रिपोर्ट को प्राप्ति हेतु अपने ई-मेल आईडीज अपने डीपीज द्वारा परामर्श की गई प्रक्रिया के अनुरूप केवल अपने डीपीज के पास पंजीकृत करवाएं। पंजीकृत ई-मेल पते का उपयोग भविष्य में संचार भेजने हेतु भी किया जाएगा।
2. **भौतिक होल्डिंग** : सदस्य जो भौतिक रूप में कम्पनी के इक्विटी शेयरधारण करते हैं और जिन्होंने अपने ई-मेल आईडीज और / अथवा बैंक विवरण पंजीकृत नहीं करवाए हैं, कम्पनी के आरटीए, बीटल फाईनैंशियल एंड कम्प्यूटर सर्विसेज (प्रा.) लि. के पास अपने विवरण पंजीकृत करवाएं।

ई-वोटिंग और वीसी/ओएवीएम के माध्यम से बैठक में शामिल होने के सम्बन्ध में विस्तृत निर्देशों के लिये सदस्य 67वीं एजीएम की सूचना देख सकते हैं।

ई-वोटिंग के परिणामों सहित संवीक्षाकर्ता की रिपोर्ट कम्पनी की वेबसाइट पर और सीडीएसएल की वेबसाइट पर डाले जाएंगे। कम्पनी साथ-साथ बीएसई लिमिटेड यहां कम्पनी के इक्विटी शेयर सूचीकृत हैं, को परिणाम अग्रेषित करेगी।

यह सूचना उपरोक्त सरकुलर्स के अनुपालन में कम्पनी के सदस्यों की जानकारी और लाभ हेतु जारी की गई है।

कृते हिन्दुस्तान टिन वर्क्स लिमिटेड
हस्ता/-
रजत पाठक
ईवीपी (वित्त) एवं कम्पनी सचिव

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 29 अगस्त 2025

सैकड़ों उत्पाद ... एक कैन!

नई दिल्ली
रविवार, 31 अगस्त, 2025
भाद्रपद मास शुक्ल पक्ष, अष्टमी वर्ष : 29, अंक : 137
पृष्ठ 12 मूल्य 2.00

मौसम
अधि. 30
न्यून. 26

हरिभूमि

दिल्ली, हरियाणा, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

09 वर्ल्ड बैडमिंटन चैंपियनशिप: सेमीफाइनल में सात्विक-चिराग की जोड़ी, पदक पक्का

‘केवल कागज पर नहीं रहनी चाहिए भारत और जापान की साझेदारी’: पीएम मोदी

टोक्यो में जापान के 16 प्रांतों के राज्यपालों से हुई मुलाकात में दिए संबोधन में बोले प्रधानमंत्री

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को टोक्यो में जापान के 16 प्रांतों के राज्यपालों से मुलाकात कर उन्हें संबोधित किया। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि टोक्यो और दिल्ली तक सीमित संबंधों से आगे बढ़कर राज्य-प्रांत संबंधों को नए सिरे से बढ़ावा दिया जाए।

दोनों देशों की साझेदारी केवल कागज पर नहीं रहनी चाहिए। बल्कि इसे कागज से लोगों तक और लोगों से समृद्धि तक आगे बढ़ाया जाना चाहिए। जापानी प्रांत तकनीक, मैन्युफैक्चरिंग और नवाचार के असली पावर हाउस हैं। इसलिए आपकी जिम्मेदारी भी बड़ी है। क्योंकि आपके हाथों से वैश्विक सहयोग का भविष्य लिखा जा रहा है। अगर भारत-जापान के राज्य और प्रांत का चमकदार इकोसिस्टम साथ आ जाएं तो विचार-नवाचार आगे बढ़ेंगे।

जिससे अवसरों का निर्माण होगा। विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी कर यह जानकारी दी। मियागी की यात्रा के साथ ही पीएम मोदी की दो दिवसीय जापान यात्रा संपन्न हुई और वह चीन के ▶▶ शेष पेज 5 पर

» *पीएम ने जापान के प्रधानमंत्री इशिबा और उनकी पत्नी को दिए आकर्षक उपहार*

» *संपन्न हुई पीएम की दो दिवसीय जापान यात्रा, चीन के तियानजिन पहुंचे*

भारत की विकास गाथा में करें भागीदारी

पीएम ने भारत-जापान के लगातार फलते-फूलते प्राचीन सभ्यतागत संबंधों, विशेष रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी की गति के साथ ही 15 वें वार्षिक शिखर सम्मेलन में की गई राज्य-प्रांत साझेदारी से जुड़ी पहल का उल्लेख करते हुए कि इसकी मदद से दोनों देशों के बीच व्यापार, प्रौद्योगिकी, पर्यटन, कौशल, सुरक्षा और सांस्कृतिक संबंधों को बढ़ावा देने पर जोर दिया। साथ ही जापानी प्रांतों के राज्यपाल और भारतीय राज्य सरकारों से ▶▶ शेष पेज 5 पर

उप-राष्ट्रीय सहयोग महत्वपूर्ण: राज्यपाल

पीएम ने राज्यपालों से यह भी कहा कि वह दोनों देशों द्वारा दी गई युवाओं और कौशल के आदान-प्रदान से जुड़ी हुई प्रतिबद्धताओं में योगदान देने और जापान की तकनीक को भारतीय प्रतिभा के साथ सर्वोत्तम रूप से संयोजित करने में योगदान दें। इस मुलाकात में राज्यपालों ने भारत-जापान व्यापार, शैक्षिक, सांस्कृतिक और लोगों के बीच संबंधों को महत्वाकांक्षा के अगले स्तर तक ले जाने के लिए उप-राष्ट्रीय सहयोग को महत्वपूर्ण बताया।

बुद्ध की करुणा से जुड़े भारत-जापान

उन्होंने कहा, दोनों देश भगवान बुद्ध की प्रेरणा से जुड़े हुए हैं। पश्चिम-बंगाल के राधाबिनोद पाल ने टोक्यो ट्रायल्स में न्याय को रणनीति से ऊपर रखा। भारत उनके अदम्य साहस से जुड़ा हुआ है। पिछली सदी के आगाज के साथ गुजरात के हीरों के कारोबारी कोबे आए थे। हमा-मात्सु की कंपनी ने देश के ऑटोमोबाइल सेक्टर में एक क्रांति पैदा की। ये उद्यमशीलता की भावना हमें जोड़ती है। वर्तमान में हमारे संबंधों में व्यापार, तकनीक, पर्यटन, सुरक्षा, कौशल और संस्कृति के क्षेत्र में नए अध्याय लिखे जा रहे हैं। अब हमारे संबंध टोक्यो या दिल्ली के गलियारों तक सीमित नहीं हैं। बल्कि यह राज्यों और जापान के लोगों की सोच में जीते हैं।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

संसद में पुरी रथयात्रा के तीन पहिए रखे जाएंगे

नई दिल्ली। संसद परिसर में पुरी रथ यात्रा के तीन पहिए लगाए जाएंगे। श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन ने शनिवार को इस बात की पुष्टि की। मंदिर समिति ने बताया कि लोकसभा स्पीकर ओम बिरला हाल ही में पुरी दौरे पर गए थे। मंदिर समिति की तरफ से उनको यह प्रस्ताव दिया गया, जिसे उन्होंने स्वीकार कर लिया है। यह तीनों पहिए भगवान जगन्नाथ, देवी सुभद्रा और बलभद्र के रथों से निकालकर दिल्ली भेजेंगे।

धनखड़ ने पेंशन के लिए दिया आवेदन

जयपुर। पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने अब पूर्व विधायक के नाते मिलने वाली पेंशन के लिए राजस्थान विधानसभा सचिवालय में फिर से आवेदन किया है। वे 1993 से 1998 तक किशनगढ़ सीट से कांग्रेस के विधायक रहे थे। पूर्व विधायक के तौर पर उन्हें जुलाई 2019 तक पेंशन मिल रही थी। बंगाल के राज्यपाल बनने के बाद पेंशन बंद हो गई थी।

जयपुर में नीट छात्रा ने की सुसाइड की कोशिश

जयपुर। नीट की तैयारी कर रही छात्रा ने कोचिंग की छत से कूदकर सुसाइड का प्रयास किया। वह तीन मंजिला कोचिंग की छत पर चली गई। छलांग लगाने की कोशिश करते समय पीछे से आए टीचर ने उसे पकड़ लिया और अंदर खींच लिया। मामला महेश नगर थाना क्षेत्र का है। इसका वीडियो सामने आया है। महेश नगर एसएचओ गुंजन वर्मा ने यह जानकारी दी है।

मोदीमय हुआ चीन...

टैरिफ संकट के बीच चीन पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, हवाईअड्डे पर हुआ रेड कॉर्पेट वेलकम

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

रूस से कच्चे तेल की खरीद से नाराज अमेरिका के राष्ट्रपति के हस्ताक्षरित कार्यकारी आदेश से भारत पर लगाए गए 50 फीसदी पारस्परिक टैरिफ से उत्पन्न चुनौती के बीच अपनी दो दिवसीय जापान यात्रा पूरी करने के बाद शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए चीन के तियानजिन पहुंचे। जहां बिन्हाई अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर उनका जोरदार अंदाज में रेड कार्पेट वेलकम हुआ।

वरिष्ठ चीनी अधिकारियों ने प्रधानमंत्री की अगवानी की और चीनी कलाकार पारंपरिक अंदाज में उनका स्वागत करते हुए नजर आए। रविवार (31 अगस्त) को पीएम मोदी की चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ एक महत्वपूर्ण द्विपक्षीय बैठक होगी। जिसमें दोनों देशों के आपसी संबंधों को तेजी के साथ सामान्य बनाने की प्रक्रिया, आर्थिक साझेदारी की समीक्षा के अलावा साझा हितों से जुड़े हुए क्षेत्रीय ▶▶ शेष पेज 5 पर

» *31 अगस्त से 1 सितंबर तक एससीओ शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे प्रधानमंत्री*

» *आज होगी चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ पीएम की महत्वपूर्ण द्विपक्षीय मुलाकात*

» *1 सितंबर को रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मिलेंगे प्रधानमंत्री मोदी*

तिरंगा थामे उत्साहित नजर आए भारतीय

हवाईअड्डे के बाद चीन के होटल पहुंचने पर वहां पहले से ही बड़ी तादाद में मौजूद भारतीय समुदाय ने पीएम का भव्य अंदाज में स्वागत किया। वह अपने हाथों में तिरंगा लिए हुए थे और बस पीएम की एक झलक पाने को बेताब नजर आ रहे थे। कुछ लोग अपने हाथ में ‘बोधगया से कैलाश, मित्राध्याय का शंखनाद’ लिखे हुए पोस्टर लिए हुए थे। इस दौरान पीएम ने चीन के कलाकारों द्वारा दी गई भारतीय शास्त्रीय संगीत और नृत्य की प्रस्तुतियां भी देखी। पूर्व में पीएम मोदी ने जापान में कहा था कि चीन की मेरी यात्रा हमारे राष्ट्रीय हितों और प्राथमिकताओं को आगे बढ़ाने में सहायक ▶▶ शेष पेज 5 पर

पीएम की यात्रा पर टिकी दुनिया की निगाहें

गौरतलब है कि टैरिफ संकट के बीच हो रही पीएम की इस चीन यात्रा पर अमेरिका सहित दुनियाभर के देशों की निगाहें टिकी हुई हैं। जिसके पीछे की सबसे बड़ी वजह भारत, चीन और रूस के राष्ट्राध्यक्षों के बीच होने वाली प्रत्यक्ष द्विपक्षीय बैठकें हैं। जानकारों की मानें तो तियानजिन में अगर तीनों बड़ी अर्थव्यवस्थाओं वाले देशों के बीच अगर वैश्विक चुनौतियों से मुकाबले को लेकर कोई आमराय बन जाती है। तो यह साफ तौर पर अमेरिका और उसकी अगुवाई वाले पश्चिम देशों के माथे पर भविष्य में चिंता की लकीरें खींचने के लिए काफी है। अमेरिकी की तरफ से बीते कुछ दिनों से लगातार पीएम मोदी की चीन यात्रा को लेकर भारत की कड़ी आलोचना की जा रही है। जबकि पर्दे के पीछे से यूरोपीय देश भी इससे बहुत ज्यादा खुश नहीं हैं।

सात साल बाद चीन यात्रा पर पीएम

बीते सात साल के बाद प्रधानमंत्री की यह चीन यात्रा हो रही है। इससे पहले वह 2018 में चीन की यात्रा पर गए थे। इस वर्ष चीन एससीओ की अध्यक्षता कर रहा है। इसलिए समूह का यह शिखर सम्मेलन उसके तियानजिन शहर में आयोजित किया जा रहा है। वहीं, यहां पर भारत और चीन के बीच 2020 के मध्य में पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर हुए सैन्य विवाद के बाद भी यह पहला मौका होगा। जब प्रधानमंत्री अपने निकट पड़ोसी देश की आधिकारिक रूप से यात्रा कर रहे हैं। दोनों राष्ट्राध्यक्षों की पिछले साल रूस के कजान शहर में हुई द्विपक्षीय मुलाकात के बाद हालांकि अब एलएसी विवाद पूरी तरह से खत्म हो चुका है। दोनों देश अपने संबंधों को फिर से सामान्य बनाने के लिए जरूरी कदम उठा रहे हैं। लेकिन एक समय पर जून-2020 में दोनों सेनाओं के बीच गलवान घाटी में हुई खूनी झड़प के बाद एलएसी विवाद चरम पर जा पहुंचा था। जिसमें भारत के 20 और चीन के भी बड़ी तादाद में सैन्यकर्मी मारे गए थे। दोनों सेनाओं ने इलाके में भारी-भरकम हथियारों के साथ सैन्य जमावड़ा बढ़ा दिया था। फिर शीर्ष नेताओं के अलावा दोनों पक्षों के बीच कई दौर की सैन्य, कूटनीतिक बैठकें हुई। जिनके परिणामस्वरूप ये विवाद समाप्त हुआ। पीएम मोदी ने एक्स पर की गईं कुछ पोस्ट में तियानजिन पहुंचने से जुड़ी अपनी कुछ तस्वीरें साझा की हैं। जिनमें पहली पोस्ट में पीएम ने लिखा, चीन के तियानजिन पहुंच गया हूं। एससीओ शिखर सम्मेलन में विचार-विमर्श और विभिन्न विश्व नेताओं से मुलाकात के लिए उत्सुक हूं। एक अन्य पोस्ट में उन्होंने लिखा, भारतीय समुदाय ने भी मेरा बेहद खास अंदाज में स्वागत किया। जिसकी कुछ झलकियां पेश कर रहा हूं।

नोएडा में मोबाइल उपकरणों के लिए भारत में प्रथम टैंपर्ड ग्लास उत्पादन केंद्र का उद्घाटन

भारत अब मोबाइल फोन के हरेक कलपुर्जे का विनिर्माण करेगा, जिसमें मेड इन इंडिया चिप्स भी शामिल हैं: अश्विनी वैष्णव

कहा, भारत की इलेक्ट्रॉनिक्स विकास यात्रा मेक इन इंडिया अभियान के अंतर्गत 11.5 लाख करोड़ रुपए मूल्य के उत्पादन, 3 लाख करोड़ रुपए मूल्य के निर्यात एवं 25 लाख रोज़गारों पर आधारित

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को देश के प्रथम टेम्पर्ड ग्लास विनिर्माण कारखाने का नोएडा में उद्घाटन किया। यह टेम्पर्ड ग्लास मोबाइल उपकरणों में काम आयेगा। यह कारखाना ऑप्टीमस इलेक्ट्रॉनिक्स ने यूसए के कॉर्निंग इंकॉर्पोरेटेड की साझेदारी में लगाया है। इसमें उच्च गुणवत्ता के टैंपर्ड ग्लास का उत्पादन दुनिया भर में प्रचलित ब्रांड “इंजीनियर्ड बाय कॉर्निंग” के अंतर्गत किया जाएगा। उत्पादों की आपूर्ति घरेलू एवं अंतरराष्ट्रीय, दोनों ही बाजारों में की जाएगी।

इस अवसर पर वैष्णव ने कहा भारत एक-एक करके मोबाइल फ़ोन, हरेक कलपुर्जे का विनिर्माण करता जा रहा है। इनमें चिप्स, कवर ग्लास, लैपटॉप एवं सर्वर के उपादान आदि शामिल हैं। उनके अनुसार इन घरेलू विनिर्माण सुविधाओं के बूते हमरास देश इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण सुविधा के क्षेत्र में वैश्विक शक्ति बन जाएगा। मंत्री महोदय ने यह भी बताया कि जल्द ही भारत में निर्मित यानी मेड इन इंडिया चिप भी बाज़ार में आएगा। वह आत्मनिर्भर भारत की दिशा में और एक महत्वपूर्ण उपलब्धि होगी। अश्विनी वैष्णव ने रेखांकित किया कि पिछले 11 वर्ष में भारत में इलेक्ट्रॉनिक्स के विनिर्माण में छह गुना वृद्धि हुई है। इसके बूते इलेक्ट्रॉनिक्स का घरेलू उत्पादन 11.5 लाख करोड़ रुपए मूल्य का हो गया है। इसमें 3 लाख करोड़ रुपए मूल्य का निर्यात भी शामिल है। साथ ही इस क्षेत्र में 25 लाख लोग प्रत्यक्ष एवं परोक्ष रूप में रोजगार पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि देश में इलेक्ट्रॉनिक्स का समूचा इकोसिस्टम तेज़ी से बढ़ रहा है और एक-एक करके ▶▶ शेष पेज 5 पर

कहा, जींद में बनने वाले फायर एवं डिजास्टर ट्रेनिंग इंस्टीटयूट का जल्द किया जाएगा शिलान्यास

हरियाणा में बनाई जाएगी ‘हरियाणा आपदा राहत बल’ की दो बटालियन: नायब

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा है कि प्रदेश में हरियाणा आपदा राहत बल की दो बटालियन बनाई जाएगी, जो राज्य में किसी भी आपात स्थिति से निपटने और लोगों की सहायता के लिए काम करेगी। इसके अलावा, जिला जींद में बनने वाले फायर एवं डिजास्टर ट्रेनिंग इंस्टीटयूट का शिलान्यास जल्द किया जाएगा। मुख्यमंत्री सैनी शनिवार को अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवाएं तथा राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर रहे थे। सैनी ने कहा कि फायर सेफ्टी सर्टिफिकेट की रिन्यूअल के लिए ▶▶ शेष पेज 5 पर

फायर एवं डिजास्टर ट्रेनिंग इंस्टिटयूट में एनडीआरएफ के मानदंडों के तहत होंगे कार्य

नायब सिंह सैनी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिला जींद में बनने वाले फायर एवं डिजास्टर ट्रेनिंग इंस्टिटयूट में एनडीआरएफ के मानदंडों के तहत कार्य होगे और भूकम्प, आग, बाढ़ आदि आपदा से सम्बंधित ट्रेनिंग करवाई जाएगी। इसके अलावा, उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि प्रदेश में जितने भी तैराक है उनका डाटा तैयार कर एक पोर्टल बनाया जाए। प्रदेश में खोले ▶▶ शेष पेज 5 पर

डोनाल्ड ट्रंप कहां हो गए लापता?

खराब स्वास्थ्य की चर्चाओं के बीच गायब होने से मचा हड़कंप

» *अगले 2 दिन तक उनका कोई कार्यक्रम नहीं*

» *व्हाइट हाउस ने अभी तक कोई टिप्पणी नहीं की*

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप (79) के कथित तौर पर गायब होने की खबर ने हड़कंप मचा दिया है। पिछले कई दिनों से उनका स्वास्थ्य खराब होने की चर्चाएं थीं। इस बीच उनके लापता होने की खबरों ने ह्वाइट हाउस से लेकर पूरे अमेरिका में हड़कंप मचा दिया है। पिछले कई दिनों से डोनाल्ड ट्रंप की सार्वजनिक उपस्थिति नहीं देखी गई है। ऑनलाइन चर्चाओं में यह दावा किया जा रहा है कि अमेरिका के राष्ट्रपति ‘सार्वजनिक दृश्य से गायब’ हो गए हैं। हालांकि, यह अटकलें ज़्यादातर गुमनाम सोशल मीडिया अकाउंट्स द्वारा फैलाई जा रही हैं। व्हाइट हाउस ने इस मामले पर अभी तक कोई टिप्पणी नहीं की है।

करीब 2 दिनों से वह पूरी तरह नदारद हैं। दावा किया जा रहा है कि अगले 2 दिनों तक यानि 31 अगस्त तक उनका कोई कार्यक्रम भी नहीं है, जिसमें उनकी मौजूदगी का उल्लेख हो। अभी उनका कोई भी सार्वजनिक आयोजन सूचीबद्ध नहीं है। उनके चिकित्सक शॉन बार्बाबेला ने स्वीकार किया कि ट्रंप के हाथ पर सूजन के हल्के लक्षण हैं और यह लगातार हाथ मिलाने और एस्पिरिन के सेवन से होने वाली हल्की सॉफ्ट टिशू इरिटेशन के कारण हो सकता है। एस्पिरिन उन्हें हृदय रोग से बचाव के लिए नियमित रूप से दी जाती है।

जेडी वेंस ने कहा था राष्ट्रपति पद संभालने को हैं तैयार

अभी 1 दिन पहले ही उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने एक इंटरव्यू में सार्वजनिक रूप से यह कहा था कि अगर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ कोई ट्रेजडी होती है तो वह अगले राष्ट्रपति का पद संभालने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। वेंस ने कहा था कि उन्हें इसके लिए बकायदा प्रशिक्षण भी मिला है। हालांकि वेंस ने यह भी जोड़ा था कि फिलहाल ट्रंप के साथ ऐसा कुछ होने नहीं जा रहा है, वह अभी स्वस्थ हैं और अपना कार्यकाल पूरा करेंगे। मगर फिर भी कोई अपरिहार्य परिस्थिति बनती है तो वह राष्ट्रपति का दायित्व निभाने से पीछे नहीं हटेंगे।

कहीं लेबर डे तो नहीं है वजह?

ट्रंप के सार्वजनिक कार्यक्रमों में अनुपस्थिति की वजह कहीं लेबर डे तो नहीं है, जो आगामी 1 सितंबर को मनाया जाएगा। लेबर डे को लेकर शुरुआत में ट्रंप की योजना थी कि वह अगस्त के अंतिम दो हफ्ते बेडमिन्स्टर, न्यू जर्सी स्थित अपने रिसॉर्ट में बिताएंगे, लेकिन उन्होंने वह योजना रद्द कर दी और व्हाइट हाउस में ही रहने का निर्णय लिया।

बोलीं उमा- 65 की उम्र में पीएम ने चुनाव लड़ा था

योगदान की कोई उम्र नहीं, राजनीति एक मंच है और योगदान मेरी क्षमता

तब चुनाव लड़ूंगी जब मुझे लगेगा कि मैं इसके लिए तैयार हूं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती ने राजनेताओं के रिटायरमेंट एज और अपने चुनाव लड़ने को लेकर बड़ी बातें कही हैं। उमा भारती ने कहा कि कोई भी राजनीतिक दल रिटायरमेंट की उम्र तो तय कर सकता है, लेकिन कोई भी यह तय नहीं कर सकता कि किसी व्यक्ति की योगदान देने की क्षमता किस उम्र पर समाप्त हो जाएगी। योगदान की कोई उम्र नहीं होती... राजनीति एक मंच है और योगदान मेरी क्षमता है। उन्होंने यह भी कहा हां, मैं चुनाव लड़ूंगी। मेरी उम्र 65 साल भी नहीं है, लेकिन मैं तब लड़ूंगी जब मुझे लगेगा कि मैं इसके लिए तैयार हूं। प्रधानमंत्री मोदी ने 65 साल की उम्र में लोकसभा चुनाव लड़ा था। मैं अगले साल 65 साल की हो जाऊंगी। उन्होंने कहा कि मेरी एक कमजोरी है कि मैं अपनी प्रतिबद्धताओं के प्रति बहुत ईमानदार हूं। अगर मुझे किसी संसदीय सीट के लिए चुनाव लड़ना पड़े, तो मुझे अपना पूरा समय और पूरी ईमानदारी वहां के लोगों को समर्पित करनी होगी। और अगर किसी को कोई परेशानी होती है, तो मुझे उसका पछतावा होगा।

सीएम साय का जापान-कोरिया प्रवास

छग में ग्लोबल निवेश को दी रफ्तार, छह लाख करोड़ के निवेश का खुला दरवाजा

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने जापान और दक्षिण कोरिया की अपनी हाल की यात्रा को लेकर दिल्ली लौटने के बाद मीडिया से चर्चा की।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हालिया जापान दौरे से भारत में अगले दस वर्षों में लगभग छह लाख करोड़ रुपये का निवेश आएगा। यह निवेश न केवल देश की अर्थव्यवस्था को नई ताक़त देगा बल्कि छत्तीसगढ़ जैसे औद्योगिक रूप से उभरते राज्यों को भी नई ऊर्जा प्रदान करेगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि हमारी हाल की जापान यात्रा ने छत्तीसगढ़ को इस दिशा में सीधे तौर पर जोड़ने का काम किया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की दूरदृष्टि और नेतृत्व लगातार हमें मार्गदर्शन और प्रेरणा दे रहे हैं। उन्होंने आगे बताया कि ओसाका वर्ल्ड एक्सपो में छत्तीसगढ़ का पवेलियन लगाया गया, जिसे 24 अगस्त से 30 अगस्त तक हर दिन 30 हज़ार से अधिक लोगों ने देखा। इस ▶▶ शेष पेज 5 पर

अटल ऑडिटोरियम के नाम से जाना जाएगा 18 करोड़ की लागत से निर्मित सभागार

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

18 करोड़ रुपए की लागत से तैयार किए गए आधुनिक सुविधाओं से युक्त 600 सीटों वाले वातानुकूलित सभागार का शनिवार को मुख्य अतिथि के केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर ने विधिवत उद्घाटन किया। वहीं कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं स्थानीय विधायक मूलचंद शर्मा ने की।

बल्लभगढ़ की जनता को एक और बड़ी सौगात देते हुए लगभग 18 करोड़ रुपए की लागत से तैयार किए गए आधुनिक सुविधाओं से युक्त 600 सीटों वाले वातानुकूलित सभागार का शनिवार को मुख्य अतिथि के केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर ने विधिवत उद्घाटन किया। वहीं कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं स्थानीय विधायक मूलचंद शर्मा ने की। इस मौके पर शहरी निकाय मंत्री विपुल गोयल, विधायक धनेश अदलखा, मेयर प्रवीण जोशी विशेष रूप से मौजूद रहे। आए हुए सभी अतिथियों का विधायक मूलचंद शर्मा ने स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया।इस अवसर पर मुख्य अतिथि केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर ने कहा कि इस ऑडिटोरियम का नाम भारत के पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी के नाम पर रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि यह भवन क्षेत्र की सांस्कृतिक एवं शैक्षिक गतिविधियों को और अधिक प्रोत्साहित करेगा।

बल्लभगढ़ में करीब 95% पूरे हो चुके विकास कार्य

सभागार का केंद्रीय राज्यमंत्री ने किया उद्घाटन

केंद्रीय राज्य मंत्री ने कहा कि कांग्रेस के शासन में बल्लभगढ़ की कॉलोनियों में बुनियादी सुविधाओं का अभाव था, लेकिन वर्ष 2014 के बाद से विधायक मूलचंद शर्मा ने विकास का बीड़ा उठाते हुए बिजली, पानी, सीवर, शिक्षा एवं आधारभूत ढांचे को सुदृढ़ करने का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि बल्लभगढ़ में लगभग 95 प्रतिशत विकास कार्य पूरे हो चुके हैं। सचिवालय से लेकर ऑडिटोरियम का निर्माण, सोहना जाने वाले डबल पुल की मंजूरी, रेलवे आरओबी एवं अंडरपास और एलिवेटेड पुल का निर्माण इसके उदाहरण हैं।

एनडीए सरकार में बिना भेदभाव हो रहा काम

शहरी स्थानीय निकाय मंत्री विपुल गोयल ने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार द्वारा देश और प्रदेश सहित पूरे फरीदाबाद में बिना किसी भेदभाव के विकास कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने बल्लभगढ़ विधानसभा क्षेत्र के निवासियों को बधाई देते हुए कहा कि सरकार की प्राथमिकता बल्लभगढ़ क्षेत्र का चहुंमुखी विकास है और विकास की गति में किसी प्रकार की रुकावट नहीं आने दी जाएगी।

ऑडिटोरियम जनता के लिए ऐतिहासिक धरोहर साबित होगा

विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा ने भी कहा कि यह ऑडिटोरियम क्षेत्र की जनता के लिए एक ऐतिहासिक धरोहर साबित होगा। उन्होंने कहा कि बीते 11 वर्षों में भाजपा सरकार के सहयोग से बल्लभगढ़ में शिक्षा, स्वास्थ्य, सडक़, पानी, बिजली और आधारभूत ढांचे से जुड़े कार्यों में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। उन्होंने केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर, हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल एवं वर्तमान मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आने वाले समय में भी बल्लभगढ़ का विकास निरंतर जारी रहेगा।

खबर संक्षेप

ट्रंप टैरिफ के विरोध में स्वदेशी अपनाने की अपील

गुरुग्राम। ट्रंप के टैरिफ के विरोध में देश में जागरूकता और स्वदेशी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से डॉ. अशोक मित्तल, राज्यसभा सांसद एवं एलपीयू के संस्थापक-चांसलर, ने शनिवार को राजघाट पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को पुष्पांजलि अर्पित की। बापू के स्वदेशी संदेश से प्रेरणा लेते हुए डॉ. मित्तल ने स्वदेशी 2.0 की शुरुआत की और ट्रंप टैरिफ के जवाब में अमेरिकी उत्पादों के बहिष्कार के लिए पूरे देश से आह्वान किया।

बाइक व मोबाइल छीनने के मामले में 3 गिरफ्तार

फरीदाबाद। बाइक व मोबाइल छीनने के मामले में 3 आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। क्राइम ब्रांच बार्डर ने जुगल ने थाना सराय ख्वाजा में दी शिकायत में आरोप लगाया कि 4-5 लड़कों ने उनका रास्ता रोक उनके साथ मारपीट की और उनसे एक फोन व बाइक छीन कर भाग गए।

अलग-अलग मामलों में दो वाहन चोर गिरफ्तार

फरीदाबाद। अपराध शाखाओं की टीम ने दो वाहन चोरों को चोरी की मोटरसाइकिल सहित गिरफ्तार किया है।पुलिस प्रवक्ता के अनुसार अपराध शाखा सेक्टर 56 की टीम ने यश को राजीव कॉलोनी फरीदाबाद से व अपराध शाखा एवीटीएस ने दीपक निवासी सीकरी फरीदाबाद को चोरी की मोटरसाइकिल सहित कबुलपुर-सिकरोना मोड से गिरफ्तार किया है। आरोपियों को अदालत में पेश कर जेल भेजा गया है।

स्टॉक मार्केट में निवेश के नाम पर ठगी, 2 गिरफ्तार

फरीदाबाद। साइबर थाना सेंट्रल की टीम ने गोपाल व सुरेश को गिरफ्तार किया है। एक व्यक्ति ने साइबर थाना में दी शिकायत में आरोप लगाया कि 14 मार्च को उसने यूट्यूब पर एक विज्ञापन देखा। जिसके लिंक पर क्लिक करते ही वह एक व्हॉट्सएप ग्रुप में जुड़ गया। जिसके बाद शिकायतकर्ता ने ठगों द्वारा बताए गए स्टॉक्स में 10 लाख 70 हजार निवेश किए। जब पैसे वापिस लेने चाहे तो नही मिले। जिस पर मामला दर्ज किया गया।

निवेश के नाम पर 8 लाख की ठगी, आरोपी काबू

फरीदाबाद। शेयर मार्केट में निवेश के नाम पर 8 लाख की ठगी में खाता उपलब्ध करवाने वाला आरोपी को पुलिस ने काबू किया है। साइबर थाना सेंट्रल में एक व्यक्ति ने शिकायत में आरोप लगाया कि इंस्टाग्राम पर एक मैसेज आया जिसमें शेयर मार्केट में निवेश के बारे में पूछा था और फिर उसे मॉर्गन एंजेल पायनियर फोरम-94 नाम के एक व्हाट्सएप ग्रुप में शामिल किया गया। जहां लोग अपना रोजाना के लाभ की तस्वीरें पोस्ट करते थे।

सड़क हादसे में तेंदुए की मौत पोस्टमार्टम के लिए गुरुग्राम भेजा

फरीदाबाद। गुरुग्राम-फरीदाबाद रोड पर एक तेंदुए की सड़क हादसे में मौत हो गई। बताया जा रहा है कि तेंदुआ अरावली की पहाड़ियों से निकलकर सड़क पार कर रहा था, तभी किसी अज्ञात वाहन की चपेट में आ गया। घटना सुबह करीब 5 बजे की है। मृतक तेंदुआ की उम्र तीन वर्ष के लगभग है तथा उसके शव का पोस्टमार्टम गुरुग्राम में करवाने के लिए भेज दिया गया है।
अनखीर चौकी इंचार्ज सुनील कुमार ने बताया कि सुबह-सुबह गुरुग्राम-फरीदाबाद रोड़ पर गुजर रहे स्थानीय लोगों ने सड़क पर तेंदुए का शव पड़ा देखा और तुरंत पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर वन विभाग को जानकारी दी। सूचना मिलते ही वन्य विभाग की टीम वहां पहुंची और तेंदुए के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए गुरुग्राम भेज दिया। वन्य विभाग के अनुसार मृतक तेंदुए की उम्र तीन वर्ष के आसपास होगी। थाना सूरजकुण्ड पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि

बिजली संसाधनों में सुधार के लिए मंत्री ने अधिकारियों के साथ की बैठक

बिजली आपूर्ति में सुधार के लिए दिए गए निर्देशों का पालन करें अधिकारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

मंत्री राजेश नागर ने स्पष्ट कहा कि बिजली संबंधी शिकायतों को तुरंत प्रभाव से दूर करने के लिए अधिकारी तैयार रहें और बिजली आपूर्ति में सुधार के लिए भी आवश्यक संसाधन विकास के प्रोजेक्ट बनाएं

हरियाणा सरकार में मंत्री राजेश नागर ने शनिवार अपने निवास भतोला पर बिजली संबंधी शिकायतों को दूर करने और आपूर्ति में सुधार के लिए बिजली निगम के अधिकारियों के साथ बैठक की।

इस बैठक में मंत्री राजेश नागर ने स्पष्ट कहा कि बिजली संबंधी शिकायतों को तुरंत प्रभाव से दूर करने के लिए अधिकारी तैयार रहें और बिजली आपूर्ति में सुधार के लिए भी आवश्यक संसाधन विकास के प्रोजेक्ट बनाएं। उन्होंने कहा कि सरकार जनता को सुविधा देने के लिए तैयार है, इसमें प्रशासन सहयोग करे। यदि कोई अधिकारी या कर्मचारी जानबूझकर लापरवाही करता पाया गया तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

खास बातें

- सरकार जनता को सुविधा देने के लिए तैयार
- संसाधन सुधार के क्षेत्र में भाजपा सरकार आगे
- अधिकारियों से संसाधन विकसित करने के निर्देश दिए

भाजपा सरकार का काम लोगों को पसंद आ रहा

मंत्री राजेश नागर ने कहा कि लोगों को फील गुड कराने के लिए शासन और प्रशासन मिलकर काम कर रहे हैं। यही कारण है कि जनता को भाजपा का राज अच्छा लग रहा है। उन्होंने कहा कि संसाधन सुधार के क्षेत्र में हम काफी आगे बढ़े हैं लेकिन अभी और सुधार की गुंजाइश है। मंत्री राजेश नागर ने अपने पास आईं शिकायतों के बारे में अधिकारियों से चर्चा कर उन्हें तुरंत प्रभाव से दूर करने के लिए निर्देश दिए। वहीं अन्य शिकायतों के मामले में संसाधन विकसित करने के निर्देश भी दिए। इस बैठक में बिजली निगम के अधीक्षण अभियंता जितेंद्र ढुल, कार्यकारी अभियंता पंकज पवार, एसडीओ बदरौला अंकित मित्तल, एसडीओ खेड़ी सुनील चावला आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

पैसे के लेन-देन का मामला

व्यक्ति ने जहर निगलकर जान दी, तीन के खिलाफ मामला दर्ज

हरिभूमि न्यूज ⏭ गुरुग्राम

फर्रुखनगर थाना क्षेत्र में एक व्यक्ति द्वारा जहर निगलकर खुदकुशी करने का मामला सामने आया है। मृतक के साले ने पुलिस को दी शिकायत में अपने जीजा को तीन लोगों द्वारा प्रताड़ित कर खुदकुशी के लिए मजबूर करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

राजेश कुमार निवासी गांव गुडियानी कोसली रेवाड़ी ने बताया कि शुक्रवार को उसकी बहन सुनीता का फोन आया कि उसके जीजा चेतन सैनी ने जहर पी लिया है। उसे आरवी अस्पताल ले जा रहे हैं। जब यह सूचना मिली तो वह गुरुग्राम में था। वह तुरंत आरवी अस्पताल के लिए चला गया। जहां उसका जीजा चेतन उस समय बातचीत कर रहा था। उसने बताया कि हरीश नाई, कपिल व उनके एक अन्य साथी ने उससे बार-बार पैसे लेने के लिए दबाव बनाया और अब उसके पास सुसाइड करने के अलावा दूसरा विकल्प नहीं बचा। जिस पर उसने दुकान के गोदाम में जहर पी लिया।

सुसाइड नोट लिखकर लगाया आरोप

चेतन ने एक सुसाइड नोट भी लिखा जिसमें उसने तीनों पर उसकी जिंदगी बर्बाद करने का आरोप लगाया। ईलाज के दौरान शुक्रवार की शाम को चेतन सैनी ने दम तोड़ दिया। वहीं राजेश की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया।

गाजियाबाद, बागपत, मेरठ समेत कई जिलों में

लूट व स्नैचिंग करने वाला जोगिंदर बली मुठभेड़ में

हरिभूमि न्यूज ⏭ गाजियाबाद

गाजियाबाद, बागपत, मेरठ समेत कई जिलों में लूट, स्नैचिंग, चोरी की वारदातों को अंजाम देने वाला कुख्यात बदमाश जोगिन्दर बली व उसके साथी को शालीमार गार्डन पुलिस ने शुक्रवार की रात में मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार किया है। मुठभेड़ के दौरान पुलिस की ओर से चली गोली से वह घायल हो गया। उसके कब्जे से 1 पिस्टल, 4 जिन्दा कारतूस, 1 खोखा कारतूस व 1 तमंचा, 1 खोखा कारतूस, 1 जिंदा कारतूस व 1 मोटर साइकिल बरामद हुए हैं।

एसीपी अतुल कुमार सिंह ने शनिवार को बताया कि थाना शालीमार गार्डन पुलिस अपराधिक घटनाओं के दृष्टिगत थाना शालीमार गार्डन क्षेत्र में डीएवी कट पर चेकिंग कर रही थी। तभी मोटर साइकिल पर दो व्यक्ति सवार लोहिया पार्क की तरफ से आते दिखाई दिए। पास आने पर पुलिस पार्टी द्वारा टार्च की रोशनी से चैकिंग के लिए रोकने का प्रयास किया गया तो नहीं रुके और अपनी मोटर साइकिल को तेजी से बीएसएनएल ऑफिस वाली गली की तरफ मोड़कर भागने लगे। पुलिस वालों को शक बदमाश होने पर भाग रहे व्यक्तियों का पीछा किया गया तो मोटर साइकिल पर तेजी से भाग रहे बदमाशों ने पुलिस टीम को पीछे आते देख अपनी मोटर साइकिल को और तेजी से भगाने लगे तथा बारिश का पानी भरे होने के कारण बीएसएनएल ऑफिस वाली गली में कूड़े के ढेर के आगे फिसल कर गिर गए। जिन्हें पुलिस ने घेर लिया। घिरा देखकर बदमाशों ने पुलिस पर सीधा फायर किया।

पुलिस की जवाबी कार्यवाही में भाग रहे एक बदमाश के पैर में गोली लग गई। जिससे एक बदमाश घायल हो गया तथा दूसरा बदमाश द्वारा मौके से भागने का प्रयास किया गया पुलिस टीम ने बदमाश का पीछा कर पकड़ लिया गया।

पुत्र को नशा मुक्ति केंद्र से निकलवाने के लिए मां ने पुलिस से लगाई गुहार

हरिभूमि न्यूज ⏭ गाजियाबाद

लोनी बॉर्डर थाना क्षेत्र स्थित नशा मुक्ति केंद्र में करीब नौ माह से भर्ती पुत्र को बाहर निकालने के लिए मां ने पुलिस अधिकारियों से गुहार लगाई है। आरोप है कि केंद्र संचालक ने पुत्र को लेने पहुंची मां को उसके पति की सहमति के बाद सौंपने की बात कही है। पीड़िता ने पुलिस को शिकायत देकर पति पर पुत्र को जबरन नशा मुक्ति केंद्र में रखने का आरोप लगाया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। दिल्ली खजूरी निवासी रेशमा पत्नी नासिर हुसैन का पुत्र साहिल दो वर्ष से नशा मुक्ति केंद्र में भर्ती है। महिला ने बताया कि पति ने पुत्र को बिना उनकी मर्जी के भर्ती कराया हुआ है।

बेटे का पता पूछने पर पति ने दी थी तलाक की धमकी

पति से बेटे का पता पूछने पर वह उन्हें तलाक देने की धमकी देकर चुप करा देता था। करीब छह दिन पहले उन्हें पति के फोन से नशा मुक्ति केंद्र वालों का नंबर मिला। उस नंबर पर बात करने पर नशा मुक्ति केंद्र लोनी बॉर्डर थाना क्षेत्र के टीला गांव सेवाधाम के पास होने का पता चला। इसके बाद वह नशा मुक्ति केंद्र पहुंची तो देखा कि पुत्र दयनीय स्थिति में है। उसके शरीर पर चोट के कई निशान हैं। उन्होंने बताया कि बातचीत करने पर पुत्र ने बताया कि उसके साथ मारपीट की जाती हैं। पुत्र ने मां से घर ले चलने की बात कही। उसने बताया कि घर नहीं ले जाने पर लोग उसे मार देंगे। बेटे की बात सुनकर परेशान मां ने नशा मुक्ति केंद्र संचालक से बेटे का घर ले जाने की बात कहीं। जिस पर बताया गया कि महिला के पति नासिर हुसैन व उनके साथी सरफराज ने बेटे का नौ माह पहले की केंद्र में भर्ती कराया था। उन्होंने पति की रजामंदी के बगैर व उनकी अनुपस्थिति में पुत्र को छोड़ने से इंकार कर दिया। जिसपर महिला ने शनिवार को एसीपी अंकुर विहार से मिलकर अपनी शिकायत बताते हुए पुत्र को छुड़वाने की गुहार लगाई। एसीपी अंकुर विहार ज्ञान प्रकाश राय ने बताया कि पीड़िता की शिकायत पर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पीएमश्री केंद्रीय विद्यालय 3 में राष्ट्रीय खेल दिवस एवं विद्यालय अलंकरण समारोह

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

राष्ट्रीय खेल दिवस-2025 बड़े उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया। यह दिन हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद जी की जयंती के अवसर पर मनाया जाता है। कार्यक्रम की शुरुआत मेजर ध्यानचंद जी की उपलब्धियों और खेलों के महत्व पर एक संक्षिप्त भाषण से हुई। इस अवसर पर कक्षा 6 से 8 (माध्यमिक वर्ग) के छात्रों के लिए विभिन्न मनोरंजक एवं प्रतिस्पर्धात्मक गतिविधियां आयोजित की गई। जिनमें मुख्य रूप से निम्नलिखित गतिविधियां शामिल थीं। रस्साकशी, हाउस वार लडक़ों एवं लड़कियों के बीच आयोजित हुईए जिसमें उत्साह और रोमांच का अद्भुत माहौल बना।

100 मीटर दौड़ जिसमें विद्यार्थियों की गति, सहनशक्ति और दृढ़ निश्चय की परीक्षा ली। लडक़े और लड़कियां दोनों वर्गों के लिए आयोजित यह खेल हंसी-खुशी और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का केंद्र बना। छात्रों की सक्रिय भागीदारी और सहपाठियों की जोरदार तालियों ने पूरे कार्यक्रम को जीवंत बना दिया।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया हैं कि अभियुक्त नामः **मिंटू उर्फ होशियार, पुत्रः सुरेंद्र, निवासीः मकान नंबर 5954, गली नंबर 15, सिंघरा चौक, नबी करीम, नई दिल्ली** ने अपराध किया है (या किए जाने का संदेह है) **FIR No.1369/2024 U/S 25/54/59 शस्त्र अधिनियम** के तहत एक मामला **थाना सदर बाजार, उत्तरी जिला, दिल्ली** में दर्ज किया गया है और उसके बाद जारी गिरफ्तारी वारंट को यह कहते हुए वापस कर दिया गया है कि अभियुक्त **मिंटू उर्फ होशियार** नहीं मिला या मेरी संतुष्टि के लिए दिखाया गया है कि अभियुक्त **मिंटू उर्फ होशियार** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा कि **FIR No.1369/2024 U/S 25/54/59 शस्त्र अधिनियम, थाना सदर बाजार, उत्तरी जिला, दिल्ली** के अभियुक्त **मिंटू उर्फ होशियार** को उक्त शिकायत का जवाब देने के लिए दिनांक **18.10.2025** को या उससे पहले अदालत के समक्ष उपस्थित होना आवश्यक है।

आदेशानुसार, गौरव गोयल
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी–06,
कक्ष संख्या 247, मध्य जिला,
तीस हजारी न्यायालय, दिल्ली

DP/11449/N/2025
(अदालती मामला)

आईएसएफ लिमिटेड

सीआईएनः L74899DL1988PLC076648
पंजीकृत कार्यालयः खसरा संख्या 10/2, समालका, नई दिल्ली, गुड़गांव रोड, दक्षिण पश्चिम दिल्ली, दिल्ली, भारत– 110037
ईमेल आईडीः Info@isflimited.in वेबसाइटः https://isflimited.in/
फोन नंबरः 91 9105535135

37वीं वार्षिक आम बैठक की सूचना
ई–वोटिंग सूचना और बुकिंग बंद होने की सूचना

एतद्वारा सूचित किया जाता है किः

1. कंपनी के सदस्यों की 37वीं वार्षिक आम बैठक (एजीएम) शनिवार, 27 सितंबर, 2025 को शाम 4:00 बजे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग (वीसी) या अन्य दृश्य–श्रव्य माध्यमों (ओवीएएम) के माध्यम से आयोजित की जाएगी, ताकि एजीएम की सूचना में निर्धारित अनुसार व्यवसाय का संचालन किया जा सके। कंपनी अधिनियम, 2013 और उसके तहत बनाए गए नियमों और भारतीय प्रतिभूति विनिमय बोर्ड ("सेबी") (सूचीबद्धता दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएं) विनियम, 2015 के सभी लागू प्रावधानों के अनुपालन में, कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय ('एमसीए') द्वार जारी सामान्य परिपत्र के साथ पढ़ें, इसके परिपत्र संख्या 09/2024 दिनांकः 19.09.2024 के साथ पढ़ें, परिपत्र संख्या 09/2023 दिनांकः 25.09.2023 के साथ पढ़ें, परिपत्र संख्या 10/2022 दिनांक 28 दिसंबर, 2022 के साथ पढ़ें, सामान्य परिपत्र संख्या 02/2022 दिनांक 5 मई, 2022 के साथ पढ़ें, परिपत्र संख्या 20/2020 दिनांक 5 मई, 2020 के साथ पढ़ें, परिपत्र संख्या 14/2020 दिनांक 8 अप्रैल, 2020 के साथ पढ़ें, परिपत्र संख्या 17/2020 दिनांक 13 अप्रैल, 2020, परिपत्र संख्या 02/2021 दिनांक 13 जनवरी, 2021, और परिपत्र संख्या 19/2021 दिनांक 8 दिसंबर, 2021 (इसके बाद सामूहिक रूप से "एमसीए परिपत्र" के रूप में संदर्भित) और भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड ("सेबी") परिपत्र संख्या SEBI/HO/CFD/CFD-PoD-2/P/CIR/2024/133 दिनांकः 3 अक्टूबर, 2024, SEBI/HO/DDHS/P/CIR/2023/0164 दिनांकः 06 अक्टूबर, 2023, SEBI/HO/CFD/PoD-2/P/CIR/2023/4 दिनांकः 05 जनवरी 2023, SEBI/HC/CFD/CMD1CIR/P/2020/79 दिनांकः 12 मई, 2020, SEBI/HO/CFD/CMD2/CIR/P/2021/11 दिनांकः 15 जनवरी, 2021 और SEBI/HO/CFD/CMD2/CIR/P/2022/62 दिनांकः 13 मई, 2022 (इसके बाद सामूहिक रूप से सेबी परिपत्र के रूप में संदर्भित) ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग ('वीसी') / अन्य ऑडियो विजुअल माध्यमों ('ओवीएएम') के माध्यम से सदस्यों की एक ही स्थान पर भौतिक उपस्थिति के बिना, वार्षिक आम बैठक (एजीएम) आयोजित करने की अनुमति दी है। सदस्य वीसी/ओवीएएम के माध्यम से वार्षिक आम बैठक में भाग ले सकेंगे या www.skylinerta.com पर लाइव वेबकास्ट देख सकेंगे। वीसी/ओवीएएम सुविधा के माध्यम से भाग लेने वाले सदस्य को कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 103 के तहत कोरम के लिए गिना जाएग।
2. संबंधित परिपत्रों के अनुपालन में, 37वीं वार्षिक आम बैठक (एजीएम) की सूचना और वित्तीय वर्ष 2024–25 के लिए एकल वित्तीय विवरण, बोर्ड की रिपोर्ट, लेखा परीक्षक की रिपोर्ट और उसके साथ संलग्न किए जाने वाले अन्य दस्तावेजों के साथ, उस कंपनी के सभी सदस्यों/डिपॉजिटरी प्रतिभागियों को 30.08.2025 को भेज दिए जाएँगे। एमसीए परिपत्रों और सेबी परिपत्र के माध्यम से एजीएम की सूचना की भौतिक प्रतियाँ भेजने की आवश्यकता समाप्त कर दी गई है। उपरोक्त दस्तावेज कंपनी की वेबसाइट https://isflimited.in/ पर भी उपलब्ध होंगे और स्टॉक एक्सचेंज यानी बीएसई लिमिटेड की वेबसाइट www.bseindia.com और कंपनी के रजिस्ट्रार और ट्रांसफर एजेंट यानी www.skylinerta.com से भी प्राप्त किए जा सकते हैं।

इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से मतदानः
कंपनी अधिनियम, 2013 ("अधिनियम") की धारा 108 और कंपनी (प्रबंधन एवं प्रशासन) नियम, 2014 ("नियम") के नियम 20 के अनुसार, कंपनी अपने सदस्यों को वार्षिक आम बैठक (एजीएम) स्थल के अलावा किसी अन्य स्थान से इलेक्ट्रॉनिक रूप से मतदान करने की सुविधा ("रिमोट ई–वोटिंग") प्रदान कर रही है, जो एनएसडीएल द्वारा प्रदान की जाती है और एजीएम की सूचना में उल्लिखित सभी प्रस्तावों पर ऐसे मतदान के माध्यम से कारोबार किया जा सकता है;

i. जिन सदस्यों ने रिमोट ई–वोटिंग के माध्यम से अपना वोट दिया है, वे भी बैठक में भाग ले सकते हैं।
ii. रिमोट ई–वोटिंग 24 सितंबर, 2025 को प्रातः 9:00 बजे शुरू होगीय
iii. रिमोट ई–वोटिंग 26 सितंबर, 2025 को सायं 5:00 बजे समाप्त होगीय
iv. इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से या वार्षिक आम बैठक में मतदान हेतु पात्रता निर्धारित करने की अंतिम तिथि शनिवार, 20 सितंबर, 2025 है।
v. वार्षिक आम बैठक के दौरान मतदान के माध्यम से मतदान की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी।
vi. कोई भी व्यक्ति, जो वार्षिक आम बैठक की सूचना भेजे जाने के बाद कंपनी के शेयर प्राप्त करता है और कंपनी का सदस्य बनता है और अंतिम तिथि अर्थात शनिवार, 20 सितंबर, 2025 तक शेयर धारण करता है, वह कंपनी के आरटीए को info@skylinerta.com पर ईमेल भेजकर स्थानांतरण पंजीकृत करा सकता है।

ईमेल पते पंजीकृत और अपडेट करने का तरीकाः
सदस्य आगामी वार्षिक आम बैठक (एजीएम) के लिए कंपनी की आरटीए वेबसाइट info@skylinerta.com पर अपना ईमेल पता अपडेट या पंजीकृत कर सकते हैं। कंपनी की वार्षिक आम बैठक (एजीएम) वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग और/या अन्य ऑडियो–विजुअल माध्यमों से आयोजित की जाएगी।
अनुरोध भेजते समय, कृपया विषय को अपडेट ही रखें, ईमेल आईडी (अपनी डीपी आईडी/क्लाइंट आईडी/फोलियो नंबर का उल्लेख करें) दर्ज करें और अपने पैन कार्ड की स्व–प्रमाणित प्रति भी भेजें।

आईएसएफ लिमिटेड के लिए
हस्ता./–
अंजलि राज
कंपनी सचिव एवं अनुपालन अधिकारी
सदस्यता संख्याः A77251

दिनांकः 29.08.2025
स्थानः नई दिल्ली

नोट– सदस्य कृपया अपने ईमेल पते में किसी भी परिवर्तन की सूचना तुरंत दें।

THE SONIPAT COOP. SUGAR MILLS LTD., SONIPAT

"E-Tender Notice"

Original Manufacture/Authorized dealer/Reputed & experienced suppliers are requested to submit their rates through e-tendering for the following items. The detailed tender form can be downloaded from e-tendering Portal as mentioned below of related items.

Sr.No.	Description of Items	e-Tender ID No.
1.	Reshelling and Deshelling of under feed rollers with grooving as per our drawings and specification.	2025_HBC_468914_1
2.	Contract for Complete Operation and Maintenance of Sugar Plant of 2200 TCD for off seasons 2025, and crushing seasons 2025-26 as per Annexure 'A', 'B', 'C' and index 'I'	2025_HBC_468938_1

All the tenders will be available on e-tendering Portal https://etenders.hry.nic.in. The bid should be submitted separately in two parts technical as well as commercial. The technical tender will be opened on 05.09.2025 at 09.05 A.M. and the time for opening the financial bid has been fixed on 05.09.2025 at 10:00 A.M. and the negotiation will be held on 05.09.2025 at 12:30 PM onwards, if needed. All the concerned parties must be registered on e-tendering portal. The Mill Management reserves the right to accept/reject any/all tenders/ items without assigning any reason thereof.

Sd/-Managing Director,
The Sonipat Coop. Sugar Mills Ltd.,Sonipat

यमुना का जलस्तर खतरे के निशान के पार

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली में यमुना का जलस्तर खतरे के निशान को पार गया है। शनिवार शाम सात बजे पुराने रेलवे पुल पर यमुना नदी का जलस्तर 205.50 मीटर दर्ज पहुंच गया। जो कि खतरे के निशान 205.33 मीटर को पार गया है।

नियंत्रण कक्ष से मिली जानकारी के अनुसार शनिवार सुबह यमुना का जल स्तर छह बजे 205.11 मीटर था। जो शाम तक बढ़ कर खतरे के निशान को पार कर गया। नियंत्रण कक्ष से मिली जानकारी के अनुसार रात में यमुना का जलस्तर बढ़ सकता है। एक अधिकारी ने बताया कि स्थिति पर नजदीक से नजर रखी जा रही है। उन्होंने बताया कि जल स्तर और बढ़ने का अनुमान है, ऐसे में सभी संबंधित एजेंसियों को बाढ़ जैसी स्थिति से निपटने के लिए एहतियाती कदम उठाने को कहा गया है। केंद्रीय बाढ़ कक्ष के एक अधिकारी ने कहा कि नदी का जलस्तर हथिनी कुंड बैराज से हर घंटे भारी मात्रा में पानी छोड़े जाने के कारण बढ़ रहा है। बाढ़ नियंत्रण विभाग के अनुसार हथिनी कुंड बैराज से हर घंटे लगभग 50 क्यूसेक पानी और वजीराबाद बैराज से 44,970 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है। पुराना रेलवे पुल नदी के प्रवाह और संभावित बाढ़ के खतरों पर नजर रखने के लिए एक प्रमुख अवलोकन बिंदु है। ज्ञातव्य हो कि दिल्ली में यमुना के जलस्तर का चेतावनी का निशान 204.50 मीटर है जबकि खतरे का निशान 205.33 मीटर है। जलस्तर 206 मीटर पहुंचने पर लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने का कार्य शुरू होता है।

जलस्तर और बढ़ने की आशंका

हथिनीकुंड बैराज से हर घंटे छोड़ा जा रहा है करीब 50 हजार क्यूसेक पानी

खबर संक्षेप

दिल्ली भी हमारा बड़ा घर है उसे साफ रखना भी हमारी जिम्मेदारीः महापौर

नई दिल्ली। जैसे हम अपने घर को गंदगी से दूर रखते हैं वैसे ही दिल्ली भी हमारा बड़ा घर है और उसे साफ रखना भी हमारी जिम्मेदारी है। दिल्ली के महापौर सरदार राजा इकबाल सिंह ने शनिवार को दिल्ली नगर निगम के रोहिणी जोन में 'दिल्ली को कूड़े से आजादी' अभियान के अंतर्गत स्वच्छ एवं हरित दिल्ली के लिए विशाल रैली के आयोजन पर यह संबोधन दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में आज से 11 वर्ष पूर्व स्वच्छ भारत मिशन को आरम्भ किया था। इसी कड़ी में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता एवं दिल्ली विधानसभा के स्पीकर विजेंद्र गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली को कूड़े से आजादी अभियान चलाया जा रहा है।

कल आयोजित होगा एबीवीपी का 'स्वयंसिद्धा' छात्रा सम्मान कार्यक्रम

नई दिल्ली। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) नीत दिल्ली विश्वविद्यालय छात्रसंघ (डूसू) ने शनिवार को घोषणा की है कि 1 सितंबर को 'स्वयंसिद्धा' कार्यक्रम के अंतर्गत विश्वविद्यालय में अध्ययनरत छात्राओं को सम्मानित किया जाएगा। एबीवीपी दिल्ली के प्रांत मंत्री सार्थक शर्मा ने शनिवार को यह जानकारी देते हुए कहा कि इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता होंगी। वर्ष 2014 से एबीवीपी नीत छात्रसंघ लगातार इस कार्यक्रम का आयोजन कर रहा है, ताकि विश्वविद्यालय की उत्कृष्ट छात्राओं को सम्मानित किया जा सके। इस कार्यक्रम में दिल्ली विश्वविद्यालय में अध्ययनरत छात्राओं को शैक्षणिक गतिविधियों, एनसीसी, एनएसएस, ईसीए और खेलकूद के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया जाएगा। साथ ही, कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन भी होगा, जिनमें विश्वविद्यालय की छात्राएं भाग ले सकेंगी। इन प्रतियोगिताओं में रंगोली, संगीत, नाटक, कला, फेस पेंटिंग, पोस्टर मेकिंग आदि शामिल होंगी। इसके अतिरिक्त सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे, जिनमें छात्राएं अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकेंगी।

'स्वच्छता-एक संस्कार' सांस्कृतिक कार्यक्रम का किया आयोजन

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम ने स्वच्छता के प्रति जन जागरूकता बढ़ाने और नागरिक भागीदारी को मज़बूत करने के उद्देश्य से शनिवार को द्वारका में 'स्वच्छता-एक संस्कार' सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया। इस अवसर पर दिल्ली के महापौर सरदार राजा इकबाल सिंह ने कहा कि अब समय आ गया है कि हम स्वच्छता को अपनी सामूहिक ज़िम्मेदारी बनाएँ। हमारी सड़कें कचरा मुक्त हों, यह सुनिश्चित करने में जनभागीदारी बेहद ज़रूरी है। सांसद कमलजीत सहरावतन ने कहा कि स्वच्छता एक दैनिक प्रक्रिया है। दिल्ली नगर निगम स्वच्छ दिल्ली सुनिश्चित करने के लिए दिन-रात काम कर रही है, और यह हमारी ज़िम्मेदारी है कि हम अपने सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी न फैलाएं। निगम आयुक्त अश्वनी कुमार ने प्रत्येक नागरिक से 'स्वच्छ दिल्ली' के प्रयासों में दिल्ली नगर निगम का सहयोग करने की अपील की।

'प्रधानमंत्री मोदी एवं उनकी दिवंगत माता जी के प्रति कांग्रेस ने किया अभद्र भाषा का उपयोग'

प्रदेश भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस मुख्यालय पर किया विरोध प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं उनकी दिवंगत माता जी के प्रति कांग्रेस मंच से अभद्र भाषा के प्रयोग के विरूद्ध दिल्ली भाजपा के बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस मुख्यालय पर शनिवार को विराट प्रदर्शन किया। प्रदेश भाजपा से मिली जानकारी के अनुसार दिल्ली प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा के नेतृत्व एवं राष्ट्रीय महामंत्री तरूण चुघ एवं दुष्यंत गौतम तथा राष्ट्रीय मंत्री डॉ. अल्का गुर्जर की उपस्थिति में दिल्ली भाजपा के बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने शनिवार को दीनदयाल उपाध्याय मार्ग पर एकत्र हुए और यहां से पुलिस बैरिकेड्स तोड़ते हुए, वाटर कैनन चार्ज का सामना करते हुए कांग्रेस मुख्यालय के पास पहुंचे। इसके बाद बिहार में कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा प्रचार मंच से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं उनकी दिवंगत माता के प्रति अभद्र भाषा के प्रयोग के विरोध में विराट रोष प्रदर्शन किया। इस दौरान अनेक नेता एवं कार्यकर्ता चोटिल भी बताए गए।

दीनदयाल मार्ग पर आंध्रा स्कूल लाल बत्ती पर लगे मंच से लेकर आई.टी.ओ. चौक तक एकत्र हजारों भाजपा कार्यकर्ताओं के प्रदर्शन का मंच संचालन सांसद योगेन्द्र चंदोलिया ने किया। हजारों कार्यकर्ताओं के बीच लगे राहुल गांधी के चार पुतलों पर धिक्कार देकर कार्यकर्ताओं ने रोष व्यक्त किया। प्रदर्शनकारी नारे लगा रहे थे "गली गली में शोर है गांधी परिवार कांग्रेस की सम्पति का चोर है", 'राहुल गांधी होश में आओ माता बहनों का अपमान बंद करो', 'प्रधानमंत्री का अपमान नहीं सहेगा हिन्दुस्तान' आदि। प्रदर्शन को दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा के अलावा, राष्ट्रीय नेताओं तरुण चुघ, दुष्यंत गौतम एवं डॉ. अल्का गुर्जर, सांसद योगेन्द्र चंदोलिया, कमलजीत सहरावत, रामवीर सिंह बिधूड़ी, प्रवीन खंडेलवाल एवं बांसुरी स्वराज, प्रदेश महामंत्री विष्णु मित्तल सहित अनेक विधायकों एवं अन्य नेताओं ने सम्बोधित किया। प्रदेश अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा के नेतृत्व में पुलिस बैरिकेड्स तोड़ कांग्रेस मुख्यालय के पास पहुंचे सांसद योगेन्द्र चांदोलिया, पूर्व मंत्री कैलाश गहलोत आदि कार्यकर्ताओं को पुलिस गिरफ्तार कर आई.पी. एस्टेट थाने ले गई।

राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुघ ने कहा कि राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी ने शिशुपाल का रोल अदा किया है और आज कांग्रेस पार्टी मानसिक कुंठा में है। राहुल गांधी के नेतृत्व में 18 चुनाव हार चुकी कांग्रेस अब एक और हार की तैयार कर चुकी है। दुष्यंत गौतम ने कहा कि जिस प्रधानमंत्री ने देश के कई ऐतिहासिक काम और विश्व में उनके नाम का लगातार गुणगान होना कांग्रेस को बर्दाश्त नहीं हो रहा है। राष्ट्रीय मंत्री डॉ. अल्का गुर्जर ने कहा कि राहुल गांधी के मंच से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की माता को अपशब्द बोलकर सिर्फ उनका ही नहीं बल्कि पूरे मातृशक्ति का अपमान किया है।

कांग्रेसियों को बर्दास्त नहीं हो रहा है पीएम का कार्य : सचदेवा

प्रदर्शन को संबोधित करते हुए सचदेवा ने कहा कि आजादी के बाद पहली बार देश के प्रधानमंत्री पद पर एक गरीब का बेटा, एक वंचित वर्ग का बेटा पिछले ग्यारह वर्षों से बिना थके, बिना डरे, दिन-रात देश के लिए काम कर रहा है जो कांग्रेसियों को बर्दास्त नहीं हो रहा है। उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि जिस परिवार में चाँदी के चम्मच के साथ राहुल गांधी पैदा हुए, जो परिवार देश के पैसों से हवाई जहाज में जन्मदिन मनाता था उसे कैसे बर्दास्त होगा कि एक गरीब मां का बेटा दुनिया में भारत का डंका बजा रहा है। बिहार संस्कारों की, ईमानदारों की स्वाभिमानों की भूमि है और कांग्रेस ने इस संस्कार, स्वाभिमान को एक घटना ने कलंकित किया है और बिहार की जनता इसका जवाब चुनाव में देगी।

दिल्ली में स्थापित होंगे दो नये बायो मेडिकल वेस्ट ट्रीटमेंट प्लांट : सिरसा

नई दिल्ली। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने शनिवार को दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) को दिल्ली में दो अत्याधुनिक बायो-मेडिकल वेस्ट (बीएमडब्ल्यू) ट्रीटमेंट प्लांट स्थापित करने हेतु तत्काल फिजिबिलिटी स्टडी शुरू करने के निर्देश दिये। साथ ही मंत्री ने नॉन-बेडेड क्लीनिकों के लिए बीएमडब्ल्यू सेवा शुल्क तार्किक करने का औपचारिक प्रस्ताव पेश करने को डीजीएचएस से कहा, क्योंकि वर्तमान शुल्क उनकी न्यूनतम वेस्ट एमाउंट को नहीं दर्शाते। उन्होंने आश्वस्त किया कि वे स्वास्थ्य मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह को इस आवश्यकता और तथ्यों से अवगत कराएंगे। मंत्री सिरसा ने कहा कि यदि बायो-मेडिकल कचरा अनुपचारित छोड़ दिया गया तो यह जन-स्वास्थ्य और वायु-गुणवत्ता के लिए गंभीर खतरा है। दो आधे-एकड़ के मौजूदा प्लांट पूरे शहर के 40 मीट्रिक टन दैनिक भार को अनिश्चितकाल तक नहीं उठा सकते। हम इस कैपेसिटी गैप को जल्द करने के लिए काम कर रहे हैं।

आवारा कुत्तों के लिए फीडर प्लेस बनाने की प्रक्रिया शुरू

स्थायी समिति अध्यक्ष सत्या शर्मा ने पांच एनिमल बर्थ कंट्रोल सेंटरों का किया निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देशों के अनुरूप आवारा कुत्तों के लिए फीडर प्लेस भी बनाने की जगहों को चिन्हित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। दिल्ली नगर निगम में स्थायी समिति की अध्यक्ष सत्या शर्मा ने शनिवार को मसूदपुर, बिजवासन और द्वारका स्थित पांच एनिमल बर्थ कंट्रोल (एबीसी) सेंटरों का निरीक्षण करने के बाद यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि निगम प्रशासन इस दिशा में दिल्ली सरकार से भी सहयोग मांगेगा और औपचारिक रूप से अनुरोध करेगा कि डॉग शेल्टर होम व फीडर प्लेसेज़ विकसित करने के लिए भूमि उपलब्ध कराए ताकि इस समस्या का स्थायी समाधान हो सके। इस पूरी प्रक्रिया की निगरानी एवं सुधार के लिए एक उपसमिति पहले से ही बनाई गई है, जो लगातार सुझावों पर काम कर रही है। निगम प्रशासन से मिली जानकारी के अनुसार बता दें कि सत्या शर्मा ने निरीक्षण के दौरान द्वारका स्थित डॉग क्रिमेटोरियम सेंटर का भी दौरा किया और वहां की सुविधाओं की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह एक अच्छी पहल है और इसी तर्ज पर एमसीडी और अधिक सुविधाएं विकसित कर सकती है ताकि कुत्तों के लिए बेहतर देखभाल और सम्मानजनक व्यवस्था सुनिश्चित की जा सके।

दिल्लीवासियों ने किया प्रदर्शन

कौन लेगा कुत्तों के काटने की जिम्मेदारी : गोयल

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट का निर्णय है कि नसबंदी और वैक्सीनेशन के बाद आवारा कुत्तों को वहीं छोड़ दिया जाए। लेकिन नसबंदी के बाद भी कुत्तों की काटने की क्षमता कम नहीं होती। आज दिल्ली की सड़कों पर लगभग 10 लाख आवारा कुत्ते हैं और रोज़ाना 2000 से अधिक काटने की घटनाएं हो रही हैं। इसका जिम्मा सुप्रीम कोर्ट लेगा या वे 'कुत्ता प्रेमी'। नई दिल्ली और साउथ दिल्ली की विभिन्न रेज़िडेंट वेलफेयर एसोसिएशनों (आरडब्लुए) द्वारा शनिवार को राजीव चौक मेट्रो स्टेशन सेंट्रल पार्क पर आवारा कुत्तों के काटने की समस्या को लेकर आयोजित ज़ोरदार प्रदर्शन के दौरान प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे केंद्रीय मंत्री विजय गोयल ने यह बातें कही। उन्होंने कहा कि नो डॉग्स ऑन स्ट्रीट पॉलिसी होनी चाहिए। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने "आवारा कुत्तों को हटाओ, देश बचाओ" जैसे नारे लगाए और सरकार से ठोस कदम उठाने की मांग की। गोयल ने आगे कहा कि कुत्ता प्रेमियों के नेता अपने समर्थकों को सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के खिलाफ उकसा रहे हैं कि वे सोसाइटी और अपार्टमेंट्स में हर जगह कुत्तों को खाना खिलाएं, और अगर कोई मना करे तो उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराएं। इतना ही नहीं, यदि कोई काटने वाले कुत्ते की शिकायत करे तो उससे सबूत मांगते हैं और न देने पर उसके खिलाफ भी एफआईआर करवाते हैं।

विदेशों में सड़क पर एक भी आवारा कुत्ता नहीं देता दिखाई

गोयल ने यह भी बताया कि वे हाल ही में केंद्रीय पशुपालन मंत्री से मिले और एनीमन बर्थ कंट्रोल- एबीसी रूल्स को समाप्त करने की मांग रखी। उन्होंने कहा कि विदेशों में किसी सड़क पर एक भी आवारा कुत्ता नहीं दिखाई देता। वहाँ या तो कुत्ते शेल्टर होम में होते हैं या उनका अन्य उपचार किया जाता है। भारत में भी यही नीति अपनाई जानी चाहिए।

मुख्यमंत्री ने किया खिलाड़ियों संग संवाद

मेरा सपना, दिल्ली के खिलाड़ी ओलंपिक में पदक जीतकर, भारत का नाम करें रोशन : रेखा गुप्ता

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली के खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक आयोजनों से पदक जीतकर वापस लौटें और भारत का तिरंगा पूरी दुनिया में फहराएं। इसी सपने को साकार करने के लिए दिल्ली सरकार ने राजधानी के विजेता खिलाडियों की पुरस्कार राशि प्रभावी बढ़ोतरी की है, साथ ही उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर की खेल सुविधाएं देने के लिए विशेष कदम उठाए जा रहे हैं। यह कहना है दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता का। शनिवार को मुख्यमंत्री ने त्यागराज स्टेडियम में आयोजित संवाद सत्र में उभरते खिलाडियों और देश के प्रतिष्ठित खिलाड़ियों के बीच पहुंचकर अपने विचार साझा किए और दिल्ली सरकार की खेल नीति की जानकारी दी। इस कार्यक्रम में दिल्ली सरकार के कैबिनेट मंत्री आशीष सूद, विधायक राजकुमार भाटिया व अन्य गणमान्य लोग भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने दिल्ली के प्रतिभावान छात्रों और खिलाडियों का गर्मजोशी से स्वागत करते हुए कहा कि दिल्ली और भारत का भविष्य इन्हीं युवाओं के हाथों में है, जो आने वाले समय में राष्ट्र का गौरव बढ़ाएंगे। मुख्यमंत्री ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का नाम रोशन करने वाले चैंपियनों रवि दहिया, शरद कुमार, तेजस्विन शंकर, नारायण ठाकुर, नरेंद्र ग्रेवाल और प्रीतम रानी जैसी हस्तियों का विशेष उल्लेख किया और उनके योगदान की सराहना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि ओलंपिक और पैरालंपिक खेलों में भारत के खिलाडियों का प्रदर्शन आज पूरी दुनिया में भारत की पहचान बन चुका है। जब कोई खिलाड़ी पदक जीतता है तो वह सम्मान केवल खिलाड़ी या संस्था का नहीं, बल्कि पूरे 140 करोड़ भारतीयों का होता है। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व का भी उल्लेख करते हुए कहा कि उनके कार्यकाल में खेलों को पहली बार वह सम्मान और संवैधानिक मान्यता मिली, जिसकी लंबे समय से आवश्यकता थी। उन्होंने बताया कि हाल ही में बनाए गए राष्ट्रीय खेल शासन कानून-2025 के माध्यम से खेलों को नई ऊंचाइयां मिलेंगी और खिलाडियों को बेहतर सुविधाएं, प्रशिक्षण और संसाधन उपलब्ध कराए जाएंगे।

क्या टीचर्स का रोल निभा पाएगा आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस

विशेष: शिक्षक दिवस, 5 सितंबर

जब-जब किसी नई तकनीक का प्रचलन बढ़ता है, पारंपरिकता के सामने चुनौती खड़ी हो ही जाती है। हाल के वर्षों में एआई के बढ़ते चलन ने कई अन्य प्रोफेशंस समेत टीचर्स के लिए भी चुनौती पैदा कर दी है। लेकिन सवाल यह है कि क्या एआई कभी एक इंसान जैसी भावनात्मक जुड़ाव के साथ नैतिकता और मानव मूल्य का पाठ छात्रों को पढ़ा पाएगा?

आवरण कथा
लोकमित्र गौतम

आज के एआई (आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस) युग में जब हर तरह के कठिन से कठिन सवाल का जवाब चैटबॉट पलक झपकते दे देते हों, जब बच्चों से लेकर गहन शोधकर्ताओं तक में अपनी हर जिज्ञासा को गूगल सर्च या एआई के जरिए साफ करने की प्रवृत्ति गढ़ी हो, जब दुनिया के टॉप यूनिवर्सिटीज में भी आधे से ज्यादा शोध एआई की मदद से किए जा रहे हों, जब नए वैज्ञानिक आविष्कारों, मेडिकल तकनीकों, बीमारियों के नए से नए इलाज खोजने के लिए एआई का धड़ल्ले से इस्तेमाल किया जा रहा हो, तब क्या बच्चों को पढ़ाने के लिए, उन्हें पढ़ा लिखाकर संवारने के लिए, शिक्षकों की उतनी ही जरुरत है, जितनी अब के पहले हुआ करती थी? यह सवाल इसलिए आजकल हर तरफ पूछा जाने लगा है या बिना पूछे भी मौजूद दिख रहा है, क्योंकि कई एआई विशेषज्ञों ने ही नहीं, इस दौर के मशहूर अध्यापकों ने भी घोषणा कर दी है कि अगले कुछ सालों में पढ़ाने के लिए टीचर की जरूरत नहीं होगी। हाल के सालों में अपने पढ़ाने की शैली से जबर्दस्त लोकप्रियता हासिल करने वाले अध्यापक और एक मशहूर कोचिंग के संस्थापक विकास दिव्यकीर्ति ने अपने कई हालिया साक्षात्कारों में कहा है कि अब छात्रों को टीचर क्या पढ़ाएगा, उन्हें हर जरूरी सवाल का जवाब बड़ी सहजता से एआई से मिल रहा है और अगले कुछ सालों में और विश्वसनीय तरीके से मिलेगा।

असल में यह सब जितना सतही दिखता है, उतना है नहीं। हालांकि एआई के आने के तुरंत बाद यह घोषणा नहीं की गई कि एआई जिन कुछ पेशेवरों को सबसे पहले बेरोजगार करेगी, उनमें अध्यापक भी होंगे। लेकिन जब से गूगल सर्च धीरे-धीरे करीब 90 फीसदी तक विश्वसनीय हुआ और फिर चैटबॉट का धमाका हुआ, जो इंसानों की ही तरह व्यक्तिगत रूप से आपकी हर जिज्ञासा को शांत करने की कोशिश करता है और जो इसके नए वर्जन मार्केट में आए हैं, वो यह सब काम सिर्फ तथ्यात्मक या तकनीकी ढंग से सपाट अंदाज में नहीं कर रहे बल्कि इसमें इंसानों की तरह का एक खिलंदड़पना भी है। तब से यह भविष्यवाणी जरा तेज होने लगी है कि आने वाले दिनों में अध्यापकों की जरूरत नहीं रहेगी।

कम नहीं हुई शिक्षकों की महत्ता

यहां हमें यह भी समझना होगा कि असल में शिक्षक की भूमिका कभी भी केवल जानकारी देने वाले की नहीं रही, अगर सिर्फ इतनी ही होती तो जब कागज में किताबें छपने लगी थीं, रेडियो का आविष्कार हो गया और उसमें तमाम ज्ञान और शिक्षा के कार्यक्रम आने लगे, जब टीवी का स्वर्णयुग आया और विभिन्न विषयों पर दुनिया के एक से बढ़कर एक विशेषज्ञों के विचार सार्वजनिक होने लगे और हां, सबसे ज्यादा तब जब इंटरनेट अस्तित्व में आया और दुनियाभर के ज्ञान का एक व्यवस्थित स्रोत बन गया, तब भी टीचर्स की जरूरत में रत्तीभर कोई कमी नहीं आई बल्कि सच तो यह है कि दिलो-दिमाग में इसके अप्रासंगिक हो जाने का विचार तक नहीं आया। हालांकि निश्चित रूप से एआई के विस्तारित आविष्कार के रूप में अस्तित्व में आए लॉन्ग लैंग्वेज मॉडल्स अर्थात चैटबॉट ने पहली बार अध्यापकों की जरूरत पर सवालियां निशान लगाएं हैं। लेकिन यकीन मानिए, ये सवालिया निशान सिर्फ तात्कालिक या कहें शुरुआती चकाचौंध की उपज हैं।

मार्गदर्शन भी देता है अध्यापक

सच बात यही है कि जैसे-जैसे चैटबॉट का अनुभव पुराना होता जाएगा, हमें स्वतः यह पता चल जाएगा कि यह या एआई का कोई भी आविष्कार वास्तव में कभी अध्यापक की जगह नहीं ले सकता। क्योंकि अध्यापक केवल मशीनी अंदाज में छात्रों को ज्ञान भर नहीं देता। उसकी भूमिका इससे कहीं बड़ी होती है। अध्यापक ज्ञान देने से बढ़कर मार्गदर्शन करता है। छात्रों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनता है। उनमें मूल्यों की नींव डालता है और उनके एकीकृत व्यक्तित्व का संरक्षक बनता है। इसलिए यह जटिल भूमिका कोई भी वैज्ञानिक आविष्कार या कहें वह कितना ही महान और कितना ही क्रांतिकारी हो, नहीं कर सकता।

निभाता है बहुस्तरीय भूमिका

अध्यापक बहुस्तरीय भूमिका निभाते हैं। वे मशीन नहीं हैं। वे आपको मशीनी अंदाज में निर्मित नहीं करते बल्कि एक कलाकार की तरह अपनी समूची भावनात्मक संवेदना के साथ धीरे-धीरे गढ़ते हैं। इसलिए कोई मशीन कितनी ही इंटेलीजेंट क्यों न हो जाए, वह कभी भी अध्यापक की जगह नहीं ले सकती। दिल छू जाने वाले सवाल पूछना और जीवन बदल देने वाली प्रेरणा देना सिर्फ इंसान ही जानता है। यह कमाल सिर्फ इंसानी टीचर ही कर सकता है। इसलिए उन्नत से उन्नत चैटबॉट के युग में भी इंसानी अध्यापक न सिर्फ बने रहेंगे बल्कि पहले से और ज्यादा प्रासंगिक होंगे, इस जटिलता से निजात दिलाने के लिए। शिक्षक अब न सिर्फ सूचना ही देता है और न ही कोई कुशलता सिखाता है। वह सूचना और कुशलता सिखाने के साथ-साथ आप में प्रशिक्षण यानी वैल्यू और एथिक की भी नींव मजबूत करता है। क्योंकि एआई किसी भी सवाल का क्या और कैसे बता सकता है, लेकिन अधिकांश सवालों से 'क्यों' जवाब शिक्षक ही देगा। जीवन मूल्य, सहानुभूति, सहयोग और जिम्मेदारी जैसी चीजें कोई इंसान ही किसी दूसरे इंसान को सिखा सकता है या कोई इंसान ही दूसरे इंसान से सीखने के लिए प्रेरित हो सकता है। एआई छात्रों में पर्सनालिटी बिल्डिंग यानी व्यक्तित्व विकास का काम भी अच्छे ढंग से नहीं कर सकता। किसी भी छात्र को आत्मविश्वास, संवाद कौशल, टीम वर्क और नेतृत्व की क्षमता विकसित करने के लिए कोई जीता जागता अध्यापक ही प्रेरित कर सकता है।

अध्यापकों को स्वीकारनी होगी चुनौती

इस मामले में यह भी जरूरी है कि एआई की चुनौती से निपटने के लिए आज के अध्यापकों को पहले से ज्यादा मेहनत करनी पड़ेगी। अब सिर्फ किताब पढ़ा देना भर अध्यापक का काम नहीं रहा। अब विशेषकर इस चैटबॉट के युग में अध्यापकों की कई तरह की भूमिकाएं उभर कर सामने आती है। मसलन-अब अध्यापक को एक मेंटर के रूप में अपनी बड़ी भूमिका निभानी है। उसे छात्र को यह सिखाना है कि किसी भी जानकारी का उपयोग कैसे करना है, कौन सी जानकारी विश्वसनीय है और कौन सी भ्रामक है या हो सकती है, इसका फर्क सिखाना भी बहुत जरूरी है। *

कई रूपों में नाकाबिल है एआई

आज एआई की सबसे बड़ी ताकत उसकी स्पीड और स्केल को माना जाता है। कोई भी बच्चा जब चाहे एआई चैटबॉट से गणित का सवाल हल कर सकता है, किसी भी ऐतिहासिक घटना का सार या सारांश पा सकता है। विज्ञान की जटिल से जटिल थ्योरी को समझ सकता है। इस दृष्टि से एआई एक विशिष्ट सूचना शिक्षक तो है, लेकिन एआई या चैटबॉट किसी छात्र का दिल नहीं बदल सकता, उसे प्रोत्साहित नहीं कर सकता, उसे प्रभावित नहीं कर सकता और उसे प्रोत्साहित भी नहीं कर सकता। इस अर्थ में टीचर एआई या चैटबॉट के लिए खुद में एक बड़ी चुनौती है। क्योंकि शिक्षा का असली मकसद सिर्फ सवालों के जवाब पाना नहीं है बल्कि छात्रों में सोचने, समझने, चीजों को विश्लेषित करने की एक शैली या कुशलता को विकसित करना भी है। यह स्किल या कुशलता सिर्फ अध्यापक ही छात्रों को दे सकता है। इस मामले में एआई की क्षमता सीमित है। कोई भी मशीन किसी इंसान को किसी तरह का मूल्य नहीं सिखा सकती, न ही उसमें मूल्यबोध पैदा कर सकती है।

विचारणीय
अलका सोनी

अनेक वजहों से हमारे समाज में शिक्षकों की प्रतिष्ठा और उनके प्रति सम्मान घटता जा रहा है। उनके सामने अनेक चुनौतियां और मुश्किलें भी मौजूद हैं। ऐसे में उन सवालों पर विचार करना और उनके जवाब खोजना आज बहुत जरूरी हो गया है।

तभी फिर सम्मान-प्रतिष्ठा प्राप्त कर सकेंगे शिक्षक

प्राचीन काल से ही भारतीय संस्कृति में शिक्षक को सर्वोच्च स्थान पर प्रतिष्ठित किया जाता रहा है। लेकिन बड़ा सवाल है कि क्या आज के भारत में शिक्षक इस सम्मान का वास्तविक अनुभव कर पा रहे हैं? क्या यह पेशा युवाओं की पहली पसंद रह गया है? और सबसे महत्वपूर्ण सवाल जब हम विदेशों की तुलना में अपने शिक्षकों की स्थिति देखते हैं, तो क्या हमें आत्ममंथन की आवश्यकता नहीं है? आज तो ऐसी स्थिति हो गई है कि जब कोई बच्चा पढ़ना शुरू करता है, तब से ही अधिकांश बच्चों के माता-पिता और परिचित उसे इंजीनियर, डॉक्टर और न जाने कौन-कौन से पेशे को अपनाने का सपना देखने और दिखाने लगते हैं। तब शायद ही कोई यह कहता है कि वह बड़ा होकर एक शिक्षक बनेगा। यह बात कड़वी है, लेकिन सच है। भले ही हमारे देश में गुरु-शिष्य परंपरा रही हो। हम गुरु को भगवान से भी बड़ा मानते हो, लेकिन हमारे ही देश में आज शिक्षक के पेशे को कमतर आंका जाता है। लोग मजबूरी में शिक्षक के पेशे को अपनाते हैं। इसलिए यह जानना जरूरी है कि आज आखिर ऐसा क्यों हो रहा है?

शिक्षक का बदलता स्वरूप: प्राचीन भारत में गुरु का दर्जा बहुत महत्वपूर्ण माना जाता था। उन्हें सचमुच भगवान से ऊंचा स्थान दिया जाता था। गुरुकुल परंपरा में शिक्षक, शिष्य के संपूर्ण व्यक्तित्व निर्माण के लिए जिम्मेदार होते थे। उन्हें वेतन नहीं, बल्कि 'दक्षिणा' दी जाती थी। यानी सम्मान और कृतज्ञता का प्रतीक, साथ ही एक बार शिष्य के गुरुकुल में प्रवेश करने के बाद उस पर गुरु का अधिकार होता था। उनकी आज्ञा ही उसके लिए सर्वोपरि होती थी। इस क्रम में शिष्यों के माता-पिता भी उनके बीच नहीं आते थे।

कई दायित्वों का दबाव: अगर आप प्राचीन भारत से तुलना करें तो साफ पता चलेगा कि आज अधिकतर शिक्षकों का कार्य केवल किताबों तक सीमित नहीं रह गया है। यानी कि वे शिक्षा देने के साथ-साथ मिड-डे मील की निगरानी से लेकर चुनाव ड्यूटी, जनगणना, टीकाकरण जागरूकता अभियान जैसे कई सरकारी कार्य में लगाए जा रहे हैं। इन सब कामों में उनकी भूमिका है, लेकिन उस अनुपात में उन्हें ना तो वह सम्मान मिलता है, न ही संसाधन। फलस्वरूप उनमें असंतोष या हताशा के भाव घर कर लेते हैं। इसके अलावा भी कई कारण हैं, जिनकी वजह से युवा इस पेशे को कम ही अपनाना चाहते हैं।

आर्थिक कारण: किसी भी पेशे को अपनाने की सबसे बड़ी वजह लोगों का आर्थिक रूप से सक्षम होना होता है। लेकिन शिक्षकों को समान शिक्षा कौशल वाले अन्य क्षेत्रों आई टी, फाइनेंस, मैनेजमेंट की तुलना में शुरुआती वेतन प्रायः कम मिलता है, जिससे अवसर-लागत अधिक लगती है। साथ ही कॉन्ट्रैक्ट/अस्थाई नियुक्तियां उनके काम करने के उत्साह को कम करती हैं। क्योंकि गेस्ट, आउटसोर्स या अल्पकालिक कॉन्ट्रैक्ट्स में वेतन और सुविधाएं सीमित रहती हैं।

भर्ती-प्रक्रिया की दिक्कतें: अकसर सरकारी शिक्षक नियुक्ति की प्रक्रिया बहुत समय लेती है। इससे भर्ती में देरी, अनिश्चितता बनी रहती है। विज्ञापन से ज्वाइनिंग तक वर्षों लग जाते हैं। इससे ऊबकर युवा करियर के दूसरे विकल्प चुन लेते हैं। नियुक्ति की परीक्षाओं में पेपर लीक, बार-बार होते मुकदमे और परीक्षा रद्दीकरण इसकी परीक्षा विश्वसनीयता पर असर डालती है, जिससे समय और ऊर्जा की भारी बर्बादी होती है। पहले शिक्षक नियुक्ति की प्रक्रिया आसान और सुलझी हुई थी। लेकिन अब दिन पर दिन यह जटिल होती जा रही है।

कार्य-परिस्थिति: अधिकतर शिक्षकों पर बहुत दबाव रहता है। एक ही शिक्षक पर कई कक्षाएं और विषय पढ़ाने का दबाव भी रहता है, जिससे सभी छात्रों पर व्यक्तिगत ध्यान देना कठिन हो जाता है। कुछ प्राइवेट स्कूलों को छोड़कर अन्य स्कूलों में इंफ्रास्ट्रक्चर की कमी जैसे कि लैब, लाइब्रेरी, स्मार्ट-क्लास, बिजली/नेट जैसी न्यूनतम सुविधाएं भी सीमित रूप में होती हैं।

कई स्तरों पर बदलाव की जरूरत: शिक्षकों का मुख्य कार्य पठन-पाठन से जुड़ा होना चाहिए। उन्हें गैर-शैक्षिक कामों से यथासंभव राहत देनी चाहिए। क्योंकि इन सब से उनकी कार्य क्षमता पर बुरा असर पड़ता है। इसलिए विद्यालय में केवल शिक्षण पर ध्यान देने का वातावरण बनाने की जरूरत है। ताकि युवाओं के मन में इस पेशे के प्रति सम्मान और समर्पण बना रहें। शिक्षा में सुधार के लिए छात्रों के साथ ही शिक्षकों और विद्यालयों की स्थिति में भी सुधार की आवश्यकता होती है। हर विद्यालय के इंफ्रास्ट्रक्चर में सुधार करने से शिक्षकों के ऊपर कम दबाव होगा। लैब, स्मार्ट क्लास, लाइब्रेरी, इंटरनेट जैसी सुविधाएं स्कूलों तक पहुंचनी जरूरी है। खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में। इनके अलावा आज समाज में शिक्षक के पेशे का सम्मान घटता जा रहा है। इस बात को समझना होगा कि लोग जिन भी कारणों से इस काम के प्रति उदासीन हो रहे हैं, उन कारणों को दूर करने की आवश्यकता है। अगर मीडिया और समाज में शिक्षकों को 'सोशल हीरोज' के रूप में मान्यता मिले, उन्हें पुरस्कार, सामुदायिक सम्मान मिले, तो स्थिति में बदलाव आ सकती है। *

कविता
हरीश कुमार 'अमित'

कुछ ख्वाब

कुछ ख्वाब
जिंदगी के
रहते बस ख्वाब ही।
बीतती जाती जिंदगी
देखते-देखते
इन ख्वाबों को।
इंतजार इन ख्वाबों के
पूरा हो जाने का,
रहता बस इंतजार ही।
बढ़ती रहती
इन ख्वाबों के
पूरा न हो पाने की कसक
वक्त बीतने के साथ-साथ।
और आखिरकार
बन जाती एक दिन
खुद जिंदगी ही
एक बीता हुआ ख्वाब।

कहानी / संजीव ठाकुर

विकास के नाम पर पेड़ों की बलि कितनी हृदय विदारक होती है, यह तो केवल पेड़ ही महसूस कर सकते हैं। हम इंसान तो केवल अपने स्वार्थ और आरामतलबी के चलते उन पर कुल्हाड़ी चलाते रहते हैं। काश हममें वह संवेदना जगती, कि हम इन पेड़ों की दारुण व्यथा-कथा सुन सकते, महसूस कर सकते!

मातम

दीवार खिंच चुकी है। कैंपस के करीब पांच मीटर अंदर। दो सौ मीटर लंबाई में। इस दीवार के बाहर कैंपस की जो जमीन है, पेड़-पौधे हैं, कमरे हैं, चहारदीवारी है- अब सरकारी संपत्ति है। यह कैंपस भी वैसे सरकारी है- कम से कम एक सौ सत्तर वर्ष पुराना। हेरिटेज बिल्डिंग। बाहर खुला लॉन। साठ-सत्तर वर्ष पुराने पेड़ों से घिरा हुआ।

अब खिंची दीवार के बाहर की समस्त भूमि सड़क का हिस्सा बनने जा रही है। पेड़ कट कर कुछ सरकारी गोदाम और कुछ चोरी-चुपके मंडियों में पहुंचने लगे हैं।

सीधे खड़े नीम और सेमल के पेड़ की बलि ली जा चुकी है। कल बट-बाबा की बारी है। कयामत की रात है। आस-पास खड़े सभी पेड़ गमगीन हैं- जो दीवार के इस पार हैं वे भी, उस पार हैं वे भी। इस पार वर्षों से टेढ़ा खड़ा नीम सीधे खड़े नीम के जाने से उदास है। कहता है, 'मुझे ही काट ले जाते? मैं लंगड़ा पेड़, न जाने कब गिर जाऊं? मेरे जाने से कुछ खास फर्क नहीं पड़ता। वह तो तीस वर्षों से खड़ा था, वातावरण की सारी गंदगी पीता था और स्वच्छ हवा लोगों को देता था।'

सेमल का भाई भी अपने बड़े भाई के जाने से दुखी है। 'कल नहीं तो परसों मेरी भी बारी आ ही जानी है।' वह सोच रहा है। दीवार के इस पार खड़ा ताड़ का पेड़ बोल पड़ा, 'अब देखो, मैं बच गया। मैं तो लोगों को कुछ खास फायदा नहीं पहुंचा पाता, लेकिन बट-बाबा के बारे में सोचो। साठ साल से धूप, वर्षा, ठंड की परवाह किए बिना डटे हुए हैं। कितनी तो गर्मी अपने अंदर सोख चुके हैं। अभी भी गर्मी सोखने की इनकी ताकत का कोई जोड़ नहीं है। लेकिन मूर्ख मनुष्य कुछ सोचने वाले ही नहीं हैं।'

इस पर बट-बाबा बोले, 'मेरी चिंता मत करो दोस्तों! मैं तो अपने बेटे के बारे में चिंतित हूं। उसने अभी दुनिया ही कितनी देखी है? ...दो-चार दिनों में वह भी मशीनी दानव के द्वारा धराशाई कर दिया जाएगा।'

'उस नए-नए जवान हुए पीपल और आम के पेड़ के बारे में भी तो कोई नहीं सोच रहा।' दीवार के उस पार अपनी जान की खैर मनाता जामुन का पेड़ बोल पड़ा।

'अरे! मनुष्य अपने विनाश की पटकथा खुद लिख रहा है। हमें क्या सोचना?' पीपल बोल पड़ा, 'मैं अभी कम से कम पचास साल यहां खड़ा रहता और मनुष्य को बचाने में अपना योगदान देता। लेकिन...! कोई बात नहीं।'

आम के पेड़ ने गुस्सा होते हुए कहा, 'मैं साफ हवा के साथ-साथ उन गधों को मीठे फल भी देता हूं। फिर भी मेरी चिंता उन्हें नहीं है। मैंने यहीं इसी कैंपस में किसी को कहते हुए सुना है, 'अगर पेड़ों को नहीं काटा जाएगा तो विकास कैसे होगा?'

'विकास क्या होता है दादा?' टेढ़े नीम ने पूछा।

पीपल के पेड़ ने बुजुर्ग की भूमिका ओढ़ते हुए समझाया, 'हमें काट कर, गड्ढों को ईंट, पत्थर से पाटकर, बुल्डोजर चलाकर, ऊपर से कोलतार की चादर बिछाकर जो चमचमाती सड़क बनती है, उसे विकास कहते हैं बेटा! यह विकास पूरे देश में होता रहता है। पहाड़ों पर होता रहता है। जंगलों को अंधाधुंध काटकर चौड़ी-चौड़ी सड़कें बनाई जाती हैं। दिल्ली-मुंबई-चेन्नई में रहने वाले लोगों की गाड़ियां मैदान से लेकर पहाड़ तक फर्राटे भरती रहती हैं। वे लोग सरकार की तारीफ में कहते हैं, 'देखो, यह है विकास।'

'लेकिन मैंने तो यहीं एक बार दो लोगों को बात करते सुना था कि पेड़ों की अंधाधुंध कटाई से पहाड़ों के पर्यावरण को बहुत नुकसान पहुंचता है।'

'पर्यावरण की चिंता किसे है बेटे?' बट-बाबा ने दुखी स्वर में कहा, 'मैं तो पिछले साठ सालों से देख-सुन रहा हूं। कई लोगों को इसके लिए अभियान चलाते हुए भी देखा है। लेकिन होता-हवाता कुछ नहीं है। अंततः सरकार ही जीतती है। कहीं पेड़ों, पहाड़ों को काटकर सड़क बना देती है, बड़े-बड़े होटल बनवा देती है, कहीं बीसियों गांवों को सदा के लिए पानी में डुबोकर बांध बनवा देती है।'

'लेकिन यह सब भी तो जरूरी ही होता होगा, 'जैसा कि कुछ लोग कहते हैं?' सेमल का अधेड़ पेड़ बोल पड़ा।

पीपल को गुस्सा आ गया, 'होता है बाबू, होता है। तभी तो वे पेड़, पहाड़, नदी, तालाब वगैरह की परवाह नहीं करते। जहां कुछ बनाना हो, बना लेते हैं। लेकिन जान लो, मैं जाते-जाते कह रहा हूं- यह विकास ही उनके विनाश की वजह होने जा रहा है।'

पेड़ों के बीच चुप्पी छा गई। उनके पत्तों ने हिलना-डुलना बंद कर दिया। वे इतने गमगीन हो गए मानो मनुष्य का विनाश होने पर मातम मनाने बैठे हों। *

पुस्तक चर्चा / दिनेश मालवीय 'अश्क'

भावप्रवण कविताओं का पठनीय संग्रह

कहते हैं, हर व्यक्ति में एक कवि छिपा होता है। काव्यात्मक अनुभूतियां होने के बावजूद हर किसी में उन्हें शब्दों में अभिव्यक्त करने की योग्यता नहीं होती। जिनमें यह क्षमता होती है, वे औपचारिक रूप से कवि बन जाते हैं। जनसंपर्क विभाग में अपर संचालक पद से सेवानिवृत्त सुरेश गुप्ता का प्रथम काव्य संग्रह 'असमय का अंधेरा' हाल में प्रकाशित हुआ है। इस संग्रह में उनकी 89 कविताएं शामिल हैं। मुक्त छंद में रचित सभी कविताएं छोटी, लेकिन गहरे भाव और जीवन अनुभव से परिपूर्ण हैं। किताब की पहली कविता 'असमय का अंधेरा' पढ़ते ही कवि की भाव प्रवणता और सशक्त अभिव्यक्ति का संकेत मिल जाता है। इसमें वे कहते हैं, 'अंधेरे से किसी को/भला क्या ऐतराज हो सकता है/रात लिखी ही है/अंधेरे के नाम/जैसे दोपहर, शाम दिन के नाम/पर बहुत कचोटता है/यह असमय का/दिन का अंधेरा।' एक अन्य कविता में वह गहरा जीवन दर्शन कुछ ऐसे बयां करते हैं, 'कुछ पा लिया/कुछ छूट गया/जो छूटा/उसमें/वह रास्ता भी रहा/जो तुम तक/जाता था।' कई कविताओं के गहन अर्थ को समझने के लिए दो-तीन बार भी पढ़ना पड़ सकता है। बहरहाल, इसमें संदेह नहीं कि इन कविताओं में कवि के जीवन संघर्ष, कड़वे-मीठे अनुभव बहुत सहजता से अभिव्यक्त हुए हैं। *

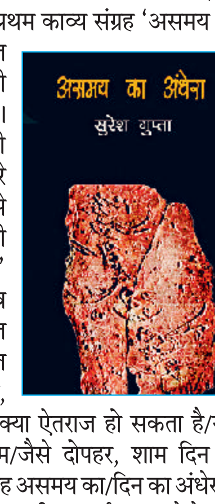

पुस्तक: असमय का अंधेरा, **लेखक:** सुरेश गुप्ता, **मूल्य:** 100 रुपए, **प्रकाशक:** प्रथमेश प्रिंटर्स, भोपाल

खबर संक्षेप

नेपाल से छोड़े गए पानी से उफनाई सरयू

बहराइच। नेपाल से छोड़े गए पानी के कारण सरयू नदी का जलस्तर 2 सेंटीमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से बढ़ रहा है। तहसील महसी के ग्राम जानकी नगर को खंडहर बनाने के बाद अब नदी की धारा नई बस्ती की ओर मुड़ गई और 14 घरों को बहा ले गई। जलस्तर में वृद्धि शुरू होते ही नदी ने अपना रौद्र रूप धारण कर लिया। कटान से 6 मकान नदी में समाहित हो गए।

संभल की डेमोग्राफी बदलने नहीं देंगे: ब्रजेश

लखनऊ। यहां शनिवार को डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने सपा को निशाने पर लिया। कहा कि संभल की डेमोग्राफी बदलने नहीं देंगे। संभल में पहले 84 फीसदी लाइन लॉस होता था, अब 18 प्रतिशत है। वहां वन डिस्ट्रिक्ट-वन प्रॉडक्ट से बदलाव हुआ है। उन्होंने कहा कि सपा सरकार में आतंकी को छोड़ दिया गया था। नेहरू जी की रिपोर्ट में है कि संभल में हमेशा हिंदू पीड़ित रहे हैं।

बिजली कनेक्शन काटा सड़क पर उतरे 2500 छात्र

बागपत। यहां जनता वैदिक इंटर कॉलेज का बिल जमा न होने पर बिजली विभाग ने कनेक्शन काट दिया। एक माह से कक्षाओं में पंखे न चलने पर करीब 2500 विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। विरोध में विद्यार्थियों ने कॉलेज के बाहर बिजरोल रोड पर जाम लगा दिया। विद्यार्थियों का कहना है कि बिजली विभाग तानाशाही चल रहा है। कॉलेज का कनेक्शन अलग है और इसका बिल भी जमा है।

जल संसाधन प्रधान सचिव व चीफ इंजीनियर पर हाई कोर्ट ने लगा दिया जुर्माना

झारखंड हाईकोर्ट ने जल संसाधन विभाग के शीर्ष अधिकारियों पर अदालत की अवमानना में 25-25 हजार रुपये जुर्माना लगाया है। आइए जानते हैं इसकी वजह क्या है।

एजेंसी ▶▶ रांची

झारखंड हाईकोर्ट ने जल संसाधन विभाग के शीर्ष अधिकारियों पर अदालत की अवमानना में 25-25 हजार रुपये जुर्माना लगाया है। कोर्ट ने विभाग के प्रधान सचिव प्रशांत कुमार, मुख्य अभियंता जमील अख्तर, अधीक्षण अभियंता संजीव कुमार और कार्यपालक अभियंता रंजीत कुजूर को जुर्माना रजिस्ट्रार जनरल के पास जमा करने का निर्देश दिया। यह राशि बाद में झालसा को स्थानांतरित होगी। जस्टिस एसके द्विवेदी की अदालत ने अवमानना याचिका पर सुनवाई करते हुए अगली सुनवाई की तिथि 12 सितंबर तय की। साथ ही कहा कि तय तिथि तक राशि जमा नहीं की गई तो सभी अधिकारियों को कोर्ट में सशरीर हाजिर होना होगा।

अदालत ने गुमराह करने की कोशिश माना

इस संबंध में लखन प्रसाद यादव ने अवमानना याचिका दायर की है। प्रार्थी को क्लास-थ्री कर्मचारी के रूप में काम करने की अवधि का वेतन देने का आदेश हाईकोर्ट ने दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने भी हाईकोर्ट के आदेश को बरकरार रख चार हफ्ते में आदेश का पालन करने का निर्देश दिया था। 22 अगस्त को प्रार्थी की ओर से कोर्ट को बताया गया कि विभाग ने सिर्फ 11,87,230 रुपए का ही भुगतान किया जबकि एक लाख का भुगतान गलत ढंग से दिखाकर शपथपत्र भी दाखिल कर दिया गया। अदालत ने इसे गुमराह करने की कोशिश माना।

अदालत में हाजिर सभी अधिकारियों ने कोर्ट से माफी मांगी

सुनवाई के दौरान शनिवार को अदालत में हाजिर सभी अधिकारियों ने कोर्ट से माफी मांगी। इस पर कोर्ट ने कहा कि माफी से बात खत्म नहीं हो सकती, क्योंकि यह जानबूझकर किया गया उल्लंघन है। इसके लिए अवमानना की शक्ति अदालत को संविधान से मिली है। इसका इस्तेमाल बेहद सतर्कता और दुर्लभ परिस्थितियों में ही होना चाहिए, लेकिन जब न्यायपालिका के आदेशों का जानबूझकर पालन न किया जाए, तब अदालत के पास कठोर कार्रवाई के अलावा कोई विकल्प नहीं बचता। अदालत ने अधिकारियों की लंबी सेवा और एक अफसर की सेवानिवृत्ति (31 अगस्त 2025) को देखते हुए नरमी बरती। कोर्ट ने अफसरों के कैजुअल ड्रेस में आने पर चेतावनी दी कि भविष्य में गरिमापूर्ण वेशभूषा में ही आएं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बोले-

डिफेंस विनिर्माण में आगे बढ़ रहा यूपी अब दूसरे देशों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा

नोएडा में शनिवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और सीएम योगी आदित्यनाथ एक कार्यक्रम में शामिल हुए हैं। जहां सीएम ने ऑपरेशन सिंदूर और वृंदावन में बन रहे कॉरिडोर का जिक्र किया।

एजेंसी ▶▶ नोएडा

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शनिवार को नोएडा स्थित राफे एमफिब्र कंपनी पहुंचे। जहां पर मौजूद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उनका स्वागत किया। वे यहां रक्षा उपकरण और ड्रोन निर्माण इकाई के उद्घाटन समारोह में शामिल हुए हैं। कंपनी की तरफ से बनाये गए ड्रोन उड़ाकर दिखाए जा रहे हैं। रक्षा मंत्री और मुख्यमंत्री अवलोकन कर रहे हैं।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हर युद्ध ने नए प्रारूप से परिचय करवाया है। ऑपरेशन सिंदूर ने भी बहुत कुछ सिखाया है। कहा कि उत्तर प्रदेश डिफेंस मैनुफ़ैक्चरिंग में आगे बढ़ रहा है। कॉरिडोर को चिन्हित जमीन दिलवाई जा रही है। इस इकाई से होने वाले परीक्षण से अब हमें दूसरे देशों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। कोई हमारा डेटा कैप्चर कर पंगु नहीं बना पाएगा।

खास बातें

- रक्षा विनिर्माण इकाइयों को स्थापित करने के लिए 12,500 एकड़ भूमि आवंटित
- सुरक्षा की दृष्टि से नोएडा पुलिस के ढाई हजार से अधिक कर्मचारी तैनात किए गए थे

सपा के 30 से अधिक कार्यकर्ताओं को किया नजरबंद

वहीं दूसरी तरफ नोएडा पुलिस ने कई विपक्षी नेताओं को नजरबंद कर लिया है। पुलिस के अनुसार, सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया है। समाजवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष आश्रय गुप्ता अपने कार्यकर्ताओं के साथ कार्यक्रम स्थल की ओर जा रहे थे। तभी नोएडा पुलिस ने उन्हें सेक्टर-51 के पास रोक लिया और करीब 30 से अधिक कार्यकर्ताओं को नजरबंद कर दिया गया। इसी तरह कार्यक्रम स्थल से करीब डेढ़ किलोमीटर दूर भारतीय किसान यूनियन क्रांति के प्रदेश अध्यक्ष परविंदर यादव को उनके घर में नजरबंद कर दिया गया। इसी तरह सेक्टर-142 में सपा नेता सुभाष भाटी को रात से ही पुलिस ने नजरबंद कर दिया था।

25 हजार से अधिक पुलिसकर्मी हैं तैनात

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और सीएम योगी आदित्यनाथ के आगमन को लेकर उनकी सुरक्षा व्यवस्था में नोएडा पुलिस के ढाई हजार से अधिक कर्मचारी तैनात हैं। इसके अलावा पीएसी समेत पुलिस व सेना की अन्य कंपनियों को भी शहर में तैनात किया गया है।

सीएम योगी ने पीएम मोदी और रक्षा मंत्री की खुलकर की तारीफ

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने कहा कि मैं पीएम और रक्षा मंत्री का आभारी हूं, जिन्होंने देश की वर्तमान चुनौती को ध्यान में रखते हुए देश के दो उभरते रक्षा विनिर्माण केंद्रों में से एक उत्तर प्रदेश को दिया है। उन्होंने कहा कि मैं रक्षा मंत्री को धन्यवाद देता हूं जिन्होंने उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में ब्रह्मोस मिसाइल केंद्र बनाया है। लखनऊ की मुस्कुराहट तब तक अधूरी थी। जब तक वहां से मिसाइल की आवाज दुश्मन के कानों तक नहीं पहुंचे। अब इसे और भी बेहतर तरीके से देखा जा सकता है। अभी ऑपरेशन सिंदूर में ब्रह्मोस ने अपनी क्षमता का प्रदर्शन भी किया है।

वोटर अधिकार यात्रा 'बड़ा फर्जीवाड़ा'

राहुल गांधी को ललन सिंह ने लालू-राबड़ी राज की याद दिलाई

एजेंसी ▶▶ पटना

बिहार में राहुल गांधी और तेजस्वी यादव की वोटर अधिकार यात्रा चल रही है। शनिवार को इसमें यूपी के पूर्व सीएम अखिलेश यादव और लालू प्रसाद की बेटी रोहिणी आचार्या ने भाग लिया। यात्रा के दौरान दरभंगा में पीएम मोदी की मां को गाली देने का वीडियो वायरल होने के बाद राहुल गांधी की यात्रा एनडीए के निशाने पर है। नीतीश कुमार के ट्वीट के बाद उनकी पार्टी के नेता और केंद्रीय पंचायती राज मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह ने इसे फर्जीवाड़े की यात्रा करार दिया। कहा कि राहुल गांधी जिनके साथ घूम रहे हैं उनके माता-पिता के राज के बारे में जान लें।

मोकामा में अनंत सिंह के साथ ललन का रोड शो

शनिवार को ललन सिंह पूर्व विधायक अनंत सिंह के साथ मोकामा पहुंचे। दोनों का जनसंपर्क और रोड शो का संयुक्त कार्यक्रम था। वोटर अधिकार यात्रा पर उन्होंने कहा कि सिर्फ उन लोगों की यात्रा सफल है, बाकी सब फर्जीवाड़े की यात्रा है। राहुल गांधी देश के प्रधानमंत्री का अपमान कर रहे हैं जिन्हें दुनिया सम्मानित करती है। पीएम की माता को उनके कार्यकर्ता गाली देते हैं। यह सब तेजस्वी यादव के साथ घूमने का असर है।

बिहार के लोग ऐसी भाषा को बर्दाश्त नहीं करेंगे

ललन सिंह ने कहा कि 1990 से 2005 तक बिहार में तेजस्वी यादव के माता पिता का राज था। तब बिहार में ऐसी ही भाषा का उपयोग किया जाता था जैसा अभी पीएम के बारे में बोला गया है। ये लोग फिर से राज्य को उसी दौर और संस्कृति में वापस ले जाना चाहते हैं। लेकिन बिहार के लोग सतर्क हैं, ऐसा नहीं होने देंगे। ऐसी भाषा को कोई बर्दाश्त नहीं करेगा।

पेज एक का शेष

'केवल कागज पर...

तियानजिन पहुंचे।

नीति आधारित प्रशासन पर जोर: प्रधानमंत्री ने कहा, मेरा जोर नीति आधारित प्रशासन पर रहता है। जिसमें उद्योगों को बढ़ावा देना, मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार करना और निवेश के लिए अनुकूल वातावरण बनाना मुख्य रूप से शामिल है। आज यही सोच भारत की राष्ट्रीय नीति का हिस्सा है। दोनों देशों के राज्यों-प्रांतों की अपनी पहचान और विशेषता है। इस विविधता को हमने लाभांश के रूप में बदलने का काम किया है। भारत चाहता है कि हमारे राज्य भी अंतरराष्ट्रीय सहयोग का केंद्र बनें। इसी सोच के साथ मैंने और पीएम इशिबा ने राज्य-प्रांत भागीदारी कदम लांच किया है। जिसके तहत हमारा लक्ष्य प्रतिवर्ष कम से कम तीन भारतीय राज्य और प्रीफेक्चर के प्रतिनिधिमंडल एक-दूसरे की यात्रा करें। ये कदम दोनों देशों के साझा विकास में सह-पायलट के रूप में योगदान दे सकते हैं।

कंपनियों में सीधे संवाद से बढ़ेगा निवेश: कानसाई में बिजनेस एक्सचेंज फोरम शुरू करने को लेकर प्रसन्नता जताते हुए पीएम मोदी ने कहा कि इससे यहां कंपनियों में सीधा संवाद बनेगा। जिससे नए निवेश को बढ़ावा मिलेगा, स्टार्टअप्स के बीच साझेदारी बढ़ेगी और कुशल पेशेवरों के लिए नए अवसर खुलेंगे। जब युवा दिमाग जुड़ते हैं, महान राष्ट्र एक साथ आगे बढ़ते हैं। पीएम ने जापान के विश्वविद्यालयों को विश्व प्रसिद्ध बताते हुए कहा कि ज्यादा से ज्यादा भारतीय छात्र यहां जाकर सीखें और अपना योगदान दें सकें। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखकर हमने एक कार्य योजना जारी की है। जिसके तहत अगले 5 वर्षों में अलग-अलग क्षेत्रों में 5 लाख लोगों के आदान-प्रदान को बढ़ावा दिया जाएगा। भारत से 50 हजार कुशल पेशेवर जापान भेजे जाएंगे। जिसमें प्रांतों की अहम भूमिका होगी। सभी का सहयोग अनिवार्य है। मेरी इच्छा है जैसे हमारे देश एक साथ आगे बढ़ रहे हैं। वैसे राज्य और प्रांत भी आगे बढ़ें, नए उद्योग स्थापित करें, कौशल विकसित करें और अपने लोगों के लिए नए अवसर खोले।

उपहार में कीमती बॉउल, चांदी की चॉपस्टिक: पीएम ने अपने जापानी समकक्ष शिगेरू इशिबा से मुलाकात में उन्हें और उनकी पत्नी को कीमती उपहार दिए। जिसमें पीएम इशिबा को आंध्र-प्रदेश मेंपए जाने वाले कीमती पत्थर (मूनस्टोन) से बने 5 बॉउल (1 बड़ा और चार छोटे) और चांदी की दो चॉपस्टिक शामिल हैं। इसके अलावा उनकी पत्नी को पश्मीना शॉल भेंट की। प्रधानमंत्री का कीमत बॉउल का यह गिफ्ट जापान के डोनबुरी और सोबा परंपरा की झलक प्रस्तुत करते हैं।

भारत की विकास....

प्रधानमंत्री ने इस नई पहल का लाभ उठाने और विनिर्माण, प्रौद्योगिकी, नवाचार, गतिशीलता, अगली पीढ़ी के बुनियादी ढांचे, स्टार्टअप और सूक्ष्म एवं लघु उद्योग के क्षेत्र में भागीदारी कायम करने का आग्रह भी किया। उन्होंने राज्यपालों को भारत की विकास गाथा में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया।

टैरिफ संकट के ....

और वैश्विक मामलों पर भी गंभीर रूप से विचार-विमर्श किया जा सकता है। इसके ठीक अगले दिन सोमवार (1 सितंबर) को भारत के प्रधानमंत्री रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ द्विपक्षीय मुलाकात करेंगे। बताते चलें कि एससीओ सम्मेलन की एक खास बात ये भी है कि इसमें पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारतीय सशस्त्र सेनाओं की ऑपरेशन सिंदूर की कार्रवाई के बाद यह पहला मौका होगा। जब भारत और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री समूह के मंच पर एक साथ नजर आएंगे। हालांकि दोनों के बीच अभी तक किसी तरह की कोई बैठक होने की संभावना नहीं है।

तिरंगा थामे उत्साहित....

होंगी। जो कि क्षेत्रीय, वैश्विक शांति, सुरक्षा और सतत विकास में सहयोग को बढ़ावा देगी। भारत और चीन को वैश्विक आर्थिक स्थिरता के लिए एक होना चाहिए।

भारत अब मोबाइल....

उनकी मूल्यवर्धन क्षमता बढ़ाई जा रही है। केंद्रीय मंत्री ने विशेष उल्लेख किया कि भारत की डिज़ाइन श्रेष्ठता इसकी प्रमुख योग्यता है और सरकार अनुसंधान एवं विकास क्षमताओं को लगातार बढ़ावा देती रहेगी। उन्होंने इसका उदाहरण दिया कि आईआईटी मद्रास संरक्षित स्टार्ट अप उद्यम ने भारत के प्रथम माइक्रोकंट्रोलर को डिज़ाइन किया है। स्वदेशी माइक्रोकंट्रोलर का प्रयोग शीघ्र ही भारतीय उत्पादों में शुरू किया जाएगा। रेलवे के क्षेत्र में भारतीय विनिर्माता उच्चतम वैश्विक गुणवत्ता मानकों के अनुरूप उत्पादित उपकरणों का यूरोपीय देशों को निर्यात कर रहे हैं।

चालू साल में जीडीपी में 7.8% की वृद्धि दर: वैष्णव ने कहा आगे बताया कि चालू माली साल 2025-26 की पहली तिमाही में भारत की जीडीपी यानी सकल घरेलू उत्पाद 7.8 प्रतिशत की दर से वृद्धि दर्शाती है की देश की अर्थव्यवस्था स्थिर, गतिशील और नवोन्मेष आधारित है। उन्होंने युवाओं से कड़े परिश्रम द्वारा आत्मनिर्भर भारत तथा विकसित भारत -2047 का सपना साकार करने में योगदान करने को कहा। उनके अनुसार पूरी दुनिया निगाहें भारत पर बड़ी उम्मीदों से लगी हुई हैं। टेंपर्ड ग्लास के लिए यह अनुमानित है कि इसकी घरेलू माँग ही 50 करोड़ पीस की है जिसका खुदरा मूल्य करीब 20,000 करोड़ रुपए है। इसका अनुमानित वैश्विक बाजार 60 अरब डॉलर है ।

ऑप्टीमस का टेम्पर्ड ग्लास विनिर्माण कारखाना: नोएडा में 70 करोड़ रुपए के आरंभिक निवेश से स्थापित कारखाने में स्टेट ऑफ़ थे आर्ट ढाँचा तैयार है। इसमें कच्चे माल को पूर्णतः टैंपर्ड एवं उच्च गुणवत्ता के ग्लास में ढाला जाएगा। पहले चरण में इसमें सालाना 2.5 करोड़ यूनिट टैंपर्ड ग्लास का विनिर्माण होगा। इसमें 600 लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार मिलेगा। दूसरे चरण में इसकी उत्पादन क्षमता को घरेलू एवं विदेशी बाज़ार के लिए सालाना 20 करोड़ टैंपर्ड ग्लास विनिर्माण के लिए बढ़ाया जाएगा। उसके लिए 200 करोड़ रुपए का अतिरिक्त निवेश होगा और 4500 प्रत्यक्ष रोजगार मिलेंगे।

हरियाणा में बनाई जाएगी...

एनओसी आवदेन करते ही ऑटोमैटिक मिल जाएगी। लेकिन रिन्यूअल होने के बाद विभाग के अधिकारी 15 दिन में रैन्डम चैक करेगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि हर स्तर पर अधिकारियों की जवाबदेही और समय सीमा तय की जाए। साथ ही फायर एनओसी को सीएम डैशबोर्ड के साथ जोड़ा जाए। मुख्यमंत्री ने फायर विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि पेंडिंग एनओसी रखने वाले अधिकारियों/कर्मचारियों के खिलाफ कार्यवाही की जाए। प्रदेश में अत्याधुनिक तकनीक से लैस अग्निशमन वाहन खरीदे जाऐंगे उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि नई तकनीक से लैस 101 मीटर वाली अग्निशमन की दो गाडिया जल्द ही खरीदी जाए। साथ ही हाइड्रोलिक प्लेटफॉर्म की 13 अग्निशमन वाहन, जो विभिन्न मीटर के होगें तथा 250 अग्निशमन वाहन भी खरीदे जाऐंगे, जो ब्लॉक लेवल तक होंगे। इसके अलावा, फायर गाडियों में लगे पानी के पाईप की क्षमता को एक हजार मीटर तक बढाया जाए ताकि भीड़भाड वाले क्षेत्रों में आपदा के दौरान यह काम आ सके।

फायर एवं डिजास्टर ....

जाऐंगे 59 नए फायर स्टेशन मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत सरकार के गृह मंत्रालय की गाइडलाइन के अनुसार प्रदेश में फायर स्टेशन खोलने के लिए मैपिंग करवाई गई थी, जिसके तहत प्रदेश में 59 नए फायर स्टेशन खोले जाऐंगे। इसके अलावा अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि 10 आधुनिक फायर फाइट रोबोट भी जल्द खरीदे जाए। इनका पायलट के तौर उपयोग किया जाएगा। बैठक में मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी, मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव राजेश खुल्लर, गृह विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ सुमिता मिश्रा, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव अरूण कुमार गुप्ता, अग्निशमन सेवाएँ, हरियाणा के महानिदेशक शेखर विद्यार्थी, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग के विशेष सचिव राहुल हुड्डा सहित विभाग के अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

छग में ग्लोबल...

पवेलियन में राज्य की नई औद्योगिक नीति की जानकारी दी गई, सिरपुर के माध्यम से बौद्ध धर्म से प्रदेश के ऐतिहासिक जुड़ाव को प्रस्तुत किया गया और ढोकरा कला, कोसा जैसे छत्तीसगढ़ के अनूठे हस्तशिल्प भी प्रदर्शित किये गए। मुख्यमंत्री ने कहा कि जापान और दक्षिण कोरिया की इस यात्रा ने छत्तीसगढ़ के लिए नए निवेश और औद्योगिक विकास के अवसर खोले हैं, और आने वाले समय में इन प्रयासों का लाभ राज्य की जनता को सीधे मिलेगा।

आरबीएसएम पब्लिक स्कूल भौंडसी में राष्ट्रीय खेल दिवस पर एबीवीपी गुरुग्राम द्वारा प्रदेश स्तरीय खो-खो प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गुरुग्राम

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद गुरुग्राम महानगर इकाई द्वारा राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष्य में प्रदेश स्तरीय खो-खो प्रतियोगिता का भव्य आयोजन आरबीएसएम पब्लिक स्कूल, भौंडसी में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं भारत माता की जय-जयकार के साथ हुआ। कार्यक्रम की प्रस्तावना रखते हुए महानगर अध्यक्ष डॉ योगिता राघव ने खेल दिवस व विद्यार्थी परिषद के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर मुख्य अतिथि हरियाणा सरकार के कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा उपस्थित रहे। हरियाणा खेल खो-खो संघ के अध्यक्ष श्री जवाहर यादव, प्रदेश संगठन मंत्री श्री संजय कसवां, आरबीएसएम स्कूल के निदेशक श्री भागीरथ राघव तथा प्रधानाचार्या डॉ० ज्योति शर्मा ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति से खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। साथ ही डॉ यशवीर राघव, अमित भारद्वाज, कँवरपाल छोकर, कर्नल राजेश छोकर, नरेश चौहान, नरेश सैनी, राम अवतार सिंह, विजय राघव, सूबेदार रमेश एवं अध्यक्ष राजेश राघव सहित कई गणमान्य अतिथि भी उपस्थित रहे। प्रतियोगिता में विभिन्न जिलों से आई टीमों ने शानदार खेल कौशल का प्रदर्शन किया। खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि "खेल हमारे जीवन में अनुशासन, टीम भावना और नेतृत्व क्षमता का संचार करते हैं। युवाओं को चाहिए कि वे पढ़ाई के साथ-साथ खेलों में भी बराबर भागीदारी निभाएँ, क्योंकि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का विकास संभव है। प्रदेश सरकार खिलाड़ियों के लिए बेहतर अवसर उपलब्ध कराने हेतु निरंतर प्रयास कर रही है।"

पद्मश्री डॉ सज्जन भजनका समेत नौ हस्तियों को आज मिलेगा बीपीएमएस नवरत्न अवार्ड

नई दिल्ली। भिवानी की प्रतिष्ठा को दुनिया भर में प्रसारित करने वाले देश के अग्रणी सामाजिक संगठन भिवानी परिवार मैत्री संघ (बीपीएमएस) की ओर से 31 अगस्त को फिर एक ऐसा विराट आयोजन होगा जिसमें विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल करने वाले दिग्गजों की चमक देश-दुनिया में चकाचौंध फैलाएगी। रविवार 31 अगस्त को रोहिणी स्थित क्राउन प्लाजा होटल में बीपीएमएस की ओर से 'नवरत्न अवार्ड 2025' का आयोजन होगा। भिवानी परिवार मैत्री संघ के अध्यक्ष एवं अंतर्राष्ट्रीय कवि राजेश चेतन ने बताया कि इस बार ये रोल माडल सितारे चमक बिखेरेंगे-पद्मश्री डा. सज्जन भजनका(बवानीखेड़ा-कोलकाता), चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर, सेंचुरी प्लाईवुड इंडिया लिमिटेड। श्रीमति मीना गुप्ता (सिवानी-दिल्ली), भारत पेट लिमिटेड। प्रमोद चौधरी (बहल-सूरत), मैनेजिंग डायरेक्टर, प्रतिभा ग्रुप। प्रमोद अग्रवाल (भिवानी-गुरुग्राम), मैनेजिंग डायरेक्टर, तिरपाल उद्योग ट्रेड यूएनओ। अनिल कुमार सांगवान (कालुवास-दिल्ली), फाउंडर एवं मैनेजिंग डायरेक्टर कालुवास कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड। राजेश कुमार अग्रवाल (खरक-दिल्ली), चेयरमैन कस्तूरी राम कालेज। सीए (डॉ) के एल गर्गढिगावा मंडी- दिल्ली, चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर केआईजी इंफ्राटेक प्रा. लि. चिराग गुप्ता (भिवानी-दिल्ली), चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर, परम ऊर्जा प्राइवेट लिमिटेड।राजेश खेतान (लोहारू-दिल्ली, डायरेक्टर राज क्लीनवेल एक्सिम प्राइवेट लिमिटेड।राजेश चेतन ने बताया कि नवरत्न अवार्ड समारोह सुबह नौ बजे से शाम पांच बजे तक चलेगा। नवरत्नों से विशेष बातचीत भी की जाएगी, सफलता के उनके मूल मंत्र साझा किए जाएंगे।

शटरिंग खोलते समय दम घुटने से 3 मजदूरों की मौत

कानपुर देहात। यहां से दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। सीवर टैंक की शटरिंग खोलने के दौरान तीन मजदूरों की दम घुटने से मौत हो गई। सूचना मिलने पर एसपी, एएसपी, सीओ, सीएमओ समेत अन्य आला अधिकारी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने तीनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। घटना अकबरपुर कस्बे के कन्हैया नगर मीना बगिया का है। शनिवार को सीवर टैंक की शटरिंग खोलने टैंक में उतरे 28 वर्षीय अमन गुप्ता, 25 वर्षीय मुबीन, 30 वर्षीय सर्वेश और इसरार दम घुटने से बेहोश हो गए।

एक करोड़ की खेप के साथ 4 गिरफ्तार

बिहार से यूपी में घातक इंजेक्शन सप्लाई, दूध-सब्जी-फलों में इस्तेमाल

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

गर्भवती महिला, पशुओं में दूध बढ़ाने और सब्जी-फलों को तेजी से बड़ा करने में इस्तेमाल होने वाला घातक ऑक्सीटोसिन इंजेक्शन की बड़ी खेप पकड़ी गई है। खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफएसडीए), एसटीएफ और पुलिस ने बिहार से लाकर लखनऊ में बेचे जा रहे खतरनाक इंजेक्शन के गिरोह का भंडाफोड़ किया है। चार तस्कर गिरफ्तार किए गए हैं। फिलहाल एसटीएफ बिहार से अवैध इंजेक्शन की सप्लाई करने वाले नेटवर्क की जानकारी जुटा रही है। तीन संदिग्ध ऑक्सीटोसिन इंजेक्शन व रॉ मैटेरियल के नमूने जांच के लिए एकत्र किए गए हैं।

एक करोड़ 8 लाख का ऑक्सीटोसिन जब्त

पारा स्थित ग्राम मुजफर खेड़ा के एक भवन में अवैध ऑक्सीटोसिन इंजेक्शन के अवैध कारोबार की सूचना मिली। एफएसडीए, एसटीएफ ने स्थानीय पुलिस के साथ शनिवार को छापेमारी की। यहां ऑक्सीटोसिन की पैकिंग की जा रही थी। एफएसडीए में सहायक आयुक्त ब्रजेश कुमार ने बताया कि करीब एक करोड़ आठ लाख रुपए की भारी मात्रा में प्रतिबन्धित ऑक्सीटोसिन इंजेक्शन बरामद की गई है। ऑक्सीटोसिन के निर्माण में इस्तेमाल होने वाली सामग्री, कच्चा माल और पैकिंग मैटेरियल भी बरामद किया गया है।

मिनरल वॉटर के नाम पर आती थी सप्लाई

बिहार से ऑक्सीटोसिन इंजेक्शन लग्जरी गाड़ियों से लाया जाता था। गिरफ्तार तस्करों ने पुलिस को बताया है कि ऑक्सीटोसिन इंजेक्शन वाले पार्सल पर मिनरल वॉटर लिखा जाता था। मिनरल वॉटर के नाम पर ही बिहार से घातक ऑक्सीटोसिन इंजेक्शन की यूपी में सप्लाई होती थी। इन इंजेक्शन का ज्यादा दूध और ज्यादा बड़ी सब्जी-फल के लिए इस्तेमाल किया जाता था। इस तरह लोगों की सेहत के साथ खिलवाड़ हो रहा था। उल्लेखनीय है कि ऑक्सीटोसिन इंजेक्शन पर सरकार ने 2001 से सख्त पाबंदी लगा रखी थी। नियमों के मुताबिक इसकी बिक्री सिर्फ ब्लिस्टर पैक में ही मान्य है। इसके बावजूद नियमों को ताक पर रखकर गिरोह इसे खुलेआम बोतलों में पैक कर अवैध रूप से बेच रहा था। पकड़े गए गिरोह के सदस्यों के खिलाफ थाने में केस दर्ज कर लिया गया है। पकड़े गए सैंपल जांच के लिए लैब में भेजे गए हैं।

भारत ने अमेरिकन टैरिफ की धौंस के समक्ष झुकने से स्पष्ट इनकार कर दिया है। यही कारण है कि अमेरिकी वित्तमंत्री के स्वर भारत के प्रति बदलने लगे हैं। शुरुआत में भारत ने टैरिफ पर नरम रुख अपनाया था। यही कारण रहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिका के खिलाफ एक भी सख्त शब्द का इस्तेमाल नहीं किया है। टैरिफ के मसले को सुलझाने और इसका समुचित निदान निकालने की खातिर भारत की तरफ से अमेरिका के साथ कूटनीतिक और व्यापारिक वार्ताओं के तमाम रास्ते बाकायदा खुले रखे गए। टैरिफ लगाने के लिए अमेरिका द्वारा कुतर्क पेश किया गया कि भारत बड़ी मात्रा में तेल खरीदकर यूक्रेन के विरुद्ध युद्ध में रूस की आर्थिक मदद कर रहा है। ट्रंप के इस बेबुनियाद आरोप के उत्तर में भारत ने कहा कि रूस से तेल की खरीदारी तो चीन और यूरोप ज्यादा कर रहे हैं। अमेरिका स्वयं ही रूस से यूरेनियम तथा कुछ अन्य खनिज पदार्थ खरीदता रहा है। फिर आखिर क्यों दोहरा मानदंड अपनाया जा रहा है, लेकिन अमेरिका अपने आरोप पर अड़ा रहा और भारत पर 50 फीसदी टैरिफ थोप दिया। अब जबकि भारत ने इससे निपटने की तैयारी कर ली है तो इसे विश्व बिरादरी में अमेरिका को झटके के रूप में देखा जा रहा है। भारत के इसी जवाब का विश्लेषण करता है आजकल का यह विशेष अंक...

टैरिफ का माकूल जवाब देगा भारत

विश्लेषण
प्रभात कुमार रॉय
विदेश मामलों के जानकार

प्रारम्भ में अमेरिकी प्रशासन ने भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाया था, किंतु बाद में रूस से तेल खरीदारी जारी रखने के कारण 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ और थोप दिया। भारत और अमेरिका के मध्य उत्पन्न समस्त व्यापारिक और कूटनीतिक कटुताओं के बीच दुनिया के दो महान लोकतांत्रिक राष्ट्रों भारत और अमेरिका के मध्य परस्पर व्यापारिक समझौते की उम्मीद अभी तक बरकरार है। भारत यकीनन अमेरिका से अपने ताल्लुकात कदाचित खराब करना नहीं चाहता है। अमेरिका के साथ भारत के तनाव के दौर में शंघाई सहयोग संगठन में भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की शिरकत का कूटनीतिक महत्व कुछ अधिक बढ़ गया है।

आखिरकार राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में अमेरिकी प्रशासन द्वारा भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ आयद कर ही दिया गया। उल्लेखनीय है कि प्रारम्भ में अमेरिकी प्रशासन ने भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ आयद किया था, किंतु बाद में रूस से तेल खरीदारी जारी रखने के कारण 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ और थोप दिया गया। भारत और अमेरिका के मध्य उत्पन्न समस्त व्यापारिक और कूटनीतिक कटुताओं के बीच दुनिया के दो महान लोकतांत्रिक राष्ट्रों भारत और अमेरिका के मध्य परस्पर व्यापारिक समझौते की उम्मीद अभी तक बरकरार है। जिस दिन 27 अगस्त को प्रातः साढ़े नौ बजे भारत पर अमेरिकन टैरिफ बाकायदा अंजाम दे दिया गया, उसी दिन अमेरिका के वित्तमंत्री स्कॉट बेसेंट का एक बयान सामने आया, जिसमें उन्होने फरमाया कि अमेरिका और भारत के परस्पर ताल्लुकात भले ही आजकल अत्यंत जटिल और तनावपूर्ण हालात में पहुंच गए हैं, किंतु निकट भविष्य में दोनों देशों के मध्य व्यापार समझौते की गुंजाइश निरंतर कायम बनी हुई है। स्कॉट बेसेंट भारत के विरुद्ध पचास प्रतिशत यहां तक कि सौ प्रतिशत टैरिफ आयद करने के प्रबल हिमायती रहे हैं। अमेरिका के वित्तमंत्री द्वारा रूस-यूक्रेन युद्ध को विस्मयकारी तौर पर प्रधानमंत्री मोदी का युद्ध करार दे दिया गया है।

समस्त विश्व बखूबी जानता है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूस की धरती पर खड़े होकर और राष्ट्रपति पुतिन के समक्ष तकरीर की थी और उस तक़रीर में मोदी ने फरमाया था कि आज का दौर युद्ध का दौर कदाचित नहीं है, वरन् यह दौर तो शांति, स्थिरता और तरक्की का दौर है।

अमेरिकी वित्तमंत्री के परिवर्तित स्वर

अब क्योंकि भारत सरकार ने अमेरिकन टैरिफ की नाजायज धौंस और दबाव के समक्ष झुकने से एकदम स्पष्ट इनकार कर दिया है और टैरिफ के जटिल प्रश्न पर अमेरिका के विरुद्ध सख्त रुख अख्तियार कर लिया है तो फिर अमेरिका के वित्तमंत्री स्कॉट बेसेंट के स्वर भारत के प्रति परिवर्तित होने लगे हैं। प्रारम्भ में भारत ने टैरिफ प्रकरण पर अपेक्षाकृत नरम अंदाज अपनाया था। ट्रंप द्वारा अंजाम दिए जा रहे भारत विरोधी टैरिफ आक्रमण के बावजूद भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिका के बरखिलाफ एक भी सख्त अल्फाज का इस्तेमाल नहीं किया है। भारत के भरोसेमंद कूटनीतिक सूत्रों के मुताबिक टैरिफ के मसले को सुलझाने और इसका समुचित निदान निकालने की खातिर भारत की तरफ से अमेरिका के साथ कूटनीतिक और व्यापारिक वार्ताओं के तमाम रास्ते बाकायदा खुले रखे गए हैं। भारत पर टैरिफ आयद करने के लिए अमेरिका द्वारा प्रायः कुतर्क पेश किया गया कि भारत द्वारा रूस से बहुत बड़ी मात्रा में तेल खरीद कर, भारत वस्तुतः यूक्रेन के विरुद्ध युद्ध संचालित करने में रूस की आर्थिक इमदाद कर रहा है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के इस बेबुनियाद इल्जाम के प्रतिउत्तर में भारत ने कहा कि भारत से कहीं अधिक रूस से तेल की खरीदारी तो चीन और यूरोप के देश कर रहें हैं और अमेरिका स्वयं ही रूस से यूरेनियम तथा कुछ अन्य खनिज पदार्थ खरीदता रहा है। फिर आखिर क्यों अन्यायपूर्ण तौर पर दोहरा मानदंड अख्यियार करके अमेरिका द्वारा भारत के विरुद्ध ही टैरिफ आक्रमण अंजाम दिया जा रहा है।

भारत ने की व्यापार वार्ता स्थगित

भारत और अमेरिका के मध्य विगत महीनों से जारी रही व्यापार वार्ता को आगे बढ़ाने की खातिर 25 अगस्त को अमेरिकन वार्ताकारों के एक दल का भारत आगमन निश्चित हुआ था। किंतु 6 अगस्त को राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ आयद करने के ऐलान के बाद भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता को भारत द्वारा अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया। फरवरी 2025 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अमेरिका दौरे में भारतीय प्रधानमंत्री और अमेरिका राष्ट्रपति ने संयुक्त बयान में कहा था कि दोनों देशों द्वारा व्यापार समझौते पर इस वर्ष के अंत तक हस्ताक्षर कर दिए जाएंगे। व्यापार वार्ता के दौरान अमेरिकन प्रशासन चाहता था कि अमेरिका के एग्रीकल्चर, डेयरी प्रोडक्ट्स के लिए और मिड साइज कारों के लिए भारत को अपना बाजार अमेरिका के लिए खोल देना चाहिए। व्यापार समझौता वार्ता में अमेरिका की इस पेशकश को स्वीकार करने के लिए भारत कदाचित तैयार नहीं हुआ। भारतीय प्रधानमंत्री ने साफ शब्दों में कहा कि भारत सरकार अपने किसानों के हितों की हिफाजत हर कीमत पर करने के लिए प्रतिबद्ध है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की भारत विरोधी टैरिफ वार का जबरदस्त विरोध अमेरिका की सरजमीन पर ही होने लगा है। अमेरिकी हुकूमत में सत्तासीन रिपब्लिकन पार्टी की वरिष्ठ लीडर निकी हैली ने निरंतर बिगड़ते हुए भारत अमेरिकी संबंधों पर अपनी गहन चिंता का इजहार किया है।

राष्ट्रपति ट्रंप की कड़ी आलोचना

निकी हैली ने कहा है कि अमेरिकी प्रशासन को यह बात समझ लेनी चाहिए कि चीन का मुकाबला करने के लिए भारत जैसे मित्र की अमेरिका को अत्यंत आवश्यकता है। उल्लेखनीय है निकी हेली राष्ट्रपति ट्रंप की कटु आलोचक रही हैं। सन् 2021 में कैपिटल हिल में अंजाम दी गई हिंसात्मक वारदातों को लेकर उन्होंने सार्वजनिक तौर पर डोनाल्ड ट्रंप की तीखी आलोचना की थी और कहा था कि हमें यह बात तस्लीम करनी चाहिए कि ट्रंप ने अमेरिका को सारी दुनिया में शर्मिंदा किया है। सन् 2024 में निकी हेली रिपब्लिकन पार्टी में राष्ट्रपति पद के लिए उम्मीदवारी की दावेदार थी, किंतु अपनी स्थिति को कमजोर भांपकर उन्होंने डोनाल्ड ट्रंप का समर्थन कर दिया था। पांच दफा सीनेटर रहे अमेरिका के पूर्व विदेश मंत्री जॉन केरी ने भी फरमाया है कि राष्ट्रपति ट्रंप की नकारात्मक नीतियों के कारण अमेरिका के निकट सहयोगी देश उससे दूर होते जा रहे हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पहले कार्यकाल में अमेरिका के पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार रहे जॉन बोल्टन द्वारा भारत पर टैरिफ लगाए जाने के लिए राष्ट्रपति ट्रंप की कड़ी आलोचना की गई। भारत के समर्थन और डोनाल्ड ट्रंप के विरोध करने का परिणाम जॉन बोल्टन को एफबीआई के हाथों भुगतना पड़ा है। अमेरिका में विदेश नीति के प्रमुख जानकार यह स्वीकार करते हैं कि अमेरिका और भारत के बीच बढ़ रही दूरियां वस्तुतः दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति की ओर इशारा कर रही हैं। प्रख्यात अमेरिकी अर्थशास्त्री रिचर्ड वुल्फ का कहना है कि अमेरिका भारत पर अत्याधिक टैरिफ आयद करके वस्तुतः अपने ही पैरों पर कुल्हाड़ी मार रहा है।

रिचर्ड वुल्फ आगे फरमाते हैं कि आखिरकार भारत दुनिया में अपने सामान के लिए बाजार खोज ही लेगा। राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा अंजाम दी जा रही भारत विरोधी टैरिफ वार यकीनन भारत और चीन को दोस्त तथा भारत और अमेरिका को शत्रु बना देगी। अमेरिका द्वारा भारतीय निर्यात पर आयद किए गए 50 प्रतिशत टैरिफ के कारणवश भारत को फिलहाल तकरीबन 50 अरब डॉलर की आर्थिक क्षति झेलनी पड़ सकती है। अमेरिकी टैरिफ का सबसे अधिक नुकसान भारत में निर्मित वस्त्रों, चमड़े के सामान, हैंडी क्राफ्ट, झींगा आदि अनेक उद्योगों को झेलना पड़ सकता है। एक अनुमान के मुताबिक निकट भविष्य में भारतीय जीडीपी में सालाना लगभग 2 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की जा सकती है। भारतीय वाणिज्य मंत्रालय के विश्वसनीय सूत्रों के मुताबिक अमेरिकी टैरिफ से अंजाम दी जाने वाली निर्यात क्षति को रोकने की खातिर भारत सरकार व्यापारिक और कूटनीतिक तौर पर विश्व के 40 से अधिक देशों के साथ निकट संपर्क स्थापित किए हुए हैं, ताकि अमेरिका को निर्यात घट जाने की स्थिति का समुचित तौर पर मुकाबला किया जा सके। इन देशों में खासतौर पर ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, सऊदी अरब, साउथ कोरिया, जापान, आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, आयरलैंड आदि अनेक देश शामिल हैं। भारत द्वारा चिन्हित किए गए चालीस से अधिक देशों में तकरीबन 590 अरब डॉलर के वस्त्रों को आयात किया जाता हैं। इन समस्त देश में अभी तक कुल मिलाकर भारत से केवल 6 फ़ीसदी वस्त्रों का निर्यात होता है।

विश्व पटल पर कूटनीतिक गतिविधियां तेज

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा जारी टैरिफ वार के विकट दौर में विश्व पटल पर कूटनीतिक गतिविधियां भी बहुत तेज हो गई हैं। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो दिवसीय जापान यात्रा पर गए हैं और इस यात्रा के बाद वह शंघाई सहयोग संगठन की बैठक में भाग लेने के लिए चीन जाएंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जापान दौरे में उल्लेखनीय घटना हुई, जबकि जापान के व्यापार और वाणिज्य मंत्री मोइली मियाजावा जिन्हें कि अमेरिका यात्रा पर रवाना होना था, उन्होंने अपनी अमेरिका यात्रा स्थगित की और नरेंद्र मोदी के साथ व्यापार वार्ता करने के लिए जापान में ही रुक गए। सर्वविदित है कि भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में जापान का असीम योगदान रहा। इंडियन नेशनल आर्मी को खड़ा करने और उसको सैन्य सहयोग करने के लिए भारत सदैव ही जापान का शुक्रिया अदा करेगा। आजकल क्वाड रणनीतिक मोर्चे में भी भारत के साथ जापान शामिल है। भारत के साथ जापान का व्यापार तकरीबन 22 बीलियन डॉलर का है। जापान में भारतीय निर्यात की अपार संभावनाएं विद्यमान हैं। शंघाई सहयोग संगठन की शिखर बैठक में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ एक मंच साझा करके प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मौन रहकर भी अमेरिका को सख्त पैगाम पेश करना चाहते हैं। समस्त यूरोप में अफवाह फैली हुई है कि चार दफा नरेंद्र मोदी द्वारा राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का टेलीफोन कॉल लेने से इनकार कर दिया गया। इस अफवाह को जर्मनी और फ्रांस के अखबारों ने छाप भी दिया है। इस संबंध में भारत सरकार द्वारा कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। भारत यकीनन अमेरिका से अपने ताल्लुकात कदाचित खराब करना नहीं चाहता है। अतः राष्ट्रपति ट्रंप की टेलीफोन कॉल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कदापि अस्वीकार नहीं करेंगे। विगत 25 वर्षों की गहन और गंभीर कूटनीतिक और राजनीतिक सूझबूझ से अमेरिका-भारत संबंधों को ताकतवर बनाया जा सका है। राष्ट्रपति ट्रंप और अमेरिकी प्रशासन परस्पर संबंधों में कोई भी विध्वंस अंजाम दें, भारत अपनी तरफ से दोनो देशों के परस्पर ताल्लुकात को शक्तिशाली बनाने के प्रयास करता रहेगा। पं. नेहरु के काल से भारत की परम्परागत विदेश नीति नॉन एलाइन्मेंट की रही, किंतु आजकल मल्टी एलाइन्मेंट की विदेश नीति पर भारत अपना रणनीतिक और कूटनीतिक भरोसा जता रहा है। शंघाई सहयोग संगठन की बैठक में राष्ट्रपति पुतिन के पधारने की भी पूरी उम्मीद है। वैसे तो शंघाई सहयोग संगठन का भारत एक प्रमुख सदस्य देश है, किंतु अमेरिका के साथ भारत के तनाव के दौर में शंघाई सहयोग संगठन में भारतीय प्रधानमंत्री की शिरकत का कूटनीतिक महत्व कुछ अधिक बढ़ गया है।

ट्रंप को जवाब देती भारत की अर्थव्यवस्था

आर्थिकी
डॉ. जयंतीलाल भंडारी
प्रसिद्ध अर्थशास्त्री

यकीनन इन दिनों पूरी दुनिया आश्चर्य के साथ देख रही है कि जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ हथियार के डर से दुनिया के अधिकांश देश उसके सामने झुकते हुए अमेरिका की व्यापार शर्तों को मानते हुए दिखाई दे रहे हैं, तब भारत अमेरिका के साथ कारोबार समझौते के तहत अपने करोड़ों किसानों और मछुआरों के हितों के मद्देनजर अमेरिका के सामने बिना झुके अपनी शर्तों के साथ अडिग खड़े हुए हैं और तेजी से बढ़ती भारत की अर्थव्यवस्था ट्रंप को जवाब दे रही है।

29 अगस्त को प्रकाशित वित्त वर्ष 2025-26 के तहत अप्रैल-जून 2025 की तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 7.8 फीसदी की वृद्धि दर्ज हुई है। एक साल पहले, अप्रैल-जून 2024 की तिमाही में यह आंकड़ा 6.5 फीसदी था। इसी परिप्रेक्ष्य में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए भारत की विकास दर 6.4 फीसदी रहने का अनुमान लगाया है। गौरतलब है कि ट्रंप के द्वारा 27 अगस्त से भारत पर लगाए गए 50 फीसदी टैरिफ से भारत से होने वाले निर्यात और भारतीय अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले प्रभाव से निपटने के लिए रणनीतिक तैयारी का परिदृश्य दिखाई दे रहा है। 29 अगस्त को वाणिज्य और उद्योगमंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि सरकार टैरिफ चुनौती के मद्देनजर कई उपायों की तैयारी कर रही है।

निर्यातकों के सामने चुनौतियां

चूंकि ट्रंप की ओर से भारतीय उत्पादों पर लगाए गए टैरिफ से अमेरिका को भारत से होने वाले वस्तु निर्यात का करीब 55 फ़ीसदी यानी करीब 48 अरब का निर्यात प्रभावित हो सकता है। ऐसे में भारत के निर्यातकों के सामने कुछ चुनौतियां खड़ी होती हुई दिखाई दे रही हैं। इसमें भी कोई दो मत नहीं है कि अमेरिका द्वारा लगाए गए ऊंचे शुल्क और वैश्विक अनिश्चितताओं का असर इस वित्त वर्ष 2025-26 में घरेलू निजी निवेश पर पड़ सकता है। भारत और अमेरिका के बीच व्यापार करार नहीं होने की स्थिति में कुछ क्षेत्रों को कुछ प्रभाव के लिए तैयार रहना होगा, विशेष रूप से सूक्ष्म, लघु और मध्यम उपक्रम क्षेत्र को चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। यह कोई छोटी बात नहीं है कि हाल ही में अमेरिकी ग्लोबल रेटिंग एजेंसी एसएंडपी ने कहा कि अमेरिका के द्वारा भारत पर 50 फीसदी ऊंचे टैरिफ लगाने से भारत की आर्थिक तरक्की पर कोई खास असर नहीं होगा और भारत की अर्थव्यवस्था बढ़ने की प्रवृत्ति बनाए रखेगी। भारत की 'सॉवरेन रेटिंग' का नजरिया अभी भी सकारात्मक बना रहेगा। चूंकि भारत एक निर्यात-उन्मुख अर्थव्यवस्था नहीं है, ऐसे में भारत को टैरिफ संबंधी ज्यादा चिंता करने की जरूरत नहीं है।

भारत की घरेलू मांग मजबूत

इसी तरह मॉर्गन स्टैनली रिसर्च के एक विश्लेषण में कहा गया है कि भारत की घरेलू मांग मजबूत होने के कारण अमेरिका के द्वारा भारत से निर्यात पर ऊंचे टैरिफ लागू किए जाने से विकास दर पर आधा फीसदी से भी अधिक असर होगा। ऐसे में भारत के द्वारा ट्रंप टैरिफ के मुकाबले के लिए छह सूत्रीय रणनीति जरूरी दिखाई दे रही है। एक, नए

निर्यात बाजार में कदम रखे जाएं। दो, तेज बढ़ते घरेलू बाजार व अनुकूल आर्थिक परिदृश्य से विकास दर बढ़ाई जाए। तीन, मुक्त व्यापार समझौतों (एफटी) की डगर पर तेजी से आगे बढ़ा जाए। चार, स्वदेशी अपनाएं। पांच, सेवा निर्यात बढ़ाएं और छह, अमेरिका के साथ व्यापार संवाद लगातार कायम रखा जाए। यह बात महत्वपूर्ण है कि भारत ने निर्यातकों को सहारा देने की नई रणनीति सुनिश्चित की है। निर्यात को बढ़ावा देने के लिए 40 देशों में विशेष संपर्क कार्यक्रम चलाने की योजना बनाई है। इस पहल के तहत ब्रिटेन, जापान, दक्षिण कोरिया, जर्मनी, फ्रांस, इटली, स्पेन, नीदरलैंड, पोलैंड, कनाडा, मेक्सिको, रूस, बेल्जियम, तुर्किये, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और आस्ट्रेलिया जैसे प्रमुख देशों को शामिल किया गया है। सरकार अमेरिका से इतर अन्य देशों से मित्रता मजबूत कर रही है। 29-30 अगस्त को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जापान के साथ मैत्री का अध्याय मजबूत किया और टोक्यो में ऐलान किया कि जापानी तकनीक और भारतीय टैलेंट दुनिया को बदल देंगे। भारत के द्वारा चीन और रूस के साथ भी विदेश व्यापार के नए अध्याय आगे बढ़ाए जा रहे हैं। ट्रंप टैरिफ से मुकाबले के लिए ऐसे उपायों के साथ-साथ भारत ने सरल कर व्यवस्था और लोगों की क्रयशक्ति बढ़ाकर घरेलू खपत बढ़ाने की योजना बनाई है। भारत घरेलू खपत बढ़ाकर कुछ हद तक अमेरिकी व्यापार में हुए नुकसान की भरपाई कर सकता है। वैश्विक व्यापार में हो रहे उतार-चढ़ाव के बीच भारत को बचाने में भारत की घरेलू खपत अहम भूमिका निभा रही है। पिछले वर्ष 2024 में भारत का खुदरा बाजार 1060 अरब डॉलर का था, यह सालाना 10 फीसदी की दर से बढ़ते हुए 2030 तक 1930 अरब डॉलर की ऊंचाई पर पहुंच सकता है। निःसंदेह भारत एफटीए की डगर पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। भारत के द्वारा ईएफटीए, यूएई, ऑस्ट्रेलिया और यूके के साथ किए गए एफटीए अत्यधिक महत्वपूर्ण हैं। भारत को यूएई और ऑस्ट्रेलिया के साथ एफटीए से मजबत लाभ हुआ है। यूएई के साथ, पिछले चार-पांच वर्षों में सेवाओं का निर्यात लगभग दोगुना हो गया है। हाल ही में उद्योग एवं वाणिज्य राज्यमंत्री ने राज्यसभा में बताया कि भारत और ओमान के बीच एफटीए को लेकर बातचीत पूरी हो चुकी है और जल्द ही दोनों के बीच शीघ्र ही एफटीए पर हस्ताक्षर होने की उम्मीद है और इस वर्ष 2025 के अंत तक यूरोपीय यूनियन के साथ एफटीए लागू होने की पूरी संभावना है। इससे भारत के लिए दुनिया का एक बड़ा और महत्वपूर्ण बाजार खुल जाएगा। विगत 10 जुलाई को भारत में स्विटजरलैंड की राजदूत माया तिस्साफी ने कहा कि भारत और 4 सदस्य देशों आइसलैंड, स्विटजरलैंड, नॉर्वे और लिकटेंस्टीन वाले यूरोपिटन फ्री ट्रेड एसोसिएशन (ईएफटीए) के बीच व्यापार समझौता अक्टूबर 2025 से लागू हो जाएगा। उल्लेखनीय है कि 24 जुलाई को भारत और ब्रिटेन (यूके) के बीच मुक्त व्यापार समझौते पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ब्रिटेन के पीएम किएर स्टार्मर की मौजूदगी में हस्ताक्षर किए गए हैं। भारत के द्वारा कतर, न्यूजीलैंड, पेरू, चिली, कनाडा, दक्षिण अफ्रीका, इजराइल, भारत गल्फ कंट्रीज काउंसिल सहित अन्य देशों के साथ भी एफटीए को शीघ्रतापूर्वक अंतिम रूप देने की डगर पर आगे कदम बढ़ाए जा रहे हैं।

स्वदेशी कारोबार को प्रोत्साहन

अब नई रणनीति के तहत घरेलू खपत बढ़ाने हेतु स्वदेशी अपनाने और स्वदेशी उद्योग-कारोबार को हरसंभव तरीके से प्रोत्साहित किया जाना जरूरी होगा । साथ ही पूरी दुनिया में भारत के सेवा निर्यात को तेज रफ्तार से बढ़ाना होगा। पिछले वित्त वर्ष 2024-25 में भारत से 385 अरब डॉलर का सेवा निर्यात किया गया, अब इस वर्ष भारत को 450 अरब डॉलर का लक्ष्य पाने की दिशा में रणनीतिक रूप से आगे बढ़ना होगा।

चीन के प्रति अतिविश्वास चूक तो नहीं

कूटनीति
डॉ. एनके सोमानी
वरिष्ठ स्तंभकार

भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का चीन दौरा फाइनल हो गया है। कहने को तो वे शंघाई सहयोग संघ (एससीओ) की शिखर बैठक में भाग लेने के लिए तिआनजिन गए हैं लेकिन मीडिया में जिस तरह से मोदी की बीजिंग यात्रा को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ टेरर से जोड़ कर प्रचारित किया जा रहा है उसे देखते हुए कहा जा सकता है कि कुटनीतिक तौर पर प्रधानमंत्री के इस दौरे का उद्देश्य बहुत गहरा है। समिट से इतर प्रधानमंत्री की राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ द्विपक्षीय वार्ता भी हो सकती है। रूस भी एससीओ का सदस्य है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन भी समिट में भाग लेने के लिए चीन आएंगे। संभावना इस बात की भी है कि जिनपिंग के बाद प्रधानमंत्री मोदी की पुतिन के साथ भी द्विपक्षीय वार्ता हो।

निकट भविष्य में पुतिन के भारत दौरे को देखते हुए मोदी-पुतिन वार्ता से इनकार नहीं किया जा सकता है। हालांकि मोदी-जिनपिंग-पुतिन वार्ता की अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है लेकिन टैरिफ टेरर के कारण भारत, चीन और रूस की अर्थव्यवस्थाओं में जो विचलन की स्थिति है उसे देखते हुए जिस गर्मजोशी से तीनों नेता हाथ मिलाते दिख रहे हैं, उसमें बहुत संभव है कि एससीओ कूटनीतिक लाभ लेने का बड़ा मंच बनता हुआ दिखाई दे।

सीमा विवाद बड़ी फांस

प्रधानमंत्री के बींजिंग दौरे से पहले चीन ने भारत के साथ संबंधों को सुधारने की भरसक कोशिश की है। चीन के विदेशमंत्री वांग यी की भारत यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच कई अहम मुद्दों का समाधान किया गया। कोविड-19 महामारी के बाद से निलंबित सीधी उड़ानों को फिर से शुरू करने व वीजा प्रक्रिया को सुगम बनाने के अलावा लिपुलेख दर्रा, शिपकी ला दर्रा और नाथू ला दर्रा के माध्यम से सीमा को व्यापार के लिए खोलने पर सहमति वांग की भारत यात्रा के दौरान हुई। भारत के विदेशमंत्री एस. जयशंकर के साथ द्विपक्षीय बैठक में हिमालयी सीमा पर तैनात सैनिकों को पीछे हटाने और सीमांकन जैसे जटिल मुद्दों पर भी वार्ता हुई। बैठक में सीमा संबंधी मामलों के समाधान के लिए एक कार्य समूह बनाने का फैसला हुआ। समूह दोनों देशों के बीच सीमा मामलों में सलाह और परामर्श देने का काम करेगा। द्विपक्षीय वार्ता के दौरान तिब्बत में यारलुंग जंगबो (ब्रह्मपुत्र) नदी पर चीन द्वारा बनाए जा रहे विशाल बांधों का मुद्दा भी उठा। इस पर चीनी विदेशमंत्री ने जल-विज्ञान संबंधी जानकारी भारत के साथ साझा करने पर सहमति जताई। लब्बोलुआब यह कि साल 2020 में गलवान घाटी में हुए हिंसक सैन्य टकराव से जहां दोनों देशों के संबंध 1962 के बाद सबसे निचले स्तर पर चले गए थे, वांग के भारत दौरे से उसे पुनर्जीवित करने की कोशिश की गई। चीन की कोशिशें एक तरफा नहीं थी। भारत ने भी अपनी ओर से हरसंभव सहयोग किया।

पिघल रही रिश्तों में जमी बर्फ

भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल, रक्षामंत्री राजनाथ सिंह और विदेशमंत्री

एस जयशंकर की चीन की यात्राओं के बाद संबंधों पर जमी बर्फ पिघलती दिखी। परस्पर यात्राओं और द्विपक्षीय संवाद के जरिए जिस तरह से दोनों देशों ने सीमा विवाद को बाकी के मामलों से अलग रख कर आगे बढ़ने का वादा किया है जाहिर है संबंधों के लिहाज से यह काफी अहम है। लेकिन भारत-चीन संबंधों के इतिहास को देखते हुए कूटनीतिक हल्कों में आशंका इस बात की भी है कि वॉशिंग्टन को साधने की चाह में कहीं भारत 'हिन्दी-चीनी भाई-भाई' वाली गलती तो नहीं दोहरा रहा है। चीन के साथ संबंधों को नई ऊंचाई देने के उत्साह में भारत फिर चोट न खा जाए। एलएसी पर सैन्य गतिरोध ने राजनीतिक और सैन्य स्तर पर जो जख्म दिए हैं, उसमें यह आशंका निर्मूल भी नहीं है। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यह है कि तमाम अंतर्विरोधों के वेग में विश्वास बहाली की जो प्रक्रिया एशिया की बड़ी अर्थव्यवस्था वाले देशों में शुरू हुई है, क्या वह इतनी ही आसान है जितनी दोनों देश समझ रहे हैं। दरअसल, भारत और चीन के बीच दीर्घकालिक विवाद के कुछ ऐसे बिन्दु हैं जो संबंधों की बेहतरी में हमेशा अवरोधक बनकर उभरे हैं। सीमा-विवाद, दलाई लामा और व्यापार असंतुलन दोनों देशों के संबंधों में तल्खी का बड़ा कारण रहा है। चीन भारत का दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है। साल 2024-25 में दोनों देशों के बीच कुल 127.7 अरब डॉलर का व्यापार हुआ। भारत ने चीन से 113.5 अरब डॉलर का आयात किया जबकि निर्यात केवल 14.3 अरब डॉलर का हुआ। चूंकि द्विपक्षीय व्यापार चीन के पक्ष में है। भारत इस व्यापार घाटे (99.2 अरब डॉलर) को कम करना चाहता है। दूसरा, ग्लोबल साउथ में भारत चीन का सबसे बड़ा प्रतिस्पर्धी है। चीन शुरू से ही अपने आपको ग्लोबल साउथ का लीडर मानता है। उसकी इस स्वयं घोषित लीडरशिप में उसकी महत्वाकांक्षी परियोजना बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव का बड़ा रोल रहा है। यही वजह है कि बहुत सारे देशों को लगता है कि विकासशील देशों के नेतृत्व की क्षमता चीन के पास है। भारत इस धारणा को बदलना चाहता है। दूसरी ओर ब्लॉक के भीतर कुछ देश ऐसे भी हैं जो चीन के विस्तारवाद और स्वार्थपरक एजेंडे को लेकर आशंकित है। वे चीन की तुलना में भारत को अधिक विश्वस्त मानते हैं। सीमा विवाद भारत-चीन संबंधों में तनाव का बड़ा कारण रहा है। गलवान में सैन्य तनाव के बाद भारत ने दो टूक कहा था कि जब तक सीमा विवाद के मुल कारणों का समाधान नहीं होगा, तब तक द्विपक्षीय संबंध सामान्य नहीं हो सकते है। ऐसे में यह तो पूछा ही जाना चाहिए कि सीमा विवाद का समाधान हुए बिना भारत क्यों चीन के साथ गलबहियां करने के लिए आतुर दिख रहा है। चीन-पाक जुगलबंदी और आतंकवाद पर चीन के स्टैंड (पाकिस्तानी आतंकवादी अब्दुल रहमान मक्की के मामले में वीटो करना) के बावजूद अगर भारत चीन के साथ कदम-ताल को आतुर है तो इसे विदेश नीति के मोर्चे पर भारत की बड़ी चूक ही कहा जाएगा।

चीन की भूमिका पर सवाल

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भी चीन की भूमिका पर सवाल उठे। ढेर सारे अंतर्विरोधों के बावजूद यदि दोनों देशों के संबंधों में आत्मीयता का भाव लम्बे समय बाद होने वाली राष्ट्राध्यक्षों की बैठक से उत्पन्न होने की उम्मीद की जा रही है तो इसे अतिविश्वास की पराकाष्ठा ही कहा जा सकता है। लेकिन जैसा कि अंतरराष्ट्रीय राजनीति में कहा जाता रहा है कि राष्ट्रीय हित समय, काल और परिस्थितियों के हिसाब से बदलते रहते हैं। भारत-चीन संबंधों में भी यह लागू हो सकता है, बशर्ते कि चीन अपनी विस्तारवाद की नीति से बाहर निकले। कम से कम भारतीय उपमहाद्वीप के संदर्भ में तो अवश्य ही। बहरहाल भारत-चीन संबंधों में पुनर्स्थापना की जो प्रक्रिया शुरू हुई है वह किस रूप में आगे बढ़ेगी, इसका दारोमदार पूरी तरह से चीन पर निर्भर है।

जम्मू-कश्मीर में बिगड़े हालात

रियासी में भूस्खलन से 7 की मौत, रामबन में बादल फटने से 4 लोगों की गई जान

एजेंसी ⏭ जम्मू

जम्मू-कश्मीर में लगातार बारिश जारी है जिसके चलते जिला रियासी के अंतर्गत बदड़ माहौर में भूस्खलन हुआ है। भूस्खलन से एक कच्चा मकान क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे की चपेट में आने से एक ही परिवार के 7 लोगों की मौत हो गई है। मृतकों में पति-पत्नी और उनके 5 बच्चे हैं। मृतकों की पहचान नजीर अहमद व उसकी पत्नी वजीरा बेगम के रूप में हुई है। जानकारी के मुताबिक, भारी वर्षा के कारण भूस्खलन हुआ है। वहीं, रामबन जिले के राजगढ़ में बादल फटने और भारी बारिश से फ्लैश फ्लड आ गया। इस आपदा में 4 लोगों की मौत हुई है और 4 लोग लापता हैं। कई मकान बह गए, जबकि राहत-बचाव कार्य जारी है। भारी बारिश से भूस्खलन हुए, नदियों का जलस्तर बढ़ गया और कई गांवों में बाढ़ जैसी स्थिति बन गई। संभावना जताई जा रही है कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह जम्मू क्षेत्र में हाल में हुई रिकॉर्ड बारिश के बाद की स्थिति की समीक्षा के लिए रविवार (31 अगस्त) को इलाके के दो दिवसीय दौरे पर आ सकते हैं।

जम्मू-कश्मीर में भारी बारिश से भूस्खलन हुए, नदियों का जलस्तर बढ़ गया और कई गांवों में बाढ़ जैसी स्थिति बन गई। संभावना जताई जा रही है कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह जम्मू क्षेत्र में हाल में हुई रिकॉर्ड बारिश के बाद की स्थिति की समीक्षा के लिए रविवार (31 अगस्त) को इलाके के दो दिवसीय दौरे पर आ सकते हैं

जम्मू के अलग-अलग इलाकों में एक हफ्ते में 54 की मौत

लापता लोगों को तलाशने लगातार सर्च ऑपरेशन जारी

रामबन में रेस्क्यू टीमें प्रभावित इलाकों में लगातार सर्च ऑपरेशन चला रही हैं

राहत और बचाव कार्य शुरू

प्रशासन के अनुसार दोनों घटनाओं में कई मकानों को नुकसान पहुंचा है, जिनमें से कुछ पूरी तरह बाढ़ के पानी में बह गए। प्रशासन ने तुरंत राहत और बचाव कार्य शुरू कर दिया है। रेस्क्यू टीमें प्रभावित इलाकों में लगातार सर्च ऑपरेशन चला रही हैं ताकि लापता लोगों को तलाशा जा सके। साथ ही प्रभावित परिवारों के लिए अस्थायी राहत केंद्र बनाए गए हैं। अधिकारियों ने कहा कि हालात पर नजर रखी जा रही है और जरूरत पड़ने पर अतिरिक्त टीमें भी भेजी जाएंगी।

किश्तवाड़ में सर्वाधिक 60 मौतें

अगस्त महीने में जम्मू-कश्मीर के कई इलाकों में भारी तबाही मची है। जम्मू के अलग-अलग इलाकों में बीते एक हफ्ते में बारिश संबंधी घटनाओं में 54 लोगों की मौत हुई है। कटरा में 34, रियासी में 7, रामबन में 3, डोडा में 4 और कठुआ में एक मौत हुई है। इससे पहले, 14 अगस्त को किश्तवाड़ जिले के चिशोटी गांव में एक बादल फटने की घटना में कम से कम 60 लोगों की मौत हो गई थी।

उधमपुर में 2,000 वाहन फंसे

राजौरी जिले में लगातार बारिश के कारण जम्मू-श्रीनगर हाईवे को बंद कर दिया गया है। उधमपुर में जखेनी और चेनानी के बीच 2,000 से ज्यादा वाहन फंसे हैं।

आज भारी बारिश का अलर्ट

मौसम विभाग ने पुंछ, रियासी, राजौरी, किश्तवाड़ और उधमपुर जिलों में आज भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। पुंछ, किश्तवाड़, जम्मू, रामबन और उधमपुर के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। राज्य में हो रही भारी बारिश की वजह से नदी-नालें उफान पर हैं।

लोगों को सुरक्षित निकालें: सीएम

सीएम उमर अब्दुल्ला ने अधिकारियों को जोखिम संभावित क्षेत्रों में चौबीसों घंटे निगरानी करने और वहां से लोगों की सुरक्षित निकासी का निर्देश दिया। उन्होंने लोगों से सतर्क रहने, संवेदनशील क्षेत्रों से बचने और सुरक्षा परामर्श का सख्ती से पालन करने की अपील की। रामबन की घटना पर सीएम ने प्रशासन को तत्काल बचाव और राहत अभियान चलाने का निर्देश दिया है। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने केंद्र सरकार से राहत पैकेज की घोषणा करने की अपील की। उन्होंने कहा कि भारत सरकार को 2014 की बाढ़ के बाद दिए गए राहत पैकेज के समान राहत पैकेज की तत्काल घोषणा करनी चाहिए।

खबर संक्षेप

गांदरबल में 3 दिवसीय गंगबल यात्रा शुरू

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के गांदरबल जिले में शनिवार को तीन दिवसीय वार्षिक गंगबल यात्रा धार्मिक हर्षोल्लास के साथ शुरू हुई। यात्रा को कश्मीर संभागीय आयुक्त अंशुल गर्ग ने मध्य कश्मीर जिले के नारानाग मंदिर से औपचारिक रूप से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यात्रा से पहले छड़ी पूजा की गई।

ऑटोरिक्शा पलटा, दो श्रद्धालुओं की मौत

गिरिडीह। झारखंड के गिरिडीह जिले में शनिवार को एक ऑटोरिक्शा के पलट जाने से दो श्रद्धालुओं की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि घटना तिसरी थाना क्षेत्र के हाथीगढ़ा घाटी में हुई। खोरीमहुआ के एसडीपीओ राजेंद्र प्रसाद ने बताया कि श्रद्धालु एक धार्मिक कार्यक्रम में भाग लेने के लिए जमामो माता मंदिर जा रहे थे।

पटाखा निर्माण इकाई में धमाका, एक की मौत

कन्नूर। केरल के कन्नूर जिले के कण्णपुरम में एक भीषण विस्फोट में एक मकान पूरी तरह ढह गया, जिससे एक व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि मकान में पटाखों के निर्माण के लिए कथित रूप से विस्फोटक सामग्री रखी हुई थी। मृतक की पहचान के. मोहम्मद आशम के रूप में हुई है और वह विस्फोट के समय घर के अंदर था।

इमारत ढहने के मामले में 4 और गिरफ्तार

पालघर। महाराष्ट्र के पालघर जिले में एक इमारत ढहने से 17 लोगों की मौत के मामले में 4 और लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इसके साथ ही इस मामले में अब तक पांच लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। घटना की जांच का जिम्मा मीरा-भयंदर वसई-विरार पुलिस की अपराध शाखा को सौंपा है।

बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर आयोग का बड़ा खुलासा

अब तक सिर्फ दो राजनीतिक दलों ने दर्ज कराई आपत्तियां

मतदाता सूची से नाम हटाने के लिए 1.98 लाख लोगों ने किया आवेदन

चुनाव आयोग ने बताया कि अब तक 1.98 लाख लोगों ने अपना नाम मतदाता सूची से हटाने के लिए आवेदन किया है। वहीं, 29,879 लोगों ने सूची में नाम जोड़ने की मांग की है। मतदाता सूची प्रारूप प्रकाशित होने के 30 दिन बाद दो राजनीतिक दल को छोड़कर किसी भी राजनीतिक दल की ओर से दावा या आपत्ति नहीं की गई है

एजेंसी ⏭ पटना

इंडिया गठबंधन बिहार के 65 लाख मतदाताओं के नाम काटने को लेकर लगातार चुनाव आयोग और मोदी सरकार पर हमलावर है। राहुल गांधी के नेतृत्व में बिहार में वोटर अधिकार यात्रा निकाली गई है। लेकन, चुनाव आयोग ने जो आकंड़े पेश किए हैं, वह चौंकाने वाले हैं। बिहार में आगामी विधानसभा चुनाव से पहले चुनाव आयोग ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के दौरान बड़ी संख्या में दावों और आपत्तियों की जानकारी दी है। आयोग के मुताबिक अब तक 1.98 लाख लोगों ने अपना नाम मतदाता सूची से हटाने के लिए आवेदन किया है। वहीं, 29,879 लोगों ने सूची में नाम जोड़ने की मांग की है। चुनाव आयोग ने शनिवार को मतदाता पुनरीक्षण कार्य का डेली बुलेटिन जारी किया। चुनाव आयोग ने बताया कि मतदाता सूची प्रारूप प्रकाशित होने के 30 दिन बाद दो राजनीतिक दल को छोड़कर किसी भी राजनीतिक दल की ओर से दावा या आपत्ति नहीं की गई है। कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया, मार्क्सिसस्ट-लेनिनिस्ट (लिबरेशन) की ओर से 10 आपत्ति दर्ज करवाई गई है। इनके बीएलए की संख्या 1496 है। वहीं राजद की ओर से 10 आपत्तियां दर्ज करवाई गई है। इनके बीएलए की संख्या 47,506 है।

लोगों ने दस्तावेज जमा किए

आयोग के अनुसार, फिलहाल 7.24 करोड़ मतदाताओं में से 99.11 फीसदी लोगों ने अपने दस्तावेज सत्यापन के लिए जमा कर दिए हैं। बिहार की अंतिम मतदाता सूची 30 सितंबर को प्रकाशित की जाएगी

भोजपुर में बोले राहुल

'वोटर अधिकार यात्रा' रूपी क्रांति पूरे देश में फैलेगी

भोजपुर। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा कि बिहार से 'वोटर अधिकार यात्रा' रूपी क्रांति शुरू हुई है, जो पूरे देश में फैलने जा रही है। उन्होंने भोजपुर में आयोजित एक सभा में कहा कि बिहार से ही यह क्रांति, वोटर अधिकार यात्रा शुरू हुई और यह पूरे देश में फैलने जा रही है। यह चोरी सिर्फ आपके वोट की नहीं, बल्कि आपके अधिकार की चोरी है और आपके भविष्य की चोरी है। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि नरेंद्र मोदी, भाजपा नहीं चाहते हैं कि गरीबों की आवाज इस देश में नहीं सुनी जाए और दबाई जाए। हमने साफ कह दिया कि पूरे देश में गरीब युवाओं की आवाज गूंजेगी और हम बिहार में एक वोट भी चोरी नहीं होने देंगे।

वोटर अधिकार यात्रा का आरा में विरोध

भाजयुमो कार्यकर्ताओं ने दिखाए काला झंडा

बिहार में वोट अधिकार यात्रा को लेकर सियासत जारी है। शनिवार दोपहर भाजयुमो के कार्यकर्ताओं ने आरा में इस यात्रा का विरोध किया। इतना ही नहीं भाजयुमो कार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी को काले झंडे दिखाए और उनका जमकर विरोध किया। हालांकि विरोध कर रहे युवाओं में से कई से राहुल गांधी ने खुद जाकर बातचीत की और उनसे जानने की कोशिश की कि उनका गुस्सा किस बात पर है? इसके जवाब में युवा मोर्चा के पदाधिकारियों ने अपना पक्ष साफ तौर

भाजपा ने चुनाव आयोग को 'जुगाड़ आयोग' बनाया

अखिलेश का आरोप

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने निर्वाचन आयोग को 'जुगाड़ आयोग' बना दिया है और जनता भाजपा का रथ फिर रोकेगी। उन्होंने कहा हमने उन्हें अवध में हराया था, आप लोग उन्हें मगध (बिहार) हराइए। यादव ने कहा कि बिहार का महत्वपूर्ण चुनाव है, जिस पर पूरे देश की निगाहें हैं। यह उत्साह बता रहा है कि जनता भाजपा और उसके सहयोगियों को हराने जा रही है। उन्होंने कहा कि मैं नारा दे रहा हूं: अबकी बार, भाजपा बिहार से बाहर। सपा नेता ने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) से बढ़कर कोई 'सिरफिरा फैसल' नहीं हो सकता। बिहार ने एक बार भाजपा का रथ रोका था और इस बार भी बिहार के लोग भाजपा का रथ रोकेंगे।

कल तृणमूल नेता 'वोटर अधिकार यात्रा' में होंगे शामिल

तृणमूल कांग्रेस के नेता यूसुफ पठान और ललितेश त्रिपाठी बिहार में 'वोटर अधिकार यात्रा' के अंतिम चरण में सोमवार को हिस्सा लेकर अपनी पार्टी का प्रतिनिधित्व करेंगे। पार्टी ने फैसला किया है कि दोनों नेता एक सितंबर को रैली में पार्टी का प्रतिनिधित्व करेंगे।

दरभंगा में गरजे रविशंकर प्रसाद

अपमानजनक टिप्पणियों पर राहुल गांधी माफी मांगे

एनडीए के विधानसभा कार्यकर्ता सम्मेलन में पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं पटना साहिब के सांसद रविशंकर प्रसाद ने विपक्षी दलों पर जोरदार हमला बोला। उन्होंने कहा कि विपक्ष को जब जनता का समर्थन नहीं मिलता तो वह बेबुनियाद आरोप लगाकर लोगों को गुमराह करने की कोशिश करता है। प्रसाद ने कहा कि दोनों युवराज बार-बार

दो युवराज मतदाता सूची पर सवाल खड़े कर बिहारवासियों का अपमान कर रहे

राहुल अहंकारी

रविशंकर प्रसाद ने दरभंगा में पीएम नरेंद्र मोदी को लेकर की गई कथित अपमानजनक टिप्पणियों की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि पीएम और उनकी माता के बारे में अशोभनीय शब्दों का प्रयोग करना अत्यंत शर्मनाक है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी जी को माफी मांगनी चाहिए, लेकिन उनका अहंकार इतना है कि वे माफी नहीं मांगेंगे। उन्होंने इसे कांग्रेस की संकीर्ण मानसिकता बताया।

महुआ मोइत्रा के बयान पर विवाद

बी विजयेंद्र बोले- ये नफरत फैलाने वाला भाषण

टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा की अमित शाह पर की गई टिप्पणी पर विवाद खड़ा हो गया है। कर्नाटक भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बी विजयेंद्र ने इस टिप्पणी को निम्नतम स्तर का घृणास्पद भाषण और नफरत फैलाने वाला बताया। उन्होंने कहा कि ऐसे बयानों के लिए लोकतंत्र में कोई जगह नहीं है। इंडिया ब्लॉक के सदस्यों द्वारा प्रयुक्त भाषा अब निचले स्तर पर पहुंच गई है। ऐसी विषैली भाषा के इस्तेमाल से उनकी घृणा और असहिष्णुता पर आधारित मानसिकता को उजागर होती है।

मोइत्रा के खिलाफ एफआईआर दर्ज

पश्चिम बंगाल में भाजपा पार्टी के कृष्णानगर उत्तर संगठनात्मक जिले के प्रवक्ता संदीप मजूमदार ने कोलकाता के कोतवाली पुलिस स्टेशन में मोइत्रा के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है। पार्टी की पूर्व राज्य इकाई के अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार ने कहा कि महुआ को देखने के बाद आपको पता चल जाएगा कि यह जरूरी नहीं है कि जो अंग्रेजी जानता है वह ठीक से शिक्षित हो।

विपक्षी राज्यों ने की मांग

जीएसटी राजस्व हानि पर मुआवजा दे केंद्र, 2 लाख करोड़ का सालाना घाटा

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

विपक्ष शासित राज्यों ने प्रस्तावित जीएसटी सुधार से होने वाले नुकसान के भरपाई के लिए पांच साल तक मुआवजे की मांग की है। इनका दावा है कि टैक्स का दो स्लैब करने से 1.5 लाख करोड़ से 2 लाख करोड़ तक के राजस्व का नुकसान हो सकता है। आठ राज्यों-हिमाचल प्रदेश, झारखंड, कर्नाटक, केरल, पंजाब, तमिलनाडु, तेलंगाना और पश्चिम बंगाल के वित्त मंत्री जीएसटी परिषद की बैठक में मांग रखेंगे। सरकार ने वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) में पांच और 18 फीसदी के अलावा कुछ सामानों पर 40 फीसदी टैक्स का प्रस्ताव दिया है। विपक्ष शासित राज्यों की मांग है, यह शुल्क राज्यों के बीच बांटा जाना चाहिए। कर्नाटक के वित्त मंत्री कृष्ण बायरे गौड़ा ने कहा, हर राज्य को मौजूदा जीएसटी राजस्व में 15 से 20% की कमी होने की उम्मीद है। जीएसटी राजस्व में 20% की कमी राज्य सरकारों के राजकोषीय ढांचे को गंभीर रूप से अस्थिर कर देगी।

मुख्य सचिव स्तर की बैठक में हुआ फैसला

महानदी विवादः छग और ओडिशा के इंजीनियर्स का बनेगा समन्वय ढांचा

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

भारत की एक प्रमुख नदी, महानदी, जो छत्तीसगढ़ से निकलकर ओडिशा होकर बंगाल की खाड़ी तक जाती है, लंबे समय से विवाद का कारण बनी हुई है। इस लंबे विवाद को बातचीत से हल करने के लिए शनिवार को नई दिल्ली में एक अहम बैठक हुई। इसमें छत्तीसगढ़ और ओडिशा के मुख्य सचिवों और जल संसाधन विभाग के सचिवों ने हिस्सा लिया। बैठक में दोनों राज्यों ने माना कि यह समस्या बहुत पुरानी और कठिन है, लेकिन लोगों और दोनों राज्यों के भले के लिए इसका समाधान मिल-बैठकर निकालना ही होगा। बैठक में यह भी तय हुआ कि सितंबर से दोनों राज्यों की तकनीकी समितियाँ, जिनमें इंजीनियर और विशेषज्ञ होंगे, हर हफ़्ते बैठक करेंगी। ये समितियाँ मुख्य मुद्दों को पहचानेंगी और उनका हल निकालने की कोशिश करेंगी। साथ ही, वे यह भी देखेंगी कि कैसे दोनों राज्यों के बीच बेहतर तालमेल बनाया जा सकता है।

अक्टूबर में करेंगे एक और बैठक

अक्टूबर में दोनों राज्यों के मुख्य सचिव एक और बैठक करेंगे। इसमें जल संसाधन सचिव भी शामिल होंगे। अगर सब कुछ ठीक रहा, तो दिसंबर तक दोनों राज्यों के मुख्यमंत्री भी मुलाक़ात कर सकते हैं और आगे की दिशा तय करेंगे। अंत में दोनों राज्यों ने यह वादा किया कि वे ईमानदारी और खुले मन से बातचीत करेंगे, ताकि महानदी जल विवाद का हल ऐसा निकले जो सबके लिए लाभकारी हो। विशेषज्ञों का मानना है कि अगर यह पहल सफल रही, तो यह न सिर्फ ओडिशा और छत्तीसगढ़ के लिए, बल्कि पूरे देश के लिए एक मिसाल होगी कि बड़े और पुराने विवाद भी आपसी बातचीत और सहयोग से सुलझाए जा सकते हैं।

वित्त मंत्री का स्टालिन पर निशाना, कहा

कुछ ताकतों ने 'मूपनार' को पीएम बनने से रोका, भाषा विवाद बढ़ा रहे

एजेंसी ⏭ चेन्नई

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु में कुछ ताकतों ने तमिल मनीला कांग्रेस के संस्थापक और दिवंगत नेता जी के मूपनार को देश का पीएम बनने से रोका। मूपनार की 24वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद केंद्रीय वित्त मंत्री ने कहा कि ये ताकतें जो अक्सर तमिल, तमिल संस्कृति और तमिल भाषा को बढ़ावा देने की बात करती हैं, ये वहीं ताकतें हैं जिन्होंने अवसर आने पर मूपनार को पीएम पद पर आसीन होने से रोका। सीतारमण ने कहा कि अपने कॉलेज के दिनों में जब उनकी राजनीति में रुचि उभर रही थी, तब वे मूपनार को तमिलनाडु के एक व्यापक रूप से सम्मानित व्यक्ति के रूप में देखती थीं। मूपनार अपनी सादगी और ईमानदारी के लिए जाने जाते हैं और वह एक राष्ट्रवादी नेता थे। वह देशभर में एक सम्मानित नेता थे।

सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन की कॉलेजियम से मांग

कुल 1100 स्वीकृत पदों में से 103 पर महिलाएं

कहा- शीर्ष अदालत में की जाए महिला न्यायाधीशों की पदोन्नति

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन ने शीर्ष अदालत और देशभर के हाईकोर्ट में महिला न्यायाधीशों के कम प्रतिनिधित्व पर चिंता जाहिर की। एसोसिएशन ने प्रस्ताव में कहा कि कॉलेजियम से अनुरोध किया जाता है कि वे सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालयों में न्यायिक नियुक्तियों के आगामी दौर में अधिक महिला न्यायाधीशों की पदोन्नति पर तत्काल और उचित विचार करें। देशभर में उच्च न्यायालयों में न्यायाधीशों के लगभग 1100 स्वीकृत पद हैं। जिनमें से लगभग 670 पर पुरुष और केवल 103 पर महिलाएं कार्यरत हैं।

महिला न्यायाधीश को पदोन्नति नहीं दी गई

एसोसिएशन ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन (एससीबीए) इस बात पर गहरी निराशा व्यक्त करता है कि सुप्रीम कोर्ट में हाल ही में हुई नियुक्तियों में बार या बेंच से किसी भी महिला न्यायाधीश को पदोन्नत नहीं किया गया। जबकि 2021 से सुप्रीम कोर्ट में किसी भी महिला न्यायाधीश की नियुक्ति नहीं हुई है। वर्तमान में सुप्रीम कोर्ट की बेंच में केवल एक महिला न्यायाधीश कार्यरत है।

ताकत का इस्तेमाल नहीं कर सकती पुलिस

उत्तर प्रदेश गोहत्या निवारण अधिनियम के तहत 8 साल पहले दर्ज किए गए एक केस की हिस्ट्रीशीट को इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बंद करने का निर्देश दिया है। हाईकोर्ट ने कहा कि पुलिस नागरिकों को दी गई मौलिक स्वतंत्रता को कम करने के लिए 'बेलगाम और अनियंत्रित शक्ति' का प्रयोग नहीं कर सकती।

एससी/एसटी के सशक्तिकरण के लिए केंद्र और राज्यों के बीच समन्वय महत्वपूर्णः बिरला

प्रत्येक राज्य विधानमण्डल में एससी/एसटी कल्याण समितियाँ गठित की जानी चाहिए: लोक सभा अध्यक्ष

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने इस बात पर ज़ोर दिया है कि केंद्र और राज्य सरकारों को मिलकर काम करना चाहिए ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कल्याणकारी योजनाओं के लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति, विशेषकर अनुसूचित जातियों (एससी) और अनुसूचित जनजातियों (एसटी) के लोगों तक पहुँचें।

उन्होंने कहा कि ऐसे समन्वित प्रयासों से ही विकास और प्रगति का वास्तविक लाभ प्राप्त किया जा सकता है। बिरला ने शनिवार को भुवनेश्वर में संसद और राज्य विधानमंडलों की अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति कल्याण समितियों के सभापतियों के दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन के समापन सत्र में ये टिप्पणियाँ कीं।

एससी-एससी समुदाय के मुद्दों पर दें ध्यान

ओम बिरला ने प्रत्येक राज्य विधानमण्डल में एससी और एसटी के कल्याण के प्रति समर्पित समितियों के गठन की आवश्यकता पर भी बल दिया, ताकि इन समुदायों से संबंधित मुद्दों पर पूरा ध्यान दिया जा सके। बिरला कहा कि संसद में पहले से ही ऐसी समितियाँ कार्य कर रही हैं जो कल्याणकारी उपायों की सक्रिय निगरानी कर रही हैं, लेकिन कुछ राज्यों में ऐसे संस्थागत तंत्र मौजूद नहीं हैं, जिससे जमीनी स्तर पर निगरानी नहीं हो पाती।

समस्याओं का करें समाधान

बिरला ने ज़ोर देकर कहा कि ऐसी समितियाँ न केवल नीतियों और योजनाओं के कार्यान्वयन की नियमित निगरानी को सुगम बनाएँगी, बल्कि यह भी सुनिश्चित करेंगी कि एससी/ एसटी समुदायों की समस्याओं का समयबद्ध तरीके से समाधान किया जाए। उन्होंने राज्य विधानमंडलों से इन समितियों के गठन में अग्रणी भूमिका निभाने का आह्वान किया, ताकि जवाबदेही ढाँचे को मज़बूत किया जा सके और कल्याणकारी पहलों का लाभ लोगों तक पहुंचाया जा सके।

चार्ट देखकर भी बताया जा सकता है बाजार का हाल

■ स्टॉक मार्केट में कैंडल का विज्ञान भी दे सकता है बड़ा ज्ञान ■ कैंडलस्टिक चार्ट तकनीकी विश्लेषण का अहम सबसे हिस्सा ■ खरीदार और विक्रेता की मनोवैज्ञानिक लड़ाई का होता है खुलासा ■ कीमतों पर कैसे असर डालती है, चार्ट से ही भविष्यवाणी संभव

बिजनेस डेस्क

स्टॉक मार्केट में कैंडलस्टिक चार्ट तकनीकी विश्लेषण का अहम हिस्सा होता है। यह बताता है कि खरीदार और विक्रेता की मनोवैज्ञानिक लड़ाई कीमतों पर कैसे असर डालती है। इससे बाजार की भविष्यवाणी की जा सकती है और निवेशकों को भी प्लानिंग बनाने में मदद मिलती है। स्टॉक मार्केट में कैंडलस्टिक चार्ट एक खास तरीका है, जिससे निवेशक और ट्रेडर यह समझने की कोशिश करते हैं कि शेयर की कीमत आगे किस दिशा में जाएगी। यह चार्ट हमें एक समय में शेयर के खुलने (ओपन), बंद होने (क्लोज), सबसे ऊपर (हाई) और सबसे नीचे (लो) जाने वाली कीमत दिखाता है। हर एक कैंडल बताता है कि उस समय कितनी तेजी या कमजोरी थी. लेकिन क्या सिर्फ ये कैंडल देखकर पता चल जाता है कि शेयर के साथ आगे क्या होगा? इस रिपोर्ट में हम आपको बताने जा रहे हैं कि कैंडलस्टिक चार्ट से क्या प्रभाव पड़ता है और इससे खरीदार और विक्रेता पर क्या असर होता है।

क्या है कैंडलस्टिक चार्ट

स्टॉक मार्केट में कैंडलस्टिक चार्ट उस समयावधि में किसी शेयर या एसेट के ओपनिंग, क्लोजिंग, हाई और लो प्राइस को दिखाता है। हर 'कैंडल' एक समय की कहानी कहती है। हरे या सफेद कैंडल का मतलब है कि कीमत बढ़ी, जबकि लाल या काले कैंडल का मतलब कीमत गिरी। कैंडल का मोटा हिस्सा बॉडी कहलाता है, जो ओपनिंग और क्लोजिंग प्राइस का फर्क बताता है, जबकि पतली लाइनें (विक्स/शैडो) दिन के हाई और लो प्राइस को दिखाती हैं।

कैंडल का इतिहास और विज्ञान

कैंडलस्टिक चार्ट की शुरुआत 18वीं सदी में जापान में हुई थी। वहां चावल व्यापारी इसे इस्तेमाल कर मार्केट का मूड समझते थे। दरअसल, कैंडल का विज्ञान मांग और आपूर्ति की मनोविज्ञान पर आधारित है। खरीदार (बुल्स) और विक्रेता (बेयर्स) की खींचतान चार्ट पर पैटर्न के रूप में दिखती है। यही पैटर्न बार-बार दोहराने पर एक तरह का संकेत बनाते हैं, जो आने वाले रुझान (ट्रेंड) का अंदाजा देने में मदद करता है।

आम कैंडलस्टिक पैटर्न्स

कैंडल पैटर्न कई तरह के होते हैं, लेकिन कुछ खास पैटर्न सबसे ज्यादा उपयोगी माने जाते हैं। इनमें हैमर - डाउनट्रेंड के बाद बनता है और बताता है कि अब मार्केट ऊपर जा सकता है। वहीं, हैंगिंग मैन अपट्रेंड के टॉप पर बनता है और बेचने का संकेत देता है। इसके अलावा शूटिंग स्टार ऊपर जाते हुए मार्केट में बनता है और गिरावट का अलर्ट देता है। बेयरिश एंगल्फिंग छोटी हरी कैंडल को बड़ी लाल कैंडल ढक लेती है, इसका मतलब है कि बिकवाली हावी है। वहीं, राइजिंग/फॉलिंग थ्री यह पैटर्न बताता है कि चल रहा ट्रेंड और कुछ समय जारी रहेगा।

कैंडल सच में भविष्य बता सकती है?

कई रिसर्च और ट्रेडिंग स्टडीज में पाया गया है कि कैंडलस्टिक पैटर्न्स की सटीकता 100% सही तो नहीं, लेकिन कुछ हद तक सही हो सकती है। यानी यह निश्चित भविष्यवाणी नहीं करते, लेकिन प्रॉबेबिलिटी (संभावना) दिखाते हैं। हालांकि, यह तब ज्यादा असरदार होते हैं जब मार्केट ट्रेंडिंग या वोलैटाइल हो।

मार्केट कॉन्टेक्स्ट की अहमियत

कैंडल अकेले ही भविष्यवाणी का पूरा आधार नहीं हो सकता। अगर मार्केट साइडवेज़ या बहुत शांत है, तो पैटर्न्स गलत सिग्नल भी दे सकते हैं। इसलिए प्रोफेशनल ट्रेडर्स कैंडल्स को वॉल्यूम, मूविंग एवरेज, सपोर्ट-रेसिस्टेंस लेवल और अन्य टेक्निकल इंडिकेटर्स के साथ मिलाकर देखते हैं। इससे गलतियों का खतरा कम होता है।

सीमाएं और सावधानियां

कैंडलस्टिक एनालिसिस के बावजूद कुछ सीमाएं हमेशा रहेंगी। जैसे- यह सिर्फ संभावनाएं बताता है, गारंटी नहीं देता। मैक्रो फैक्टर्स, कंपनी न्यूज और ग्लोबल घटनाएं कभी भी पैटर्न्स को तोड़ सकती हैं। यह ज्यादा शॉर्ट-टर्म फोकस्ड है, लॉन्ग-टर्म निवेशक के लिए उतना उपयोगी नहीं। मशीन लर्निंग मॉडल ओवरफिटिंग का शिकार हो सकते हैं, यानी गलत सिग्नल भी दे सकते हैं।

लार्ज एंड मिडकैप फंड्स भी बना सकते हैं आर्थिक रूप से चैंपियन

लार्ज एंड मिडकैप फंड्स भी बना सकते हैं आर्थिक रूप से चैंपियन

एसबीआई, निप्पोन, आईसीआईसीआई और एचडीएफसी की स्कीम्स में कड़ा मुकाबला

20 साल के रिटर्न में एसबीआई एमएफ नंबर वन निप्पॉन, एचडीएफसी व टाटा के फंड भी टॉप 5 में

बिजनेस डेस्क

लार्ज एंड मिड कैप फंड्स कैटेगरी में 25 साल से भी पुरानी स्कीम्स के बीच ऊंचा रिटर्न देने के मामले में कड़ा मुकाबला रहा है। कैटेगरी की सबसे पुरानी स्कीम्स की इस होड़ में एसबीआई, निप्पॉन इंडिया, टाटा, आईसीआईसीआई प्रू और एचडीएफसी म्यूचुअल फंड जैसे दिग्गज फंड हाउस की स्कीमें शामिल हैं, जो निवेशकों को ऊंचा रिटर्न देती रही हैं। 20 साल के रिटर्न में एसबीआई म्यूचुअल फंड की स्कीम सबसे आगे है, तो 30 साल के रिटर्न में निप्पॉन इंडिया की स्कीम ने कमाल दिखाया है। दरअसल, इस कैटेगरी की सबसे पुरानी टॉप 5 स्कीम्स को लॉन्च हुए 27 साल से लेकर 32 साल तक हो चुके हैं। इनमें सबसे पुरानी स्कीम टाटा लार्ज एंड मिड कैप फंड है, जिसे लॉन्च हुए 32 साल से भी ज्यादा हो चुके हैं। इस फंड ने इस दौरान 1 लाख रुपये के निवेश को 1.3 करोड़ रुपये में तब्दील करके दिखाया है। वहीं, निप्पॉन इंडिया विजन लार्ज एंड मिड कैप फंड ने करीब 30 साल में निवेशकों के 1 लाख रुपये को 1.45 करोड़ रुपये में बदलकर लॉन्च से अब तक सबसे ज्यादा रिटर्न दिया है। इनके अलावा एचडीएफसी म्यूचुअल फंड, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल म्यूचुअल फंड और टाटा म्यूचुअल फंड की स्कीम्स भी बेस्ट 5 में शामिल हैं।

5 सबसे पुराने लार्ज एंड मिड कैप फंड्स का ट्रैक रिकॉर्ड : सबसे पुराने लार्ज एंड मिड कैप फंड्स के लॉन्च से अब तक के ट्रैक रिकॉर्ड के साथ ही हमने टॉप 5 स्कीम के पिछले 20 साल के रिटर्न के आंकड़े भी दिए हैं और इन्हें इसी हिसाब से अरेंज भी किया है, ताकि इनकी आपस में तुलना करना आसान हो जाए। 20 साल के इन आंकड़ों में एसबीआई म्यूचुअल फंड का लार्ज एंड मिड कैप फंड सबसे आगे है, जिसने इतने समय में निवेशकों की दौलत को 20 गुना कर दिया है।

एसबीआई लार्ज एंड मिड कैप फंड - रेगुलर प्लान

- फंड उम्र : 32 साल से ज्यादा
- लॉन्च की तारीख : 28 फरवरी 1993, एक्सपेंस रेशियो (रेगुलर प्लान) : 1.58%
- लॉन्च से 31 जुलाई 2025 तक सालाना रिटर्न (सीएजीआर): 14.98%
- लॉन्च के वक्त 1 लाख रुपये के निवेश की मौजूदा फंड वैल्यू : 92,73,050 (92.73 लाख)
- पिछले 20 साल का एवरेज सालाना रिटर्न (सीएजीआर) : 16.35%
- 1 लाख रुपये के निवेश की 20 साल में फंड वैल्यू : 20,66,939.44 (20.67 लाख)
- एसेट अंडर मैनेजमेंट : 33,361.81 करोड़ रुपये (31 जुलाई 2025 को)

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लार्ज एंड मिड कैप फंड-रेगुलर प्लान

- फंड की उम्र : 27 साल से ज्यादा
- लॉन्च की तारीख : 9 जुलाई 1998, एक्सपेंस रेशियो (रेगुलर प्लान) : 1.65%
- लॉन्च से 31 जुलाई 2025 तक सालाना रिटर्न (सीएजीआर): 18.46%
- लॉन्च के वक्त 1 लाख रुपये के निवेश की मौजूदा फंड वैल्यू : 98,25,500 रुपये
- पिछले 20 साल का एवरेज सालाना रिटर्न (सीएजीआर) : 15.63%
- 1 लाख रुपये के निवेश की 20 साल में फंड वैल्यू : 18,25,620.54 (18.26 लाख) रुपये
- एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) : 23,137.39 करोड़ रुपये (31 जुलाई 2025 को)

टाटा लार्ज एंड मिड कैप फंड - रेगुलर प्लान

- फंड की उम्र : 32 साल से ज्यादा
- लॉन्च की तारीख : 25 फरवरी 1993, एक्सपेंस रेशियो (रेगुलर प्लान) : 1.74%
- लॉन्च से 31 जुलाई 2025 तक सालाना रिटर्न (सीएजीआर): 16.42%
- लॉन्च के वक्त 1 लाख रुपये के निवेश की मौजूदा फंड वैल्यू : 1,29,68,299.69 (1.3 करोड़)
- पिछले 20 साल का एवरेज सालाना रिटर्न (सीएजीआर) : 14.25%
- 1 लाख रुपये के निवेश की 20 साल में फंड वैल्यू : 14,35,899.93 (14.36 लाख) रुपये
- एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) : 8773 करोड़ रुपये (31 जुलाई 2025 को)

निप्पॉन इंडिया विजन लार्ज एंड मिड कैप फंड - रेगुलर प्लान

- फंड की उम्र : करीब 30 साल
- लॉन्च की तारीख : 8 अक्टूबर 1995, एक्सपेंस रेशियो (रेगुलर प्लान) : 1.92%
- लॉन्च से 31 जुलाई 2025 तक सालाना रिटर्न (सीएजीआर): 18.16%
- लॉन्च के वक्त 1 लाख रुपये के निवेश की मौजूदा फंड वैल्यू : 1,45,20,120 (1.45 करोड़)
- पिछले 20 साल का एवरेज सालाना रिटर्न (सीएजीआर) : 14.13%
- 1 लाख रुपये के निवेश की 20 साल में फंड वैल्यू : 14,06,035.69 (14.06 लाख)
- एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) : 6,173.85 करोड़ रुपये (31 जुलाई 2025 को)

लार्ज एंड मिड कैप फंड क्यों खास

लार्जकैप एंड मिडकैप म्यूचुअल फंड के पोर्टफोलियो में लार्ज कैप कंपनियों के साथ ही साथ मिडकैप कंपनियों के स्टॉक्स भी शामिल होते हैं। सेबी के नियमों के तहत इनमें कम से कम 35% स्टॉक्स लार्ज कैप कंपनियों के और इतने ही शेयर मिड कैप कंपनियों के होने चाहिए। लार्जकैप स्टॉक्स में बाजार के उतार चढ़ाव के दौरान ज्यादा स्टेबल रिटर्न देने की क्षमता होती है। इन्हें मिड कैप और स्मॉल कैप के मुकाबले कम रिस्की माना जाता है। वहीं, मिडकैप स्टॉक्स बाजार की रैली में हाई रिटर्न दे सकते हैं। लार्ज एंड मिडकैप फंड के पोर्टफोलियो में शामिल स्टॉक्स मार्केट कैप के लिहाज से बाजार की टॉप 250 कंपनियों में से चुने जाते हैं। इनमें टॉप 100 कंपनियां लार्जकैप में आती हैं, जबकि अगली 150 कंपनियां मिडकैप में आती हैं। अपनी खास निवेश रणनीति के कारण लार्जकैप एंड मिडकैप फंड, एक ही स्कीम में दोनों तरह के स्टॉक्स में निवेश का फायदा देने की क्षमता रखते हैं।

कौन कर सकता है इनमें निवेश

जो निवेशक इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में पैसे लगाकर हाई रिटर्न पाना चाहते हैं, उनके लिए लार्ज एंड मिड कैप कैटेगरी की ये पुरानी और आजमाई हुई स्कीम्स अच्छा ऑप्शन हो सकती हैं, लेकिन निवेश के बारे में फैसला करने से पहले इस बात को ध्यान में रखना चाहिए कि इक्विटी म्यूचुअल फंड के साथ मार्केट रिस्क जुड़ा रहता है और पिछले रिटर्न के भविष्य में जारी रहने की गारंटी नहीं होती। इसलिए अपनी रिस्क उठाने की क्षमता को समझने के बाद ही फैसला करना चाहिए।

पैसा कमाने के लिए खास हैं 444 दिन, एसबीआई समेत कई बैंक दे रहे एफडी पर जबरदस्त ब्याज

अगर आप एफडी में निवेश पर अच्छा रिटर्न तलाश कर रहे हैं तो बैंकों की 444 दिन की स्पेशल स्कीम बेहतर ऑप्शन हो सकती हैं। कई बैंक यह स्कीम दे रहे हैं।

अगर आप भी सुरक्षित निवेश करना चाहते हैं तो बैंक एफडी आपके लिए बेहतर ऑप्शन है। इसमें ब्याज भले की कम मिले, लेकिन आपकी पैसा सुरक्षित रहता है। रेपो रेट में कमी होने के बाद भी कई बैंक फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) पर जबरदस्त रिटर्न दे रहे हैं। वहीं बैंक कुछ खास समय के लिए भी एफडी स्कीम लेकर आए हैं। इनमें 444 दिन की स्पेशल एफडी भी शामिल है। एसबीआई, केनरा और इंडियन बैंक समेत कई बैंक 444 दिन की स्पेशल एफडी पर आम नागरिकों, सीनियर सिटीजन और सुपर सीनियर सिटीजन को अच्छा ब्याज दे रहे हैं।

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया

एसबीआई की 444 दिन की स्पेशल एफडी का नाम 'अमृत वृष्टि' है। यह बैंक आम लोगों को 6.60% ब्याज दे रहा है। सीनियर सिटीजन को 7.10% और सुपर सीनियर सिटीजन को 7.20% ब्याज मिलेगा। अगर आप एसबीआई की अमृत वृष्टि एफडी में 1 लाख रुपये लगाते हैं, तो आपको करीब 1,08,288 रुपये मिलेंगे। इसमें ब्याज के रूप में 8,288 रुपये मिलेंगे।

इंडियन बैंक

इंडियन बैंक अपनी 444 दिन की स्पेशल एफडी स्कीम (इंड सिक्योर प्रोडक्ट) पर आम नागरिकों को 6.70% ब्याज दे रहा है। सीनियर सिटीजन को 7.20% और सुपर सीनियर सिटीजन को 7.45% ब्याज मिलेगा। इंड सिक्योर प्रोडक्ट एफडी में 1 लाख रुपये लगाने पर आपको लगभग 1,08,418.26 रुपये मिलेंगे। इसमें ब्याज के रूप में 8,418.26 रुपये मिलेंगे।

बैंक ऑफ बड़ौदा

बैंक ऑफ बड़ौदा की बीओबी स्क्वायर ड्राइव डिपॉजिट स्कीम (444 दिन) में 6.60% ब्याज मिल रहा है। सीनियर सिटीजन को 7.10% और सुपर सीनियर सिटीजन को 7.20% ब्याज मिलेगा। आप बीओबी स्क्वायर ड्राइव डिपॉजिट स्कीम में 1 लाख लगाते हैं, तो लगभग 1,08,288.61 मिलेंगे। ब्याज के 8,288.61 मिलेंगे।

आईडीबीआई बैंक

आईडीबीआई बैंक 444 दिन की उत्सव एफडी स्पेशल डिपॉजिट स्कीम पर आम नागरिकों को 6.70% ब्याज व सीनियर सिटीजन को 7.20% व सुपर सीनियर सिटीजन को 7.35% ब्याज दे रहा है। यह दरें 30 सितंबर, 2025 तक ही लागू हैं। उत्सव एफडी में 1 लाख लगाने पर 1,08,418.26 मिलेंगे। ब्याज 8,418.26 होगा।

केनरा बैंक

केनरा बैंक 444 दिन की एफडी पर आम नागरिकों को 6.50% ब्याज दे रहा है। सीनियर सिटीजन को 7% ब्याज मिलेगा। एफडी में 1 लाख लगाने पर 1,08,159.08 रुपये मिलेंगे।

एनपीएस के 7 इक्विटी प्लान्स 5 साल या उससे ज्यादा पुराने

सभी स्कीम्स ने एसआईपी पर निवेशकों को मोटा मुनाफा कराया

एनपीएस के कुछ खास इक्विटी प्लान ने 5 साल में 20% तक दिया एनुअल रिटर्न, पांच साल में लंपसम और एसआईपी दोनों पर ही अच्छा रिटर्न दिया

निवेश मंत्रा

बिजनेस डेस्क

नेशनल पेंशन सिस्टम (एनपीएस) की टियर 1 स्कीम में निवेश करने वालों के पैसे जिन इक्विटी प्लान्स में लगाए जाते हैं, उनमें से 7 को शुरू हुए 5 साल या उससे ज्यादा समय हो चुका है। इन सभी इक्विटी प्लान्स ने पिछले 5 साल में अपने निवेशकों को शानदार रिटर्न दिए हैं। इनमें से टॉप 5 फंड्स का 5 साल का एनुअल रिटर्न करीब 19 फीसदी से 20 फीसदी तक रहा है। इस हिसाब से 1 लाख रुपये के एकमुश्त निवेश की मौजूदा फंड वैल्यू करीब 2.5 लाख रुपये तक होगी। 5 साल पूरे करने वाले बाकी 2 इक्विटी फंड्स का प्रदर्शन भी आकर्षक है। एनपीएस सरकार द्वारा प्रमोट की गई एक बाजार आधारित पेंशन स्कीम है, जिसका मकसद निवेशकों को रिटायरमेंट के बाद रेगुलर इनकम और आर्थिक सुरक्षा मुहैया कराना है। 5 साल पूरा करने वाले एनपीएस के सभी इक्विटी प्लान्स ने सिस्टमैटिक इनवेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिये निवेश करने वालों को भी मिनिमम 13.52% से लेकर मैक्सिमम 16.53% तक एन्युलाइज्ड रिटर्न दिए हैं। जिन्हें काफी आकर्षक कहा जा सकता है। इनमें हर महीने 5000 रुपये एसआईपी करने वाले निवेशकों की मौजूदा फंड वैल्यू 4.20 लाख रुपये से लेकर 4.5 लाख रुपये तक रही है. जबकि 5 साल में उनका कुल एसआईपी इनवेस्टमेंट 3 लाख रुपये रहा होगा।

टॉप 5 फंड्स का 5 साल का एनुअल रिटर्न 19 से 20% तक रहा

यूटीआई पेंशन फंड

- लंपसम इनवेस्टमेंट पर 5 साल का एनुअल रिटर्न (सीएजीआर) : 20.07%
- मंथली एसआईपी पर पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 16.37 %
- 5000 रुपये मंथली एसआईपी की 5 साल में फंड वैल्यू : 450,425 रुपये
- एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) : 4677 करोड़

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल पेंशन फंड

- लंपसम इनवेस्टमेंट पर 5 साल का एनुअल रिटर्न (सीएजीआर) : 19.90%
- मंथली एसआईपी पर पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 15.93 %
- 5000 रुपये मंथली एसआईपी की 5 साल में फंड वैल्यू : 445,620 रुपये
- एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) : 21,864 करोड़ रुपये

कोटक पेंशन फंड

- लंपसम इनवेस्टमेंट पर 5 साल का एनुअल रिटर्न (सीएजीआर) : 19.89%
- मंथली एसआईपी पर पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 16.53 %
- 5000 रुपये मंथली एसआईपी की 5 साल में फंड वैल्यू : 452,340 रुपये
- एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) : 3220 करोड़ रुपये

एलआईसी पेंशन फंड

- लंपसम इनवेस्टमेंट पर 5 साल का एनुअल रिटर्न (सीएजीआर) : 19.40%
- मंथली एसआईपी पर पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 15.06%
- 5,000 रुपये मंथली एसआईपी की 5 साल में फंड वैल्यू : 436,310 रुपये
- एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) : 6,830 करोड़ रुपये

एचडीएफसी पेंशन फंड

- लंपसम इनवेस्टमेंट पर 5 साल का एनुअल रिटर्न (सीएजीआर) : 18.97%
- मंथली एसआईपी पर पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 15.16 %
- 5000 रुपये मंथली एसआईपी की 5 साल में फंड वैल्यू : 437,310 रुपये
- एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) : 60,643 करोड़ रुपये

आदित्य बिरला सन लाइफ पेंशन स्कीम

- लंपसम इनवेस्टमेंट पर 5 साल का एनुअल रिटर्न (सीएजीआर) : 17.75%
- मंथली एसआईपी पर पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 14.31%
- 5000 रुपये मंथली एसआईपी की 5 साल में फंड वैल्यू : 428,355 रुपये
- एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) : 1790 करोड़

एसबीआई पेंशन फंड

- लंपसम इनवेस्टमेंट पर 5 साल का एनुअल रिटर्न (सीएजीआर) : 17.58%
- मंथली एसआईपी पर पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 13.52%
- 5,000 रुपये मंथली एसआईपी की 5 साल में फंड वैल्यू : 420,080 रुपये
- एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) : 23,352 करोड़

एनपीएस के बारे में जरूरी जानकारी

एनपीएस एक मार्केट-लिंक्ड स्कीम है। इसमें पेंशन की रकम निवेशक द्वारा किए गए इनवेस्टमेंट और उस पर मिलने वाले बाजार आधारित रिटर्न पर निर्भर करती है। एनपीएस के टियर 1 में एक साल के दौरान 2 लाख रुपये तक के निवेश पर इनकम टैक्स में छूट भी मिलती है। निवेशकों को रिटायरमेंट के समय अपने कॉर्पस में जमा 60% रकम को एकमुश्त निकालने का ऑप्शन मिलता है। यह रकम टैक्स-फ्री होती है। बाकी 40% फंड को एन्युइटी खरीदने में निवेश करना होता है, जिससे पेंशन मिलती है। एनपीएस में लगाए गए पैसों को फंड को इक्विटी, सरकारी बॉन्ड और कॉर्पोरेट बॉन्ड में निवेश किया जाता है। किस एसेट क्लास में कितना निवेश करना है, इसका फैसला निवेशकों की उम्र पर आधारित फॉर्मूले के हिसाब से किया जाता है।

मार्केट आधारित स्कीम में रिटर्न की गारंटी नहीं

एनपीएस में निवेश किए गए पैसों पर बाजार की चाल के हिसाब से लंबी अवधि में अच्छा रिटर्न मिल सकता है, लेकिन मार्केट परफॉर्मेंस अच्छा न रहने पर कमजोर रिटर्न या गिरावट होने पर नुकसान की आशंका से भी इनकार नहीं किया जा सकता। खास तौर पर स्कीम के इक्विटी प्लान के रिटर्न तो पूरी तरह शेयर बाजार से जुड़े होते हैं। इसलिए इनका पिछला रिटर्न आगे भी जारी रहेगा, इसकी गारंटी नहीं होती। हालांकि एनपीएस में इक्विटी और डेट में संतुलित ढंग से निवेश करके रिस्क और रिटर्न के बीच बैलेंस बनाने की कोशिश रहती है। इसलिए लॉन्ग टर्म निवेश को आमतौर पर भरोसेमंद माना जाता है। फिर भी इसमें निवेश से जुड़ा फैसला करने से पहले ये समझना जरूरी है कि एनपीएस कोई गारंटीड इनकम प्लान नहीं है।

डाक विभाग अब बेचेगा म्यूचुअल फंड

लोग पोस्ट ऑफिस के जरिए कर सकेंगे निवेश, ग्रामीण क्षेत्रों को होगा बड़ा फायदा

तैयारी

बिजनेस डेस्क

भारतीय म्यूचुअल फंड उद्योग को बढ़ावा देने के लिए एक बड़ी पहल की जा रही है। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) इंडिया पोस्ट के साथ मिलकर काम कर रहा है। इसका लक्ष्य है कि लगभग एक लाख पोस्टमैन को म्यूचुअल फंड वितरक के रूप में प्रशिक्षित किया जाए। इससे निवेशकों की संख्या को दोगुना करने में मदद मिलेगी। वहीं, दूसरी ओर डाक विभाग और एएमएफआई ने एक बड़ा फैसला लिया है। अब पोस्ट ऑफिस के जरिए म्यूचुअल फंड भी बेचे जाएंगे। इससे ज़्यादा से ज्यादा लोगों तक वित्तीय सेवाएं पहुंच सकेंगी। इसके लिए डाक विभाग और एएमएफआई के बीच एक समझौता हुआ है। यह समझौता 22 अगस्त 2025 से शुरू होकर 21 अगस्त 2028 तक तीन साल के लिए है। इसे आगे भी बढ़ाया जा सकता है। इस समझौते के बाद, इंडिया पोस्ट म्यूचुअल फंड में निवेश करने में लोगों की मदद करेगा। खासकर, इसका फायदा गांवों और छोटे शहरों में रहने वाले लोगों को मिलेगा।

म्यूचुअल फंड में निवेश का फायदा अब गांव में भी मिलेगा
इसके लिए एक लाख पोस्टमैन को ट्रेनिंग दी जाएगी

क्या है समझौते का मकसद?

संचार मंत्रालय के अनुसार, इस पहल का मकसद म्यूचुअल फंड को ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचाना है। पोस्ट ऑफिस पर लोगों का भरोसा है और इसकी पहुंच भी देश के कोने-कोने तक है। इस समझौते के तहत, डाक विभाग के कर्मचारी म्यूचुअल फंड डिस्ट्रीब्यूटर के तौर पर काम करेंगे। इससे छोटे शहरों और गांवों में म्यूचुअल फंड की जानकारी ज्यादा लोगों तक पहुंचेगी। इन इलाकों में अभी तक लोगों को वित्तीय उत्पादों के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है।

पहले 4 राज्यों में दी जाएगी ट्रेनिंग

एएमएफआई के मुख्य कार्यकारी वेंकट एन चलासानी ने बताया कि उन्होंने चार राज्यों को चुना है। ये राज्य हैं बिहार, आंध्र प्रदेश, ओडिशा और मेघालय। इन राज्यों में कॉलेज के छात्रों को ट्रेनिंग दी जाएगी। एएमएफआई का लक्ष्य है कि पहले साल में इन चार राज्यों में लगभग 20,000 नए म्यूचुअल फंड वितरक तैयार किए जाएं।

एसआईपी के माध्यम से बढ़ी संख्या

हर साल लगभग 30,000 नए वितरक म्यूचुअल फंड उद्योग में शामिल होते हैं। लेकिन, शुद्ध रूप से लगभग 10,000 ही टिक पाते हैं। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के आने से नए म्यूचुअल फंड निवेशकों की संख्या में वृद्धि हुई है। खासकर SIP (सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान) के माध्यम से निवेश करने वालों की संख्या बढ़ी है। छोटे शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों में म्यूचुअल फंड की पहुंच बढ़ाने के लिए नए वितरक बहुत महत्वपूर्ण हैं।

गांव-गांव पहुंचेगी सुविधा

पोस्ट ऑफिस के जरिए म्यूचुअल फंड बेचने से गांवों और छोटे शहरों के लोगों को निवेश करने का एक नया मौका मिलेगा। उन्हें अब म्यूचुअल फंड खरीदने के लिए शहरों में नहीं जाना पड़ेगा। पोस्ट ऑफिस में जाकर वे आसानी से निवेश कर सकते हैं।

पोस्ट ऑफिस के जरिए म्यूचुअल फंड के लाभ

- **ग्रामीण क्षेत्रों में पहुंच:** पोस्ट ऑफिस की व्यापक पहुंच के कारण, ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोग अब आसानी से म्यूचुअल फंड में निवेश कर सकेंगे।
- **वित्तीय साक्षरता:** पोस्ट ऑफिस के कर्मचारी म्यूचुअल फंड के बारे में जानकारी प्रदान करेंगे और निवेश प्रक्रिया में मदद करेंगे, जिससे वित्तीय साक्षरता बढ़ेगी।
- **निवेश के अवसर:** पोस्ट ऑफिस के जरिए म्यूचुअल फंड में निवेश करने से लोगों को अपने वित्तीय लक्ष्यों को प्राप्त करने के नए अवसर मिलेंगे।

तीन साल का समझौता

- डाक विभाग और एएमएफआई के बीच तीन साल का समझौता हुआ है, जिसके तहत एक लाख पोस्टमैन को म्यूचुअल फंड डिस्ट्रीब्यूटर के रूप में प्रशिक्षित किया जाएगा। पोस्ट ऑफिस के कर्मचारियों को म्यूचुअल फंड के बारे में प्रशिक्षण दिया जाएगा और वे निवेशकों को समर्थन प्रदान करेंगे। इस पहल से गांवों और छोटे शहरों में म्यूचुअल फंड की पहुंच बढ़ने की संभावना है, जिससे लोगों को अपने वित्तीय लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद मिलेगी।

एशिया कप हॉकी : जापान के खिलाफ सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने उतरेगी भारतीय टीम

एजेंसी ▶▶| राजगीर

भारत पहले मैच के अपेक्षाकृत लचर प्रदर्शन को पीछे छोड़कर रविवार को यहां पुरुष एशिया कप हॉकी टूर्नामेंट में खतरनाक दिख रही जापान के खिलाफ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के इरादे से उतरेगा।

विश्व में सातवें स्थान पर काबिज भारतीय टीम ने शुक्रवार को पूल ए के अपने पहले मैच में विश्व में 23वें नंबर की टीम चीन पर 4-3 से करीबी जीत हासिल की लेकिन उसका यह प्रदर्शन प्रभावशाली नहीं था। भारत इस टूर्नामेंट में सर्वोच्च रैंकिंग वाली टीम है और एशिया कप जीतने का प्रबल दावेदार है। इस टूर्नामेंट की विजेता टीम अगले साल बेल्जियम और नीदरलैंड में होने वाले विश्व कप के बीच सीधे क्वालीफाई करेगी।

भारतीय रक्षा पंक्ति को जापानी टीम के खिलाफ रहना होगा सतर्क

भारत ने चीन के खिलाफ शानदार शुरुआत की, लेकिन खेल आगे बढ़ने के साथ उसकी लय गड़बड़ा गई। भारतीय रक्षा पंक्ति को तेज तर्रार जापानी टीम के खिलाफ सतर्क रहना होगा, जिसने अपने पहले मैच में कजाकिस्तान के खिलाफ सात गोल दागे थे। चीन के खिलाफ भारत के सभी चार गोल पेनल्टी कॉर्नर से आए, जिसमें कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने हैट्रिक बनाई, लेकिन वह एक पेनल्टी स्ट्रोक को गोल में बदलने से चूक गए थे। जुगराज सिंह, हरमनप्रीत, संजय और अमित रोहिदास जैसे चार ड्रैगफ्लिकर के साथ भारत को पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलने की दर में भी सुधार करना होगा।

अवसरों को बदलना होगा गोल में

भारतीय मध्य पंक्ति ने हालांकि अच्छा प्रदर्शन किया और कई मौके बनाए, लेकिन उसे इन अवसरों को गोल में बदलना होगा।भारत के मुख्य कोच क्रेग फुल्टन भी अपने फॉरवर्ड खिलाड़ियों की गोल करने में असमर्थता को लेकर चिंतित होंगे।हालांकि मनदीप सिंह, संजय, दिलप्रीत सिंह और सुखजीत सिंह जैसे खिलाड़ी विपक्षी सर्कल के अंदर चुस्त दिखे, लेकिन वे स्कोरशीट में अपना नाम दर्ज कराने में असफल रहे।

चीन के खिलाफ मैच हमारे लिए अच्छा सबक

फुल्टन ने कहा, 'हमने (चीन के खिलाफ) मैच जीता लेकिन हम अपनी उम्मीदों पर खरे नहीं उतरे। हमने कुछ मौके गंवाए और कुछ आसान गोल भी खाए। हम सर्वोच्च रैंकिंग वाली टीम हैं और यहां प्रबल दावेदार हैं, इसलिए हर टीम हमसे खेलने के लिए खुद को अच्छी तरह से तैयार करेगी और हमें उस चुनौती का सामना करना होगा। ' भारतीय कप्तान हरमनप्रीत ने कहा, 'इस टूर्नामेंट में भाग ले रही अधिकतर टीम जवाबी हमला करने के लिए इंतजार करती हैं। चीन के खिलाफ मैच हमारे लिए अच्छा सबक है। हमारी रक्षा पंक्ति को दमदार प्रदर्शन करना होगा।'' दिन के दूसरे मैच में चीन का मुकाबला कजाकिस्तान से होगा।

टीम इस प्रकार हैं

भारतीय टीम : कृष्ण बी पाठक (गोलकीपर), सूरज करकेरा (गोलकीपर), सुमित, जरमनप्रीत सिंह, संजय, हरमनप्रीत सिंह (कप्तान), अमित रोहिदास, जुगराज सिंह, राजिंदर सिंह, राज कुमार पाल, हार्दिक सिंह, मनप्रीत सिंह, विवेक सागर प्रसाद, मनदीप सिंह, शिलानंद लाकड़ा, अभिषेक, सुखजीत सिंह, दिलप्रीत सिंह।

जापानी टीम : शोटा यामादा, युतो हिगुची, यामातो कावाहारा, सेरेन तनाका, नारु किमुरा, काजुमासा मात्सुमोतो, मनाबू यामाशिता, रायकी फुजीशिमा (कप्तान), केन नागायोशी, युसुके कावामुरा, कोसी कावाबे, ताकाशी योशिकावा (गोलकीपर), किशो कुरोदा (गोलकीपर), कीता वतनबे, रयोसुके शिनोहारा, ह्योटा यामादा।

मैच का समय : दोपहर 3 बजे से

यूएस ओपनः जोकोविच बने चौथे दौर में पहुंचने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी

38 साल के नोवाक ने 69वीं बार ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट के अंतिम 16 में बनाई जगह

एजेंसी ▶▶| न्यूयॉर्क

24 बार के ग्रैंडस्लैम विजेता सर्बिया के नोवाक जोकोविच वर्ष के चौथे और आखिरी ग्रैंडस्लैम यूएस ओपन के चौथे दौर में पहुंचने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए हैं। जोकोविच ने कैमरन नूरी को हराया और वह 1991 में जिमी कोनर्स के बाद यूएस ओपन के चौथे दौर में पहुंचने वाले उम्रदराज खिलाड़ी बने। कोनर्स जब 1991 में इस टूर्नामेंट के चौथे दौर में पहुंचे थे तब उनकी उम्र भी जोकोविच की तरह 38 साल थी।

जोकोविच ने 6-4, 6-7 (4), 6-2, 6-3 से जीत हासिल की, जिसमें उन्होंने 18 ऐस लगाए, जो उनके अनुसार टूर्नामेंट में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था। रिकॉर्ड 24 बार के ग्रैंडस्लैम चैंपियन फ्लशिंग मीडोज में मैच के शुरू में चिकित्सा सहायता लेनी पड़ी लेकिन उन्होंने शानदार खेल दिखाया और 69वीं बार किसी ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट के अंतिम 16 में जगह बनाई। इस तरह से उन्होंने रोजर फेडरर की बराबरी कर ली। अब उनका मुकाबला जर्मन क्वालिफायर जान-लेनार्ड स्ट्रफ से होगा।

राडुकानू का सफर समाप्त

महिला एकल वर्ग के मुकाबले में एलिना रायबकिना ने 2021 की चैंपियन एम्मा राडुकानू को शिकस्त दी। कजाखिस्तान की 2022 की विम्बलडन चैंपियन रिबाकिना ने 62 मिनट तक चले मुकाबले में ब्रिटेन की खिलाड़ी को 6-1, 6-2 से हराया। विश्व रैंकिंग में नौवें स्थान पर काबिज रिबाकिना इसके साथ ही पहली बार यूएस ओपन के प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंचने में सफल रहीं।

चंद्रशेखर और प्रशांत की जोड़ी दूसरे दौर में

अनिरुद्ध चंद्रशेखर और विजय प्रशांत की भारतीय पुरुष युगल जोड़ी ने क्रिश्चियन हैरिसन और इवान किंग की आठवीं वरीयता प्राप्त जोड़ी को तीन सेटों में हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया। चंद्रशेखर और प्रशांत ने अपनी शानदार सर्विस के दम पर एक घंटे 42 मिनट में 3-6, 6-3, 6-4 से जीत हासिल की। चंद्रशेखर और प्रशांत का मुकाबला दूसरे दौर में ऑस्ट्रेलिया के जॉन-पैट्रिक स्मिथ और ब्राजील के फर्नांडो रोम्बोली से होगा। गत चैंपियन और दुनिया के नंबर एक इटली के यानिक सिनर ने वर्ष के चौथे और अंतिम ग्रैंडस्लैम यूएस ओपन टेनिस के तीसरे दौर में प्रवेश कर लिया। सिनर ने अभी तक एक भी सेट नहीं गंवाया है। हालांकि पूर्व नंबर-3 ग्रीस के स्टेफनोस सितसिपास को दूसरे दौर में उलटफेर का शिकार होना पड़ा। महिला वर्ग में अमेरिका की कोको गॉफ भी तीसरे दौर में पहुंच गईं। हालांकि उन्हें पहले दौर की तरह मुश्किलों का सामना करना पड़ा। जापान की नाओमी ओसाका भी दूसरे दौर में जीतने में सफल रहीं।

चोट के बावजूद अल्काराज का शानदार प्रदर्शन, बनाई चौथे दौर में जगह

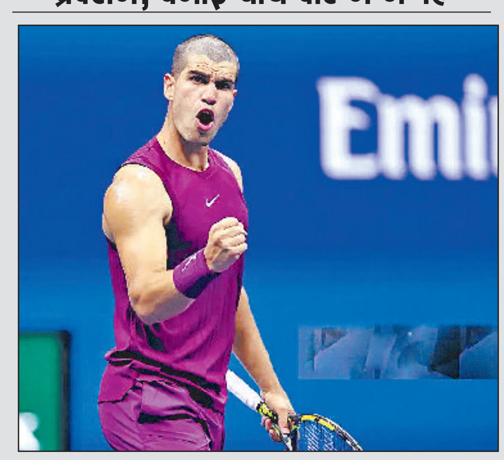

स्पेनिश स्टार कार्लोस अल्काराज ने यूएस ओपन 2025 के तीसरे दौर में मेडिकल टाइमआउट लेने के बाद भी इटली के लुसियानो डार्डेरी को हराकर चौथे दौर में जगह बना ली है। चोट के बावजूद उनका प्रदर्शन शानदार रहा और अब उनका मुकाबला फ्रांस के आर्थर रिंडरकनेच से होगा। मैच के दौरान अल्काराज को दाहिनी जांघ में तकलीफ महसूस हुई, जिसके कारण उन्होंने मेडिकल टाइमआउट लिया। हालांकि, इस बीच उनका प्रदर्शन प्रभावित नहीं हुआ और उन्होंने मजबूती से मैच जीतकर आगे बढ़ने में सफलता पाई।

अलेक्जेंडर लगातार 7वीं बार तीसरे दौर में

जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने ब्रिटेन के जैकब फियरनले को 6-4, 6-4, 6-4 से पराजित किया। वर्ष 2020 के उपविजेता ज्वेरेव ने पहले दो सेट में जल्द ब्रेक हासिल कर लिए थे। हालांकि बाद में जैकब ने संघर्ष क्षमता दिखाई। दूसरे सेट के चौथे गेम में ब्रेक प्वाइंट हासिल किया। उनकी सर्विस अच्छी नहीं रही, उन्होंने 12 डबल फाल्ट किए। ब्रिटेन के खिलाड़ी ने बाद में पांच मैच प्वाइंट बचाए लेकिन ज्वेरेव को जीत से न रोक सके। ज्वेरेव लगातार सातवीं बार फ्लेशिंग मिडोज में तीसरे दौर में पहुंचने में सफल रहे।

सेमीफाइनल में सात्विक और चिराग की जोड़ी, पदक पक्का

एजेंसी ▶▶| पेरिस

सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की स्टार भारतीय जोड़ी ने पुरुष युगल क्वार्टर फाइनल में मलेशिया के दो बार के ओलंपिक पदक विजेता आरोन चिया और सोह वूई यिक को हराकर विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप में भारत के लिए पदक सुनिश्चित किया। भारतीय जोड़ी पिछले साल पेरिस ओलंपिक में मलेशिया की इस जोड़ी से हार गई थी लेकिन शुक्रवार देर रात खेले गए मैच में वह इसका बदला लेने में सफल रही। सात्विक और चिराग की विश्व की तीसरे नंबर की जोड़ी ने 43 मिनट में 21-12, 21-19 से शानदार जीत दर्ज कर सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। सात्विक और चिराग ने 2022 में इस टूर्नामेंट में कांस्य पदक जीता था और इस तरह से उनका विश्व चैंपियनशिप में यह दूसरा पदक होगा। इससे 2011 में ज्वाला गुट्टा और अश्विनी पोनप्पा के कांस्य पदक जीतने के बाद से भारत का प्रत्येक विश्व चैंपियनशिप में पदक जीतना भी सुनिश्चित हो गया।

अगला मुकाबला चीन की 11वीं वरीयता प्राप्त जोड़ी

एशियाई खेलों के चैंपियन का अगला मुकाबला चीन की 11वीं वरीयता प्राप्त जोड़ी चेन बो यांग और लियू यी से होगा। कुछ ही घंटे पहले पीवी सिंधु के क्वार्टर फाइनल में बाहर होने से भारत महिला एकल में पदक से वंचित रह गया था। जब सात्विक और चिराग कोर्ट पर उतरे तो उन पर उम्मीदों का बोझ साफ दिखाई दे रहा था। चिया और सोह ने पिछले साल पेरिस में सात्विक और चिराग के ओलंपिक पदक जीतने के सपने को तोड़ने के बाद इस साल सिंगापुर और चीन में भी भारतीय जोड़ी को हराया था। भारतीय खिलाड़ी हालांकि इसका बदला चुकता करने में सफल रहे।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 CrPC / 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता-2023 देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **लोकेश शर्मा पुत्र** के.सी. शर्मा **निवासी** एफ–266, चौथी मंजिल, सुदर्शन पार्क, मोती नगर, दिल्ली, ने **FIR No. 321/2025, U/S 65(2)/75 भारतीय न्याय संहिता, & 06.10.17 POCSO Act, पुलिस स्टेशन मोती नगर, दिल्ली,** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किया गया गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **लोकेश शर्मा** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **लोकेश शर्मा** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 321/2025, U/S 65(2)/75 भारतीय न्याय संहिता, & 06.10.17 POCSO Act, पुलिस स्टेशन मोती नगर, दिल्ली,** के उक्त अभियुक्त **लोकेश शर्मा** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **08.10.2025** को या इससे पहले हाज़िर हो।

आदेशानुसार
श्री सिद्धार्थ मलिक
अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश (एससी–पोस्को)–01,
पश्चिम कमरा नं0–139, तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/11568/WD/2025
(Court Matter)

उत्तर रेलवे

ई–निविदा सूचना

निविदा संख्या 46255313 के लिए भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिए कार्यरत सहायक सामग्री प्रबंधक द्वारा ई–निविदा आमंत्रित की जाती है। विवरण इस प्रकार है :–

1.	कार्य का नामः (1) Current Insulated Cylindrical Roller Bearing for ND-End of Medha motor of SKF make bearing no. NJ 318 ECMRA/C4VA3091R2 INSOCOAT + HJ 318 EC/VA301 (Make: SKF-Imported) for MEDHA make MOTOR TME 48-45-6 as Medha part no. SPTSA700179P0001 or Schaeffler bearing NJ318-E-M1-F1-J20AA-C4-M32N along with angle ring HJ318-E-F1 (imported make only). Qty -64 Nos. and (2) CURRENT INSULATED CYLINDRICAL ROLLER BEARING NU322 ECMRA/C4HVA3091R2 INSOCOAT FOR DE OF SKF (IMPORTED ONLY) for MEDHA make MOTOR TME 48-45-6 OR as M/S MEDHA PART NO. SPTSA700099P0003 OR EQUIVALENT MAKE OF Schaeffler/FAG (IMPORTED). Qty -64 Nos.	
2.	कार्य की अनुमानित लागत	70,84,159.36/-
3.	मात्रा	(1) 64 Nos. (2) 64 Nos.
4.	निविदा की बोली प्रस्तुत (जमा) करने की तिथि एवं समयः	26-09-2025 (11:00 Hrs.)
5.	निविदा दस्तावेजों को खोलने की तिथि एवं समय	26-09-2025 (11:00 Hrs.)
6.	वेबसाइट की विवरण, जहां निविदा दस्तावेजों का पूरा विवरण देखा जा सकता है।	www.ireps.gov.in

टिप्पणीः (i) ई–निविदा प्रणाली में शामिल होने के लिए निविदादाता को भारतीय रेल ई–प्रापण प्रणाली (IREPS) साइट अर्थात् www.ireps.gov.in पर पंजीकृत होना चाहिए। (ii) सभी नियमों एवं शर्तों के लिए कृपया दस्तावेज देखें। (iii) कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार्य नहीं है।

एनआईटी सं. 46255313 दिनांक :– 28.08.2025 2636/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

दलीप ट्रॉफी
अंकित और यश धुल के शतक से उत्तर क्षेत्र सेमीफाइनल के करीब

बेंगलुरु। पूर्वी क्षेत्र के खिलाफ कप्तान अंकित कुमार और उभरते हुए बल्लेबाज यश धुल के शानदार शतकों ने उत्तर क्षेत्र को दलीप ट्रॉफी सेमीफाइनल की दहलीज पर पहुंचा दिया। उत्तर क्षेत्र ने 183 रन की बढ़त के बावजूद फिर से बल्लेबाजी करने का फैसला किया। अंकित (नाबाद 168 रन) और धुल (133 रन, 157 गेंद) ने शानदार बल्लेबाजी की, जिससे उनकी टीम ने क्वार्टर फाइनल के तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक दो विकेट पर 388 रन बनाकर कुल 563 रन की बढ़त बना ली। अंकित और धुल ने दूसरे विकेट के लिए 290 गेंद पर 240 रन जोड़े। इस दौरान धुल पूरी तरह आक्रामक बल्लेबाजी कर रहे थे जबकि अंकित ने संयम से खेलते हुए शतक जड़ा।

शमी ने किया बल्लेबाजों को परेशान

शुभम खजूरिया (21) के जल्दी आउट होने के बाद पूर्वी क्षेत्र के गेंदबाज उत्तरी क्षेत्र की इस जोड़ी पर कोई प्रभाव डालने के लिए संघर्ष करते रहे। वरिष्ठ तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने बीच-बीच में बल्लेबाजों को परेशान किया। लेकिन पूर्वी क्षेत्र के गेंदबाज दिन में बस इतना ही कर सके। बाईस साल के धुल तब 48 रन पर थे, उन्हें किस्मत का साथ मिला जब बाएं हाथ के स्पिनर मनीषी की गेंद पर शरणदीप सिंह ने कवर्स पर उनका कैच टपका दिया।

डीपीएल : नीतीश-दिग्वेश में भिड़ंत, दोनों पर फाइन, कृष यादव पर 100 प्रतिशत जुर्माना

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय खिलाड़ी नितीश राणा सहित पांच क्रिकेटरों पर साउथ दिल्ली सुपरस्टार्स और वेस्ट दिल्ली लायंस के बीच दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) के मैच में आचार संहिता के उल्लंघन के लिए मैच फीस का 30 से 100 प्रतिशत तक जुर्माना लगाया गया।

कप्तान नितीश राणा के तूफानी शतक की बदौलत वेस्ट दिल्ली लायंस ने शुक्रवार को एलिमिनेटर में साउथ दिल्ली सुपरस्टार्स को सात विकेट से हराकर डीपीएल के क्वालीफायर 2 में प्रवेश किया। वेस्ट दिल्ली लायंस के कृष यादव को मैच के दौरान अभद्र व्यवहार करने के लिए अधिकतम सजा दी गई है।

उन पर मैच फीस का 100 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। मैच के दौरान नितीश राणा और दिग्वेश राठी के बीच जमकर जुबानी जंग चली और नौबत हाथापाई तक पहुंच गई। इन दोनों पर फाइन लगाया गया।

आपस में भिड़े दिग्वेश और नितीश राणा

दिल्ली प्रीमियर लीग 2025 लीग के मैच में दिग्वेश राठी गेंद फेंकने के लिए रन अप लेते हैं और क्रीज के पास आते हैं, लेकिन इसके बाद वह गेंद नहीं फेंकते हैं। तब स्ट्राइक एंड पर खड़े नितीश राणा परेशान लगते हैं। फिर जब दिग्वेश दोबारा गेंदबाजी करने के लिए तैयार हुए, तो नितीश स्टंस के आगे से हट गए। इसके बाद तो दोनों प्लेयर्स के बीच जमकर जुबानी जंग हुई और नितीश गुस्से में दिग्वेश को कुछ इशारे करते हुए दिखाई देते हैं। फिर अगली गेंद पर वह छक्का जड़ देते हैं। लेकिन मामला यहां पर भी शांत नहीं होता है और दोनों प्लेयर्स के बीच जमकर बहस होती है। सभी प्लेयर्स जमा हो जाते हैं और दोनों को हटाने की कोशिश भी करते हैं।

एशिया कप हॉकी
मलेशिया ने कोरिया को 4-1 से हराया

राजगीर। कोरिया की एशिया कप खिताब बचाने की मुहिम को मलेशिया से मिली 1-4 की करारी हार से करारा झटका लगा जबकि बांग्लादेश ने हॉकी टूर्नामेंट के पूल बी के अपने दूसरे मैच में चीनी ताइपे को 8-3 से रौंद दिया। दिन के दूसरे मैच में पांच बार की चैंपियन कोरिया ने दूसरे मिनट में ही जियोन्ह्यो जिन के मैदानी गोल से बढ़त बना ली। लेकिन मलेशिया ने अखिमुल्लाह अनवार (29वें, 34वें, 58वें) की हैट्रिक और अशरान हमसानी के मैदानी गोल दागकर शानदार वापसी कर कोरिया को हरा दिया। हालांकि विश्व रैंकिंग में मलेशिया (12वें) और कोरिया (13वें) के बीच सिर्फ एक पायदान का अंतर है। फिर भी कोरिया इस मुकाबले में प्रबल दावेदार मानी जा रही थी। दिन के पहले मैच में बांग्लादेश ने पूरी तरह से दबदबा बनाया और आखिरी दो क्वार्टर में पांच गोल दागे।

स्वस्थ कारणों से एशिया कप से बाहर हुईं दीपिका

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने शनिवार को घोषणा की कि ड्रैग फ्लिकर दीपिका अभ्यास सत्र के दौरान हैमस्ट्रिंग में खिंचाव आने के कारण महिला एशिया कप के लिए राष्ट्रीय टीम के साथ चीन नहीं जाएंगी। दीपिका अगले कुछ सप्ताह तक रिहैब में रहेंगी और उनकी जगह साक्षी को भारतीय टीम में शामिल किया गया है। यह टूर्नामेंट हांगझोउ में पांच से 14 सितंबर तक खेला जाएगा। एशिया कप की विजेता टीम अगले साल बेल्जियम और नीदरलैंड में होने वाले विश्व कप के लिए क्वालीफाई करेगी।

एशिया कप से पहले गिल और रोहित का होगा फिटनेस टेस्ट

बेंगलुरु। भारतीय टेस्ट कप्तान और टी20 उपकप्तान शुभमन गिल आगामी एशिया कप के लिए दुबई जाने से पहले फिटनेस आकलन और तैयारियों के लिए बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) पहुंच गए हैं। एशिया कप के लिए भारतीय टीम में जगह बनाने वाले खिलाड़ियों को 9 सितंबर को मेजबान संयुक्त अरब अमीरात के खिलाफ टूर्नामेंट के उद्घाटन मैच से पहले 4 सितंबर को दुबई में इकट्ठा होना है। सीनियर बल्लेबाज रोहित शर्मा और तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज भी फिटनेस आकलन के लिए सीओई पहुंच गए हैं।

नेशंस कप फुटबॉलः भारत ने ताजिकिस्तान को हराया

हिसोर (ताजाकिस्तान)। भारतीय फुटबॉल टीम ने नए मुख्य कोच खालिद जमील की देखरेख में सीएएफए नेशंस कप फुटबॉल टूर्नामेंट के अपने पहले मैच में गोलकीपर गुरप्रीत सिंह संधू के शानदार प्रयास से ताजिकिस्तान को 2-1 से हरा दिया। भारतीय जीत के नायक संधू ने पेनल्टी किक सहित कई शानदार बचाव किए। उन्हें टीम की रक्षापंक्ति के खिलाड़ियों का भी अच्छा साथ मिला। विश्व रैंकिंग में 133वें स्थान पर काबिज भारत के लिए खेले गए मैच में डिफेंडर अनवर अली (पांचवें मिनट) और संदेश झिंगन (13वें मिनट) ने गोल किए। इसके बाद भारत ने बाकी के 75 मिनट तक 106वीं रैंक वाली मेजबान टीम के खिलाफ डटकर बचाव किया।

हरिभूमि क्लासीफाइड विज्ञापन

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्पले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

चिकित्सा

सेक्स रोगों के लिए सलाह मुफ्त
अशोक क्लीनिक
निकट पीतमपुरा मैट्रो स्टेशन दिल्ली
9811092140 संडे क्लोज

विशेष रेलगाड़ियों की संचालन अवधि में वृद्धि

सर्वसबंधित को सूचित किया जाता है कि रेलयात्रियों के सुविधाजनक आवागमन हेतु उत्तर रेलवे द्वारा निम्नलिखित विशेष रेलगाड़ियों की संचालन अवधि को बढ़ाने का निर्णय लिया गया है, जिनका विवरण निम्नानुसार हैः-

रेलगाड़ी संख्या	स्टेशन से	स्टेशन तक	चलने के दिन	पूर्व अधिसूचित तिथि	विस्तार की अवधि	कुल फेरे
04217	वाराणसी जं.	लखनऊ जं.	प्रतिदिन	31.10.2025	01.11.2025 से 30.11.2025	30
04218	लखनऊ जं.	वाराणसी जं.	प्रतिदिन	31.10.2025	01.11.2025 से 30.11.2025	30
04090	आनंद विहार ट.	पटना जं.	प्रतिदिन	07.11.2025	08.11.2025 से 29.11.2025	22
04089	पटना जं.	आनंद विहार ट.	प्रतिदिन	08.11.2025	09.11.2025 से 30.11.2025	22

नोट :– शेष जानकारी पूर्ववत् है

रेलयात्रियों से अनुरोध है कि उपरोक्त रेलगाड़ियों के मार्ग में पड़ने वाले अन्य स्टेशनों की विस्तृत समय–सारणी और श्रेणियों की जानकारी के लिए रेलमदद हेल्पलाइन नं. 139 पर सम्पर्क करें अथवा रेलवे की वेबसाइट https://enquiry.indianrail.gov.in देखें अथवा NTES App देखें।

पर हमें फॉलो करें

रेलमदद हेल्पलाइन नं. 139

रेलमदद वेबसाइट देखें :- www.railmadad.indianrailways.gov.in
रेलमदद ऐप डाउनलोड करें

उत्तर रेलवे
आपकी सुविधा - हमारा ध्येय
हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें
2629/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

पीएम बोले, हमने यूक्रेन संघर्ष, उसके मानवीय पहलू और शांति-स्थिरता बहाली के प्रयासों पर चर्चा की

प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति जेलेंस्की के बीच फोन पर हुई बातचीत, शांति बहाली पर दिया जोर

जेलेंस्की ने कहा, राष्ट्रपति पुतिन संग बैठक का इच्छुक है यूक्रेन, एससीओ के दौरान इस बाबत भारत देगा रूस को जरूरी संकेत

■ मौजूदा साल के अंतिम दिसंबर महीने में होगी पुतिन की भारत यात्रा

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के शिखर सम्मेलन में भाग लेने के उद्देश्य से शनिवार को अपनी दो दिवसीय यात्रा के तहत चीन के तियानजिन पहुंचे। जहां यूक्रेन के राष्ट्रपति वोल्डोमीर जेलेंस्की की उनसे टेलीफोन पर महत्वपूर्ण बातचीत हुई है। अपनी एक एक्स पोस्ट के जरिए पीएम ने इसकी जानकारी देते हुए बताया कि आज फोन वार्ता के लिए राष्ट्रपति जेलेंस्की को धन्यवाद दिया।

हमारे बीच यूक्रेन संघर्ष, उसके मानवीय पहलू और शांति व स्थिरता बहाल करने के प्रयासों पर विचार साझा किए गए। भारत इस दिशा में जारी सभी प्रयासों को पूर्ण समर्थन प्रदान करता है।

फाइल फोटो

वहीं, यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने अपनी एक्स पोस्ट में इस बातचीत का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के साथ आज फोन पर बात हुई है। मैंने उन्हें यूक्रेन की रूस के प्रमुख (राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन) के साथ बैठक के लिए अपनी तत्परता दोहराते हुए बताया कि करीब दो हफ्ते बीत चुके हैं। जिसमें रूस को कूटनीति की तैयारी करनी चाहिए थी। लेकिन अभी तक मास्को की तरफ से हमें कोई सकारात्मक संकेत नहीं दिया गया है। बजाय इसके उनके द्वारा हमारे नागरिक इलाकों पर निंदनीय हमले जारी हैं, जिसमें दर्जनों लोग मारे जा चुके हैं। जेलेंस्की ने कहा, हमने एससीओ शिखर सम्मेलन से पहले अपनी स्थिति में समन्वय स्थापित किया है।

भारत आवश्यक प्रयास करने और शिखर सम्मेलन से इतर होने वाली बैठकों के दौरान रूस और अन्य नेताओं को उचित संकेत देने के लिए तैयार है। मुझे निकट भविष्य में प्रधानमंत्री मोदी से मिलकर खुशी होगी। यूक्रेन के राष्ट्रपति ने इस बातचीत में पीएम मोदी को वाशिंगटन में राष्ट्रपति ट्रंप और यूरोपीय नेताओं की भागीदारी वाली वार्ता से भी अवगत कराया।

दिसंबर में होगा पुतिन का भारत दौरा

वहीं, इन सबके बीच भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन इस साल के अंतिम दिसंबर महीने में भारत की यात्रा कर सकते हैं। रूस से जारी तेल खरीद पर अमेरिका द्वारा लगाए गए 50 फीसदी टैरिफ से उत्पन्न संकट के बीच राष्ट्रपति पुतिन का यह पहला भारत दौरा होगा। मीडिया में जारी खबरों से यह जानकारी मिली है। दोनों देशों के शीर्ष नेता सम्मेलन के दौरान द्विपक्षीय संबंधों, वैश्विक-सामरिक साझेदारी को और अधिक मजबूत बनाने के विषयों के अलावा साझा हितों से जुड़े हुए क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी विचार-विमर्श कर सकते हैं। भारत-रूस के बीच राष्ट्रपति पुतिन की इस भारत यात्रा को लेकर तारीखों को लगभग अंतिम रूप दिया जा चुका है। हालांकि अभी तक आधिकारिक रूप से इनका ऐलान नहीं किया गया है।

मणिपुर में चार उग्रवादी गिरफ्तार, हथियार एवं गोला-बारूद जब्त

इंफाल। मणिपुर में सुरक्षा बलों ने इंफाल पश्चिम, काकचिंग और इंफाल पूर्व जिलों से विभिन्न प्रतिबंधित संगठनों के चार उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि वसूली की गतिविधियों में शामिल प्रतिबंधित संगठन कांगलीपाक कम्युनिस्ट पार्टी (पीडब्ल्यूजी) के एक सक्रिय सदस्य को बृहस्पतिवार को इंफाल पश्चिम जिले के लामसांग से गिरफ्तार किया गया। केसीपी (ताइबांगनबा) गुट के एक उग्रवादी को बृहस्पतिवार को काकचिंग जिले के काकचिंग डीएसए रोड से गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बृहस्पतिवार को इंफाल पश्चिम जिले से केसीपी (पीएससी) के एक सक्रिय सदस्य और इंफाल पूर्वी जिले के बामोन लेइकाई से कांगलेई यावोल कन्ना लुप के एक उग्रवादी को गिरफ्तार किया।

खबर संक्षेप

पाक में बारिश और बाढ़ से 22 लोगों की मौत

लाहौर। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में बारिश और बाढ़ से जुड़ी घटनाओं में गत 24 घंटे के दौरान 22 लोगों की मौत हो गई जबकि प्रांतीय राजधानी लाहौर के कम से कम नौ रिहायशी इलाके जलमग्न हो गए हैं। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पंजाब सरकार द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है, ''प्रांत में कम से कम 1,700 गांव जलमग्न हो गए हैं, जबकि हजारों एकड़ भूमि पर लगी फसलें डूब गई हैं। इसके मुताबिक, विभिन्न संस्थानों की बचाव टीम और सेना ने अब तक दस लाख से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया है।

यमनः हूती पीएम अहमद अल-रहावी की मौत

सना। यमन की राजधानी सना में हूती नियंत्रित सरकार के प्रधानमंत्री अहमद अल-रहावी की इजराइली हवाई हमले में मौत हो गई। विद्रोही सशस्त्र समूह हूती ने शनिवार को एक बयान में कहा कि अल-रहावी गुरुवार को हुए एक हमले में कई अन्य मंत्रियों के साथ मारे गए। समूह ने बताया कि यह हमला उस समय हुआ जब अधिकारी पिछले एक साल में सरकार के प्रदर्शन की समीक्षा के लिए एक वर्कशॉप में भाग ले रहे थे। यह हमला उस समय हुआ जब अहमद अल-रहावी अपने अन्य मंत्रियों के साथ पिछले एक साल में सरकार के प्रदर्शन की समीक्षा के लिए एक वर्कशॉप में भाग ले रहे थे।

एक कार्यक्रम के दौरान बोले रक्षामंत्री

अंतरराष्ट्रीय संबंधों में न स्थायी दोस्त होते हैं न दुश्मनः राजनाथ सिंह

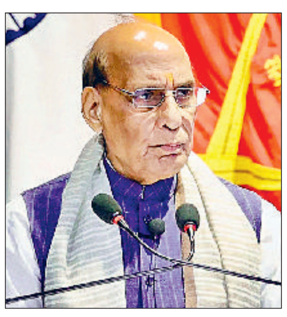

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत पर अतिरिक्त 25 फीसदी टैरिफ थोपे जाने से दोनों देशों के बीच रिश्तों में दरार आ गई है। अमेरिका ने रूस से कच्चा तेल खरीदने को लेकर भारत पर अतिरिक्त 25 फीसदी टैरिफ लगाया है, जो कि 27 अगस्त से लागू हो चुका है। भारत अमेरिका के आगे झुका नहीं और रूस से कच्चा तेल खरीदने के फैसले को जारी रखा।

विदेश मंत्री जयशंकर, कृषि मंत्री शिवराज सिंह के बाद अब रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी टैरिफ को लेकर अमेरिका को खरी-खरी सुना दी है। एक कार्यक्रम में राजनाथ सिंह ने कहा, अंतरराष्ट्रीय संबंधों में न स्थाई दोस्त होते हैं न दुश्मन होता है तो केवल देश का हित दुनिया में आज ट्रेड वॉर जैसे हालात हैं लेकिन हम राष्ट्रीय हितों से कोई समझौता नहीं करेंगे।

ऑपरेशन सिंदूर वीरता सशस्त्र बलों की कहानी है

उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर वीरता सशस्त्र बलों की कहानी है तो ड्रोन्स जैसे उपकरण का निर्माण आत्मनिर्भर भारत, हमारे वैज्ञानिकों युवाओं के इनोवेशन की कहानी है। बता दें कि रैफे एमफिबर प्राइवेट लिमिटेड द्वारा बनाए गए ड्रोन्स का इस्तेमाल भारतीय वायुसेना ने पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर के दौरान मई महीने में किया था।

देशवासियों का हित सबसे ऊपर है

उन्होंने कहा कि हमारे सरकार के लिए हमारे किसान, छोटे व्यापारी और देशवासियों की हित सबसे ऊपर है। भारत ने इन लोगों के हितों से कोई कॉम्प्रोमाइज नहीं कर सकता है।रक्षा मंत्री के इस बयान को चीन से भारत के रिश्ते में आई मिठास से जोड़कर देखा जा सकता है। टैरिफ की वजह से भारत-चीन साथ आते नजर आ रहे हैं।

मॉडर्न वारफेयर में ड्रोन की अहमियत काफी बढ़ी

राजनाथ सिंह ने कहा कि इस मॉडर्न वारफेयर में ड्रोन की अहमियत काफी बढ़ गई है। ड्रोन को युद्ध नीति में शामिल करना आवश्यक हो गया है। आज के दौर में ड्रोन युद्ध के क्षेत्र में एक बड़ी ताक़त बनकर उभरा है। ड्रोन्स को उन इलाकों में भी तैनात किए जा रहे हैं, जिन जगहों पर बड़े उपकरण नहीं पहुंच सके।

जापान के सेंडाई में सेमीकंडक्टर संयंत्र 'टीईएल-मियागी' का दौरा करते हुए बोले पीएम नरेंद्र मोदी

सेमीकंडक्टर के क्षेत्र में जापान के साथ मिलकर काम करने को तैयार भारतः प्रधानमंत्री

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

वैश्विक भू-राजनीतिक स्तर पर बनी हुई अस्थिरता के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को अपनी जापान यात्रा के दूसरे और अंतिम दिन प्रधानमंत्री शिगेरू इशिबा के साथ मियागी प्रांत के सेंडाई में एक अग्रणी सेमीकंडक्टर संयंत्र का दौरा किया। जिसे पूरी दुनिया टोक्यो इलेक्ट्रॉन मियागी लिमिटेड (टीईएल मियागी) कंपनी के नाम से जानती है। इस दौरान अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने सेमीकंडक्टर के इस महत्वपूर्ण क्षेत्र में जापान के साथ मिलकर काम करने की तत्परता की पुष्टि की।

विदेश मंत्रालय ने बताया कि पीएम को वैश्विक सेमीकंडक्टर मूल्य श्रृंखला में टीईएल की भूमिका, कंपनी की उन्नत विनिर्माण क्षमताओं और भारत के साथ इसके मौजूदा और नियोजित सहयोग के बारे में भी जानकारी दी गई। इसके अलावा सेमीकंडक्टर आपूर्ति श्रृंखला, निर्माण और परीक्षण के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के लिए भारत और जापान के बीच अवसरों की व्यावहारिक भी उन्हें मिली। बताते चलें कि पीएम मोदी बीते शुक्रवार को अपनी दो दिवसीय यात्रा के तहत जापान की राजधानी टोक्यो पहुंचे थे। जहां उन्होंने दोनों देशों के आर्थिक मंचों के कार्यक्रम, 15 वें भारत-जापान वार्षिक शिखर सम्मेलन में शामिल होने के अलावा जापान की महत्वपूर्ण राजनीतिक हस्तियों से मुलाकात की। एक्स पर की गई कई पोस्ट में पीएम मोदी ने मियागी की इस यात्रा से जुड़ी सभी अपडेट तस्वीरों के साथ साझा की है।

पीएम इशिबा संग भारतीय प्रधानमंत्री ने सेंडाई में किया जापान की एडवांस बुलेट ट्रेन 'ई10' में सफर

विकसित करेंगे आपूर्ति श्रृंखला

प्रधानमंत्री की सेंडाई यात्रा ने देश के बढ़ते सेमीकंडक्टर विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र और उन्नत सेमीकंडक्टर उपकरण, प्रौद्योगिकी में जापान के बीच पूरकता को प्रदर्शित किया है। दोनों देशों ने इस क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने, सेमीकंडक्टर आपूर्ति श्रृंखला साझेदारी पर सहयोग ज्ञापन के साथ भारत-जापान औद्योगिक प्रतिस्पर्धात्मकता साझेदारी और आर्थिक सुरक्षा संवाद के जरिए मौजूदा सहयोग को बढ़ाने की प्रतिबद्धता जताई। शीर्ष नेताओं की यह संयुक्त यात्रा दोनों देशों के बीच मजबूत, लचीली और विश्वसनीय सेमीकंडक्टर आपूर्ति श्रृंखलाएं विकसित करने के साझा दृष्टिकोण को भी रेखांकित करती है। सेमीकंडक्टर कंपनी की यात्रा करने के बाद जापानी पक्ष द्वारा पीएम मोदी के लिए दोपहर के भोजन के दौरान एक बैठक का आयोजन किया गया था। जिसमें मियागी प्रांतों के राज्यपाल मुराई, जेआर ईस्ट के चेयरमैन फुकाजावा, टोक्यो इलेक्ट्रॉन के अध्यक्ष कावाई और तोहोकू विश्वविद्यालय के अध्यक्ष तोमुनागा शामिल हुए।

एडवांस बुलेट ट्रेन 'ई10' में किया सफर

सेंडाई में ही जापानी प्रधानमंत्री के साथ पीएम मोदी ने एडवांस शिंकानसेन बुलेट ट्रेन 'ई10' का सफर किया। भविष्य में भारत में भी बुलेट ट्रेन चलाई जाएंगी। जिसके लिए कुछ भारतीय ड्राइवरों को जापान का ईस्टर्न रेलवे प्रशिक्षण दे रहा है। प्रधानमंत्री ने सेंडाई में उनसे न केवल मुलाकात की। बल्कि उसमें ली गई तस्वीर को एक्स पर पोस्ट भी किया। एक्स पोस्ट में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि सेंडाई पहुंचे, पीएम इशिबा के साथ शिंकानसेन से इस शहर की यात्रा की। जापान के पीएम शिगेरू इशिबा ने भी बुलेट ट्रेन की इस यात्रा को लेकर एक्स पर एक पोस्ट की। जिसमें प्रधानमंत्री मोदी के साथ ट्रेन के केबिन से अपनी तस्वीर साझा करते हुए उन्होंने लिखा, पीएम मोदी के साथ सेंडाई की ओर जा रहा हूं। कल रात से ही सिलसिला जारी है और मैं आपके साथ कार में रहूंगा। पीएम की बुलेट की यह यात्रा इसलिए भी महत्वपूर्ण है। क्योंकि भारत में भी मुंबई से अहमदाबाद तक एक हाईस्पीड रेल चलाने की परियोजना चल रही है।

सिंगापुर में भारतीय नागरिक को 2 साल एक माह की जेल

देना होगा लाखों का जुर्माना

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

सिंगापुर में एक भारतीय नागरिक को 2 साल की जेल और लाखो रुपए जुर्माने की सजा सुनाई गई है। सिंगापुर की अदालत ने शुक्रवार को एक सड़क हादसे मामले में सुनवाई के दौरान यह फैसला दिया। 2023 में एक सड़क हादसे के दौरान नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर के वरिष्ठ लॉ प्रोफेसर की मौत हो गई थी। इस हादसे के आरोपी नटराजन मोहनराज को कोर्ट ने दोषी करार देते हुए सजा सुनाई है। सिंगापुर की अदालत ने नटराजन को 2 साल 1 महीने की सजा दी है। साथ ही उन्हें 2000 सिंगापुर डॉलर (लगभग 1 लाख 37 हजार रुपए) जुर्माना देने का भी आदेश दिया गया है। यह हादसा 7 जुलाई 2023 को हुआ था। 28 वर्षीय नटराजन मोहनराज ने फोन में देखते हुए गाड़ी चला रहे थे। तभी उन्होंने अपनी लॉरी से प्रोफेसर की कार को टक्कर मार दी।

ऑस्ट्रेलिया में पढ़ाई हुई और महंगी, वीजा और रिजर्व फंड में बढ़ोतरी से छात्रों पर आर्थिक बोझ पड़ा

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

ऑस्ट्रेलिया लंबे समय से भारतीय छात्रों के लिए उच्च शिक्षा का एक आकर्षक गंतव्य रहा है। 2024 के आंकड़ों के अनुसार, ऑस्ट्रेलिया के 43 विश्वविद्यालयों में 1.18 लाख से अधिक भारतीय छात्र पढ़ रहे हैं, जो कुल विदेशी छात्रों का लगभग 15 प्रतिशत हिस्सा है।

इसके बाद नेपाल, ब्राजील और मलेशिया जैसे देशों का स्थान आता है। लेकिन वीजा शुल्क और रिजर्व फंड की सीमा में हालिया बढ़ोतरी ने भारतीय सहित सभी विदेशी छात्रों पर आर्थिक दबाव बढ़ा दिया है।

रिजर्व फंड बढ़कर 27,500 डॉलर हुआ

इस साल अप्रैल में ऑस्ट्रेलियाई सरकार ने विदेशी छात्रों के लिए वीजा शुल्क को 1600 से बढ़ाकर 2000 ऑस्ट्रेलियाई डॉलर कर दिया। साथ ही, रिजर्व फंड की सीमा को 24,000 से बढ़ाकर 27,500 डॉलर कर दिया गया। इस बढ़ोतरी ने ऑस्ट्रेलिया में पढ़ाई को और महंगा बना दिया है। हालांकि, अनुष्का का कहना है कि ऑस्ट्रेलिया में पढ़ाई के अवसर और गुणवत्ता इतनी बेहतर है कि यह बढ़ी हुई लागत को उचित ठहराती है।

विश्वविद्यालय सरकार से चर्चा कर रहे

ऑस्ट्रेलिया के विश्वविद्यालय सरकार पर शुल्क वृद्धि को वापस लेने का दबाव बना रहे हैं। विदेशी छात्र विश्वविद्यालयों की आय का एक बड़ा स्रोत हैं और उनकी संख्या में कमी से आर्थिक नुकसान हो सकता है। न्यू साउथ वेल्स यूनिवर्सिटी की छात्रा और छात्र संघ की पदाधिकारी कृषा ने बताया कि विश्वविद्यालय ने छात्रों को आश्वासन दिया है कि वे सरकार से इस मुद्दे पर बातचीत कर रहे हैं।

भारत के सामने फिर गिड़गिड़ाया पाक

इस्लामाबाद। भारत के साथ हालिया संघर्ष में मात खाने के बाद से पाकिस्तान भारत के सामने लगातार सुलह के लिए गिड़गिड़ा रहा है। इस कड़ी में पाकिस्तान की तरफ से कई मौकों पर बातचीत करने की गुहार लगा रहा है। लेकिन भारत ने अपना पक्ष साफ कर दिया है।

इसी बीच पाकिस्तान के विदेश मंत्री और उप प्रधानमंत्री इशाक डार ने शुक्रवार को कहा कि उनका देश भारत के साथ गरिमा और सम्मान के साथ सभी लंबित मुद्दों पर बातचीत करने के लिए तैयार है, जिसमें कश्मीर विवाद भी शामिल है। हालांकि उन्होंने यह साफ कर दिया कि पाकिस्तान बातचीत के लिए भीख नहीं मांगेगा।

इंडोनेशिया में बेकाबू हुई भीड़

संसद भवन में लगाई आग 3 की मौत, कई लोग झुलसे

एजेंसी ⏭ जकार्ता

इंडोनेशिया में बेकाबू भीड़ ने संसद भवन में आग लगा दी है। इससे कम से कम 3 लोगों की मौत हो गई। जबकि कई अन्य लोग घायल हो गए। बताया जा रहा है किक इंडोनेशिया में सांसदों को मिलने वाले भारी-भरकम भत्तों को लेकर जनता का गुस्सा सड़कों पर फूट पड़ा है। विरोध प्रदर्शनों ने कई शहरों में हिंसक रूप ले लिया है।

इमारत समेत दर्जनों वाहन खाकः गुस्साई भीड़ ने दक्षिण सुलावेसी प्रांत की राजधानी मकास्सर में स्थानीय प्रांतीय संसद भवन में शुक्रवार देर रात आग लगा दी। स्थानीय आपदा प्रबंधन अधिकारी फदली ताहर ने बताया कि शनिवार सुबह तक तीन शव बरामद किए गए, जबकि इमारत से जान बचाकर कूदने के प्रयास में पांच लोग गंभीर रूप से झुलस गए या घायल हो गए।

चंद्रयान-5 मिशन के लिए इसरो के साथ हुई बड़ी डील

चंद्रमा के साउथ पोल पर पानी खोजने निकलेंगे भारत और जापान

एजेंसी ⏭ टोक्यो

भारत की इसरो और जापान की एयरोस्पेस एक्सप्लोरेशन एजेंसी जाक्सा इस संयुक्त चंद्र ध्रुवीय अन्वेषण मिशन (ल्यूपेक्स) का संचालन मिलकर करेंगी। इस समझौते पर जापान में भारत के राजदूत सिबी जॉर्ज और जाक्सा की उपाध्यक्ष मत्सुरा मयूमी के बीच हस्ताक्षर हुए। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने जापानी समकक्ष शिगेरु इशिबा के साथ संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि यह मिशन 'मानवता की प्रगति और पृथ्वी की सीमाओं से परे भारत-जापान की सक्रिय भागीदारी' का प्रतीक होगा।

तकनीकी बैठकें और तैयारियां

13-14 मई को इसरो मुख्यालय, बेंगलुरु में दोनों एजेंसियों ने मिशन पर तीसरी तकनीकी बैठक की। इसमें इसरो, जाक्सा और मित्सुबिशी हेवी इंडस्ट्रीज के सीनियर अधिकारी और एक्सपर्ट शामिल हुए। चर्चाओं का फोकस मिशन की तकनीकी चुनौतियों, कार्यान्वयन योजना और संभावित लैंडिंग स्थलों पर रहा। इसरो के वैज्ञानिक सचिव एम. गणेश पिल्लई ने सहयोग को सराहते हुए इसे वैज्ञानिक और तकनीकी लक्ष्यों को आगे बढ़ाने में अहम बताया।

इसरो-जाक्सा सहयोग का महत्व

योमिउरी शिंबुन को दिए एक इंटरव्यू में पीएम मोदी ने कहा कि इसरो और जाक्सा का सहयोग न केवल जी2जी साझेदारी को मजबूत कर रहा है, बल्कि यह उद्योगों और स्टार्टअप्स के बीच नवाचार का साझा पारिस्थितिकी तंत्र भी बना रहा है- जहां प्रयोगशाला से लॉन्चपैड और शोध से लेकर वास्तविक अनुप्रयोग तक तकनीक बह रही है।

इस डील के मायने

यह समझौता सिर्फ अंतरिक्ष सहयोग का करार नहीं, बल्कि भारत-जापान के बीच रणनीतिक साझेदारी की नई ऊंचाई है। चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर जल की खोज वैश्विक अंतरिक्ष दौड़ का सबसे अहम लक्ष्य है, और इस मिशन से भारत न केवल वैज्ञानिक खोज में, बल्कि स्पेस जियोपॉलिटिक्स में भी अपनी स्थिति मजबूत करेगा। जापान की तकनीकी क्षमता और भारत के मिशन अनुभव का यह मेल दोनों देशों को भविष्य की अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था और संसाधन खोज की दौड़ में अग्रणी बना सकता है।

चंद्रयान-5 मिशन की खास बातें

- *यह मिशन मार्च में प्रधानमंत्री मोदी द्वारा स्वीकृत किया गया था।*
- *जाक्सा इसे अपने एच3 -24एल लॉन्चर से प्रक्षेपित करेगा।*
- *इसरो का निर्मित लैंडर जापानी रोवर को चंद्रमा पर ले जाएगा।*
- *अंतरिक्ष यान पर कुल 7 वैज्ञानिक उपकरण होंगे-इनमें से कुछ यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी और नासा द्वारा प्रदान किए गए हैं।*

चंद्रयान-3 से चंद्रयान-5 तक

मोदी ने 2023 में चंद्रयान-3 द्वारा चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर की गई ऐतिहासिक लैंडिंग को याद किया।

रूस का यूक्रेन पर बड़ा हमला

500 ड्रोन और 45 मिसाइलों से मचाई बड़ी तबाही, एक की मौत, 24 घायल

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

रूस ने शुक्रवार रात से लेकर शनिवार सुबह तक यूक्रेन पर बड़े पैमाने पर हमला किया है। इस हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई और 24 लोग घायल हो गए। घायलों में तीन बच्चे भी शामिल हैं। अधिकारियों के अनुसार, मिसाइल और ड्रोन हमलों से कई शहरों की इमारतें और जरूरी ढांचे बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने बताया कि यह हमला 14 अलग-अलग जगहों पर हुआ।

5 मंजिला इमारत पर सीधा हमला किया

मीडिया को मिली जानकारी के अनुसार हमले के दौरान करीब 540 ड्रोन और 45 मिसाइलें दागी गईं। जापोरिज्झिया शहर में पांच मंजिला इमारत पर सीधा हमला हुआ, बिजली कट गई और 25 हजार लोग अंधेरे में रहने को मजबूर हो गए। स्थानीय गवर्नर इवान फेदोरोव ने बताया कि धमाकों से इलाके में कई जगह आग लग गई और बच्चे समेत दर्जनों लोग घायल हो गए।

तेल रिफाइनरी पर निशाना

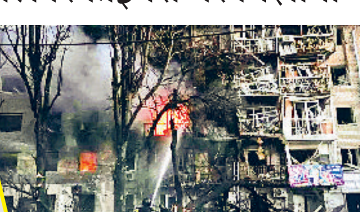

इस बीच यूक्रेन ने रूस के दो तेल रिफाइनरी पर ड्रोन हमले किए। साउथ रूस के क्रास्नोदार और सामारा से सिजरान इलाके में धमाकों और आग की खबर आई। रूसी अधिकारियों के मुताबिक, क्रास्नोदार रिफाइनरी पर गिरे ड्रोन के मलबे से आग लगी।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक देवेन्द्र सिंह बाल्यान द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सैंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : डॉ.हिमांशु द्विवेदी। आरएनआई नं 69631/1998, फोन : 011-40451115/16, 40451109